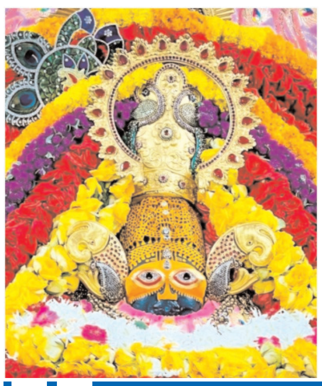

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:303। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 24 जून 2026 (बुधवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण

एसआईटी ने राज्य सरकार को सौंपी रिपोर्ट

एजेंसी

लखनऊ । अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के चढ़ावे में कथित हेरफेरी और चोरी के मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने अपनी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट उत्तर प्रदेश सरकार को सौंप दी है। यह रिपोर्ट अपर मुख्य सचिव (गृह) एवं मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव संजय प्रसाद को सौंपी गई है। हालांकि, जांच प्रक्रिया अभी जारी है और अंतिम रिपोर्ट बाद में प्रस्तुत की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की मांग के बाद इस मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय एसआईटी का गठन किया गया था। लखनऊ मंडल के आयुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में गठित एसआईटी ने अयोध्या में छह दिनों तक रहकर मामले की गहन जांच की। जांच के दौरान एसआईटी ने मंदिर प्रशासन, सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े कर्मियों, ट्रस्ट से संबद्ध लोगों तथा अन्य संबंधित व्यक्तियों सहित पांच दर्जन से

अधिक लोगों से पूछताछ की। टीम ने चढ़ावे की गणना, उसके रखरखाव, सुरक्षा व्यवस्था और कथित अनियमितताओं से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जांच की। लखनऊ मंडल के आयुक्त विजय विश्वास पंत ने बताया कि एसआईटी ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट शासन को सौंप दी है। उन्होंने कहा कि यह एक गोपनीय जांच है और फिलहाल केवल प्रारंभिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है। जांच से जुड़े तथ्यों और निष्कर्षों को रिपोर्ट में शामिल कर शासन को अवगत कराया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच की कार्यवाही अभी जारी है और कई बिंदुओं पर पड़ताल की जा रही है। अंतिम रिपोर्ट तैयार होने के बाद उसे शासन को सौंपा जाएगा।

तनाव और सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रही दुनिया में ब्रिक्स की है खास भूमिका : अजीत डोभाल

'यह कोई आम समूह नहीं है, बल्कि 1.4 बिलियन लोगों का घर है'

'समूह ग्लोबल गवर्नेंस स्ट्रक्चर में सुधार और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को बेहतर बनाने की उम्मीद पर भी बना है।'

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने मंगलवार को कहा कि ब्रिक्स केवल देशों के समूह से कहीं ज्यादा है। उन्होंने इसे दुनिया की लगभग आधी आबादी का एक सामूहिक घर बताया, जिसकी वैश्विक चुनौतियों से निपटने में 'खास भूमिका' है। खासतौर से ऐसे समय में जब अंतरराष्ट्रीय सिस्टम बढ़ती अस्थिरता, भू-राजनीतिक तनाव और बदलते सुरक्षा खतरों का सामना कर रहा है। 16वीं ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सालहकारों की मीटिंग में एनएसए डोभाल ने अपने समकक्षों का स्वागत किया और सदस्य देशों के बीच सहयोग को मजबूत करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने समूह के अंदर सहयोग को आगे बढ़ाने में लगातार जुड़े रहने और समर्थन के लिए हिस्सा लेने वाले

देशों को धन्यवाद दिया। एनएसए डोभाल ने अपने भाषण की शुरुआत में कहा, 'मैं आज आपकी मौजूदगी और ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग को मजबूत करने के आपके लगातार कमिटमेंट के लिए आप सभी का शुक्रिया अदा करता हूं।' मौजूदा वैश्विक हालात को हाइलाइट करते हुए, उन्होंने कहा कि दुनिया एक खास तौर पर मुश्किल दौर से गुजर रही है, जिसमें हथियारों से जुड़ी लड़ाइयां, भू-राजनीतिक अनिश्चितता, आर्थिक दबाव और ऐसी विघटनकारी प्रौद्योगिकी का आना शामिल है जो अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के माहौल को बदल रही हैं। उन्होंने कहा, 'हम बहुत मुश्किल समय में मिल रहे हैं। दुनिया सैन्य झगड़ों और मुश्किल सुरक्षा समस्याओं से जूझ रही है। यह भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, आर्थिक दबाव और विघटनकारी प्रौद्योगिकी का सामना कर रही है।' एनएसए अजीत डोभाल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने जो चुनौतियां हैं, वे तेजी से मुश्किल होती जा रही हैं और उन्हें मैनेज करना कठिन हो रहा है, जबकि मौजूदा संस्थागत फ्रेमवर्क और झगड़े सुलझाने के तरीके असरदार तरीके से जवाब देने में मुश्किल हो रहे हैं। उन्होंने कहा, 'न केवल खतरे और अधिक जटिल तथा आपस में जुड़े हुए होते जा रहे हैं, बल्कि उनसे निपटने या उनके प्रभाव को कम करने के लिए मौजूद साधन और संस्थागत तंत्र भी लगातार अपर्याप्त साबित हो रहे हैं।

'बहुपक्षीय सहयोग के कमजोर होने पर चिंता जताते हुए, एनएसए डोभाल ने कहा कि ग्लोबल सिस्टम में बहुपक्षवाद में गिरावट देखी जा रही है, ऐसे समय में जब मिलकर काम करने की जरूरत पहले से कहीं ज्यादा है।उन्होंने ब्रिक्स बनाने के पीछे के असली विजन को याद करते हुए कहा, 'बहुपक्षवाद कम हो रहा है।' एनएसए के मुताबिक, ब्रिक्स को उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं के एक अनौपचारिक समूह के तौर पर सोचा गया था, जिसका मकसद ज्यादा 'मल्टीपोलर वर्ल्ड ऑर्डर' को बढ़ावा देना, आर्थिक सहयोग बढ़ाना और अंतरराष्ट्रीय मामलों में ग्लोबल साउथ की आवाज को बुलंद करना था।

होर्मुज जलडमरूमध्य का खुलना ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगाः अजीत डोभाल

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने मंगलवार को ब्रिक्स देशों की यहां आयोजित बैठक में कहा कि अमेरिका-ईरान के बीच बनी समझ का भारत स्वागत करता है। उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य का खुलना ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा, आपूर्ति श्रृंखला की बाधाओं को कम करेगा तथा उर्वरक, रसायन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता बेहतर करेगा। इससे क्षेत्रीय और वैश्विक आर्थिक समृद्धि को भी बढ़ावा मिलेगा। डोभाल ने 16वीं ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बैठक में वैश्विक चुनौतियों के बीच ब्रिक्स की अहम भूमिका को रेखांकित किया। डोभाल ने कहा कि दुनिया इस समय सैन्य संघर्षों, भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, आर्थिक दबावों और विघटनकारी प्रौद्योगिकियों जैसी जटिल चुनौतियों का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि संघर्ष समाधान के पारंपरिक तंत्र कमजोर पड़ रहे हैं और ऐसे समय में ब्रिक्स की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण

देवकीनंदन ठाकुर बोले, पीएम मोदी और सीएम योगी न्याय सुनिश्चित करेंगे

धौलपुर (राजस्थान) । कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने राम मंदिर के चढ़ावा में हुए कथित घोटाले पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसमें संलिप्त आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की बात कही है। उन्होंने मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हमें जैसा सुनने को मिल रहा है। अगर उसमें सच्चाई है, तो मैं एक बात साफ कर देना चाहता हूं कि देश में नरेंद्र मोदी की सरकार है और प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार है। आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के दौरान किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाएगी। सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो। कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि कुंभ के दौरान सनातन बोर्ड को लेकर खूब करवेज की गई थी। जो धर्म और शास्त्रों को जानेंगे, उनके लिए भगवान राम पर चढ़ाया गया धन, धन नहीं होगा, वो फिर ठाकुर जी का प्रसाद होगा। ठाकुर जी का प्रसाद अगर गरीब जनता के काम आए, सनातन बोर्ड को लेकर यही हमारी ओर से कहा गया था। अभी भी हमारी चाहत यही है कि इसकी शुरुआत हो जाए।

देवकीनंदन ने कहा कि ठाकुर जी का प्रसाद सामाजिक कल्याण की दिशा में काम आए। अस्पताल का निर्माण हो और गौशालाओं का निर्माण हो। इसे लेकर हमने अपनी बात रखी थी। उन्होंने कहा कि इस बात की शुरुआत हो जाना चाहिए।

भजनलाल शर्मा का दिल्ली दौरा

● यमुना जल परियोजना के महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर हुई चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली /जयपुर । सीएम भजनलाल शर्मा की दिल्ली दौरे के दौरान केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल एवं हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ यमुना जल परियोजना को लेकर आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में एमओए (MoA) के विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत एवं सकारात्मक चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक्स पर बताया कि इस अवसर पर किशाऊ बांध परियोजना से संबंधित विषयों पर भी सार्थक विचार-विमर्श हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन, दूरदर्शी नेतृत्व तथा राजस्थान के परिजनों के प्रति उनके विशेष स्नेह के कारण वर्षों पुरानी यह

बहुप्रतीक्षित परियोजना अब साकार होने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार केंद्र एवं हरियाणा सरकार के सहयोग से इस महत्वाकांक्षी परियोजना को शीघ्र धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है। यह परियोजना शेखावाटी क्षेत्र को पेयजल उपलब्ध कराने के साथ-साथ किसानों की सिंचाई संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति भी करेगी तथा क्षेत्र के विकास, समृद्धि एवं खुशहाली को नई गति प्रदान करेगी।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारत के लिए जो सपना देखा था, उसे प्रधानमंत्री मोदी कर रहे पूराः नितिन नवीन

नितिन नवीन ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

एजेंसी

नई दिल्ली । भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बी.एल. संतोष और नेता वसुंधरा राजे के साथ भाजपा मुख्यालय में भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर मीडिया से बातचीत करते हुए नितिन नवीन ने कहा, 'मैं श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनके 73वें बलिदान दिवस पर सादर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। वे एक प्रखर राष्ट्रवादी, महान विचारक और देश के पहले उद्योग मंत्री थे। उन्होंने जो सपना देखा था और जो बलिदान दिया था, वह बलिदान अब हमारे सामने साकार हो रहा है। मेरा मानना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कश्मीर में अनुच्छेद 370 को हटाना श्यामा प्रसाद मुखर्जी को सच्ची श्रद्धांजलि है। मैं मानता हूं कि पश्चिम बंगाल, असम और पंजाब की सीमाओं की रक्षा के लिए श्यामा प्रसाद ने संघर्ष किया और बलिदान दिया था। आज श्यामा प्रसाद के जन्मस्थान पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार है, जो उनके दिखाए गए मार्गों पर चल रही है और सीमाओं की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। नितिन नवीन ने कहा, 'श्यामा प्रसाद ने 1951 में जिस सोच और भावना से

जनसंघ की स्थापना की थी कि एक राष्ट्रवादी सोच का नेतृत्व बने, आज कह सकते हैं कि भाजपा के 14 करोड़ से अधिक कार्यकर्ता उस सोच पर खरा उतरते हुए भारत को आगे बढ़ाने में लगे हुए हैं। श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जो सपना भारत के लिए देखा था, उसको पूरा करने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं।'

महाराष्ट्र में समान नागरिक संहिता लागू करने की तैयारी

सरकार ने दी समिति गठन को मंजूरी

एजेंसी

मुंबई । महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के संबंध में रिपोर्ट तैयार करने के लिए हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक समिति गठित करने को मंजूरी दे दी है। राज्य के गृह राज्यमंत्री योगेश कदम ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि समिति की रिपोर्ट मिलने के बाद राज्य में यूसीसी लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''महाराष्ट्र सरकार समान नागरिक संहिता लागू करने के पक्ष में है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने यूसीसी का मसौदा तैयार करने के लिए हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में समिति बनाने को मंजूरी दे दी है। समिति की रिपोर्ट मिलने के बाद यूसीसी लागू किया जाएगा।'' योगेश कदम विधानसभा में भाजपा विधायक देवयानी फरांदे द्वारा नासिक जिले में ट्रिपल तलाक के मामलों को लेकर उठाए गए ध्यानाकर्षण

प्रस्ताव का जवाब दे रहे थे। इससे पहले फरांदे ने दावा किया कि केंद्र सरकार द्वारा ट्रिपल तलाक पर प्रतिबंध लगाए जाने के बावजूद ऐसे मामलों में बढ़ोतरी हो रही है। उन्होंने कहा कि उन्हें तीन मुस्लिम महिलाओं की शिकायतें मिली हैं, जिनमें उनके पतियों द्वारा धमकी, हिंसा और ट्रिपल तलाक देने के आरोप लगाए गए हैं। फरांदे ने कहा, ''अब पाकिस्तान में भी बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाया गया है।'' उन्होंने पूछा कि इस्लाम में मान्य बहुविवाह के मुद्दे पर महाराष्ट्र सरकार का क्या रुख है और क्या उत्तराखंड तथा गुजरात की तर्ज पर महाराष्ट्र में भी यूसीसी लागू किया जाएगा।

उन्होंने यह भी पूछा, ''असम ने बहुविवाह पर प्रतिबंध लगा दिया है। क्या महाराष्ट्र भी ऐसा करेगा?'' इस पर जवाब देते हुए योगेश कदम ने कहा कि जब यूसीसी लागू होगा, तब उसमें बहुविवाह पर प्रतिबंध का प्रावधान भी शामिल होगा। उन्होंने कहा, ''सरकार किसी धर्म या व्यक्ति के खिलाफ नहीं है। यूसीसी लागू होने पर यह सभी लोगों पर समान रूप से लागू होगा, चाहे उनका धर्म कोई भी हो।''

चर्चा के दौरान सत्तारूढ़ एनसीपी विधायक सना मलिक ने फरांदे के बयान पर सवाल उठाते हुए कहा कि क्या केवल मुस्लिम महिलाएं ही हिंसा का शिकार होती हैं और क्या बहुविवाह सिर्फ इस्लाम में ही मौजूद है? उन्होंने कहा, ''मैं यह स्पष्ट करना चाहती हूं कि केवल तत्काल तीन तलाक (इंस्टेंट तलाक) पर प्रतिबंध लगाया गया है। पूरे ट्रिपल तलाक पर नहीं।'' सना मलिक के इस बयान के बाद विपक्षी सदस्य उनके समर्थन में आ गए, जबकि भाजपा विधायकों ने कहा कि राज्य संविधान के अनुसार चलेगा, किसी धार्मिक ग्रंथ के अनुसार नहीं।

दिल्ली के तकिया काले खान के पास भीषण आग से 30 झुग्गियां जलकर खाक

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली के मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के पीछे तकिया काले खान इलाके की वाल्मीकि बस्ती में बनी झुग्गियों में भीषण आग लग गई। इस हादसे में कम से कम 30 झुग्गियां जलकर खाक हो गईं।

साथ ही बड़ी मात्रा में प्लाईवुड, लकड़ी और अन्य ज्वलनशील सामग्री भी नष्ट हो गई। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि आग की तीव्रता के बावजूद आपातकालीन सेवाओं और पुलिसकर्मियों की त्वरित प्रतिक्रिया के कारण किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों के मुताबिक, सोमवार रात करीब 11:32 बजे तकिया काले खां इलाके में आग लगने की पीसीआर कॉल मिली। स्थानीय पुलिस टीमें स्थिति का आकलन

करने और बचाव एवं निकासी अभियान शुरू करने के लिए मौके पर पहुंचीं। भीषण आग ने वहां संग्रहीत पुराने फर्नीचर, लकड़ी, प्लाईवुड और अन्य अत्यधिक दहनशील सामग्रियों के एक बड़े भंडार को अपनी चपेट में ले लिया था। आग की लपटें तेजी से फैल गईं, जिससे आसपास की झोपड़ियों और घनी आबादी में रहने वाले निवासियों के लिए गंभीर खतरा पैदा हुआ। पुलिसकर्मियों ने तुरंत निकासी अभियान चलाया और स्थानीय निवासियों को तेजी से फैल रही आग से उत्पन्न खतरे के बारे में सचेत किया। अधिकारियों ने कहा कि कुछ निवासियों के प्रतिरोध के बावजूद, जो अपने घरों और सामान को पीछे छोड़ने के लिए अनिच्छुक थे, पुलिस ने लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने के अपने प्रयास जारी रखे।

एसआईटी और एफएसएल की संयुक्त जांच शुरू, राजनीतिक बयानबाजी तेज

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज स्थित कोचिंग संस्थान में हुए भीषण अग्निकांड की जांच मंगलवार को औपचारिक रूप से शुरू हो गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) और फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की संयुक्त टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया शुरू की। जांच के मद्देनजर पूरी इमारत को सील कर दिया गया है। जांच एजेंसियां आग लगने के कारणों, सुरक्षा मानकों के पालन और संभावित लापरवाही के विभिन्न पहलुओं की पड़ताल कर रही हैं। हालांकि, घटना के वास्तविक कारणों को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक निष्कर्ष सामने नहीं आया है। इससे पहले सोमवार देर रात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मामले की समीक्षा के लिए उच्चस्तरीय बैठक की थी। बैठक में हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान और जवाबदेही तय करने के उद्देश्य से एसआईटी गठित करने के निर्देश दिए गए। वहीं, अलीगंज थाने में छह लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की गई है, जिनमें से चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर गठित एसआईटी में संस्कृति विभाग के अपर मुख्य सचिव अमृत अभिजात और एडीजी लखनऊ जोन प्रवीण कुमार को सदस्य बनाया गया है।

रास लाफान हादसे में 12 भारतीयों की मौत

परिजनों के संपर्क में हम : विदेश मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली । कतर के रास लाफान इंडस्ट्रियल सिटी गैस संयंत्र में हुए धमाके ने 12 भारतीय नागरिकों की जान ले ली। भारत ने दुर्घटना पर गहरा शोक जताते हुए कहा कि स्थानीय अधिकारियों के सहयोग से पार्थिव शरीर को भारत लाने का प्रयास किया जा रहा है। मंगलवार को साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, '12 भारतीय नागरिकों की मौत बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। इस हादसे में कई अन्य देशों के लोगों की भी मौत हुई, लेकिन रास लाफान में हुए धमाके में हमारे देश के 12 लोगों की जान चली गई। कई अन्य लोग घायल भी हुए हैं।' उन्होंने इस हादसे में घायल हुए लोगों का जिक्र करते हुए आगे बताया, 'अलग-अलग देशों के लगभग 66 लोग घायल हुए हैं। हमें ठीक-ठीक नहीं पता कि उनमें से कितने भारतीय नागरिक हैं, लेकिन घायल हुए सभी लोग सुरक्षित हैं। हम पार्थिव शरीर की पहचान करने और उन्हें भारत लाने के लिए स्थानीय अधिकारियों से बात कर रहे हैं। साथ ही हम इस बेहद दुखद घटना में जान गंवाने वालों के परिवारों के संपर्क में भी हैं।'' विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'रास लाफान में हुए विस्फोट में भारतीय नागरिकों सहित कई लोगों की मौत और घायल होने की खबर से अत्यंत दुखी हूं।'

राष्ट्रपति मुर्मु ने अलका याग्निक, ममूटी समेत 65 हस्तियों को पद्म पुरस्कार प्रदान किए

'इससे पहले राष्ट्रपति ने 25 मई को आयोजित पहले नागरिक सम्मान समारोह में 65 पद्म पुरस्कार प्रदान किए थे'

एजेंसी

नई दिल्ली । राष्ट्रपति भवन में मंगलवार को 'नागरिक अलंकरण समारोह-द्वितीय' में 'पद्म पुरस्कार-2026' प्रदान किए गए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विभिन्न क्षेत्रों की हस्तियों को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया। इस दौरान राष्ट्रपति मुर्मु ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन (मरणोपरांत) को पद्म भूषण से सम्मानित किया। उनकी पत्नी रूपी सोरेन ने सम्मान प्राप्त किया। वहीं, टेनिस के दिग्गज विजय अमृतराज को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। गायिका अलका याग्निक को राष्ट्रपति मुर्मु ने पद्म भूषण से सम्मानित किया। इस

दौरान पी. नारायणन और जस्टिस (रिटायर्ड) केटी थॉमस को साहित्य और शिक्षा तथा जन-कार्य के लिए पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। पद्म भूषण पाने वाले अन्य लोगों में एसकेएम मैलानंदन, ममूटी, वेल्लापल्ली नटेसन और दत्तात्रेयुडु नोरी शामिल हैं। अवॉर्ड पाने वालों की लिस्ट में दो अमेरिकी, एक रूसी और एक जॉर्जियाई नागरिक भी शामिल हैं। राष्ट्रपति मुर्मु ने अलंकरण समारोह में 65 लोगों को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया। समारोह में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह और कई गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे।

दूसरे नागरिक सम्मान समारोह में 65 पद्म पुरस्कार प्रदान किए गए हैं, जिनमें दो पद्म विभूषण, सात पद्म भूषण, और 56 पद्म श्री शामिल हैं।

इससे पहले राष्ट्रपति ने 25 मई को आयोजित पहले नागरिक सम्मान समारोह में 65 पद्म पुरस्कार प्रदान किए थे, जिनमें दो पद्म विभूषण, छह पद्म भूषण और 57 पद्म श्री शामिल थे। देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक पद्म पुरस्कार तीन श्रेणियों में दिए जाते हैंः पद्म श्री, पद्म भूषण और पद्म विभूषण। पद्म पुरस्कार कला, समाजसेवा, जन-कार्य, विज्ञान और इंजीनियरिंग, व्यापार और उद्योग, चिकित्सा, साहित्य और शिक्षा, खेल और सिविल सेवा जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में दिए जाते हैं।

करजण में खाकी और खादी की जुगलबंदी

विधायक अक्षय पटेल और गुंडा प्रवृत्ति के घुघा भरवाड़ के 'भू-माफियाराज' ने नर्मदा की कोख उजाड़ी! 150 डंपर और 'बाज' मशीनों का नंगा नाच

विधायक का बेटा ऋषि पटेल; प्रशासन घूस के नशे में चूर!

सीएम ऑफिस की नाक के नीचे करोड़ों की रॉयल्टी चोरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

वडोदरा/करजण। सत्ता के नशे में चूर नेता और आपराधिक मानसिकता वाले उनके गुर्गे जब कानून को अपने जूतों की नोंक पर रखते हैं, तो कैसा विनाश होता है... इसका जीता-जागता सबूत है करजण तालुका! कांग्रेस से पाला बदलकर भाजपा के 'वाशिंग मशीन' में धुलकर पवित्र हुए करजण के विधायक अक्षय पटेल और क्रिमिनल माइंडसेट वाले करजण नगर पालिका के वार्ड नंबर 6 के सदस्य घुघा भरवाड़ तथा गोकुल भरवाड़ ने पूरे पिंगरवाडा और घनधारा गांव को लूटने के लिए अपना एक समानांतर माफिया साम्राज्य खड़ा कर लिया है। सरकारी खजाने को करोड़ों का चूना लगाकर यह पूरी टोली गुजरात सरकार के नियमों की सरेआम धज्जियां उड़ा रही है।

कुदरत के साथ क्रूरताः नर्मदा नदी के सीने पर 200 फीट के जानलेवा घाव!

पिंगरवाडा गांव में जैसे इन माफियाओं के बाप की जागीर हो, वैसे ही 120 से 150 डंपर, 16 हिटाची और 20 से ज्यादा जेसीबी मशीनें दिन-रात जमीन का सीना चीर रही हैं। सरकारी मंजूरी से 10 गुना ज्यादा अवैध खुदाई करके पूरे गांव को मलबे के ढेर में तब्दील कर दिया गया है। हद तो तब हो गई जब पवित्र नर्मदा नदी के तट पर बिना किसी अनुमति के खतरनाक 'बाज' मशीनें उतारकर 200-200 फीट गहरे गड्डें कर दिए गए। गायों के चरने के लिए छोड़ी गई गोचर भूमि को भी ये भूखे भेड़िए निगल गए। घनधारा गांव के एक जागरूक प्रजापति युवक ने इस पाप के खिलाफ सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय तक लिखित में सबूत भेजे, लेकिन गांधीनगर का तंत्र कान में तेल डालकर सोया हुआ है!

'बापजी' और 'राधे कृष्ण' के नाम पर खुली उगाही और रॉयल्टी चोरी

इस पूरे घोटाले का नेटवर्क इतना घिनौना है कि जानकर किसी के भी रोंगटे खड़े हो जाएं वसूली भाई ऋषि पटेलः विधायक अक्षय पटेल और उनके चचेरे भाई दीक्षित पटेल की करीब 120 आइवा गाड़ियां इस अवैध धंधे में बेखौफ दौड़ रही हैं। इन गाड़ियों पर पुलिस हाथ न डाले, इसके लिए उन पर खास तौर पर 'बापजी' और 'राधे कृष्ण' के सिंबल लगाए गए हैं। इन अवैध गाड़ियों को बिना रोक-टोक पास कराने के लिए विधायक का बेटा ऋषि पटेल खुद हर महीने प्रति गाड़ी 40,000 रुपये की काली वसूली (हफ्ता) ऐंठता है! 22 टन की रॉयल्टी, माल 50 टन ओवरलोडः सरकारी कागजों पर सिर्फ 22 टन की रॉयल्टी कटवाकर इन गाड़ियों में 50-50 टन माल ओवरलोड भरा जा रहा है। ये गाड़ियां पूरे गुजरात के हाईवे तोड़ रही हैं और टैक्स चोरी से सरकार को अरबों का नुकसान हो रहा है।

'महानगर मेट्रो' का खुला चैलेंज - अगर जेल नहीं भेजा तो हाईकोर्ट में खींचेंगे!

घुघो भरवाड़ करजन
नगर पालिका सदस्य

अक्षय पटेल
विधायक करजन

महानगर मेट्रो का महा-खुलासाः करजण में विधायक अक्षय पटेल का 'भू-माफियाराज' नर्मदा का सीना चीरकर बेटे की करोड़ों की वसूली!

मेरे पास स्टाफ नहीं है, मैं क्या करूं?

यह पूरा खेल इसलिए धड़ल्ले से चल रहा है क्योंकि रक्षक ही भक्षक बन चुके हैं। एसडीएम शिवम बारिया रिश्वत के करोड़ों रुपये जेब में डालकर अपनी सारी नैतिक जिम्मेदारी भूल चुके हैं। जनता जब उनसे सवाल पूछती है, तो वो बेशर्मी से बहाना बनाते हैं कि, 'मेरे पास स्टाफ नहीं है, मैं क्या करूं! ' दूसरी तरफ, खान खनिज विभाग के फ्लाइंग स्क्वाड के चावडा साहब के पास जब से कनकटी की काली कमाई के हफ्ते पहुंचे हैं, उन्होंने जनता और मीडिया के फोन उठाना ही बंद कर दिया है।

काली कमाई से करोड़ों के बंगले और बेनामी लग्जरी कारें

जिस जनता के वोटों से जीतकर विधानसभा पहुंचे, आज उसी जनता की जमीनें बेचकर ये नेता और उनके गुर्गे मालामाल हो रहे हैं। विधायक के बेटे ने 3 से 4 करोड़ रुपये की चमचमाती लग्जरी कार खरीदी है, तो दूसरी तरफ अपराधी घुघा भरवाड़ ने 2 से 3 करोड़ के बंगले और गाड़ियां खड़ी कर ली हैं। खुद कानून की पकड़ में न आएं, इसके लिए विधायक अक्षय पटेल ने करन गांव के जयदत्त और मोहसिन पठान जैसे डमी लोगों के नाम पर बेनामी संपत्तियों का पहाड़ खड़ा कर दिया है।

'महानगर मेट्रो' का ललकारः जनता अब घेरेगी सीएम ऑफिस!

यह भ्रष्ट टोली सीधे-सीधे राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की 'नो टॉलरेंस' वाली छवि को ठेंगा दिखा रही है। 'महानगर मेट्रो' करजण की जनता से आह्वान करता है कि अपनी धरती और नर्मदा मैया को बचाने के लिए गांधीनगर कूच करें और सीएम ऑफिस का घेराव करें। हम सरकार को साफ चेतावनी देते हैं कि अगर इन अक्षय पटेल, ऋषि पटेल और घुघा भरवाड़ जैसे भू-माफियाओं पर तुरंत बुलडोजर नहीं चला और इन्हें जेल की सलाखों के पीछे नहीं धकेला गया, तो 'महानगर मेट्रो' जनता की तरफ से हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर करेगा और इस पूरी भ्रष्ट मंडली का पर्दाफाश करके ही दम लेगा! मुख्यमंत्री साहब, इन भ्रष्टाचारियों पर कड़ा एक्शन होगा या फिर आपकी सरकार भी 'वाशिंग मशीन' वाले इन नेताओं के आगे घुटने टेक देगी? जनता जवाब मांगती है!

सिस्टम को हिला देने वाली ग्राउंड रिपोर्ट- महानगर मेट्रो (करजण)

प्रसिद्ध लोकगायक गोपाल साधु ने अपनी बेटी का सरकारी स्कूल में कराया दाखिला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। विरमगाम तालुका से एक बेहद प्रेरणादायक खबर सामने आई है। विश्वविख्यात लोकगायक गोपाल साधु ने अपनी बेटी राजश्री का दाखिला एक सरकारी स्कूल में कराकर समाज के सामने एक बेहतरीन उदाहरण पेश किया है। आमतौर पर देखा जाता है कि जानी-मानी हस्तियां अपने बच्चों को महंगे और निजी स्कूलों में पढ़ाना पसंद करती हैं, लेकिन गोपाल साधु ने इसके विपरीत जाकर खुड़द गांव के सरकारी प्राथमिक स्कूल में अपनी बेटी का प्रवेश कराकर सरकारी शिक्षा व्यवस्था पर अपना गहरा विश्वास जताया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों से प्रेरित 'शाला प्रवेशोत्सव - कन्या केलवणी महोत्सव' के 24वें संस्करण की शुरुआत हाल ही में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने वडनगर से की है। बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुरू किए गए इस राज्यव्यापी अभियान के तहत विरमगाम तालुका के खुड़द पे सेंटर प्राथमिक विद्यालय में भी प्रवेशोत्सव और कन्या केलवणी महोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस खास कार्यक्रम में प्रसिद्ध लोकगायक गोपाल साधु विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस पूरी घटना की सबसे खास बात यह रही कि गोपाल साधु ने अपनी बेटी को उसी स्कूल में प्रवेश दिलाया है, जहां से उन्होंने खुद अपनी शुरुआती शिक्षा पूरी की थी। इस मौके पर उन्होंने सरकारी स्कूल की गुणवत्ता और शिक्षकों की मेहनत की सराहना की। उनके इस सकारात्मक कदम से सरकारी स्कूलों के प्रति आम जनता और अन्य अभिभावकों का भरोसा और अधिक मजबूत होगा तथा वे भी सरकारी शिक्षा की तरफ प्रेरित होंगे।

भाजपा शहीद भगत सिंह शक्ति केंद्र द्वारा 25 जून को भव्य चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। भारतीय जनता पार्टी, नागदा मंडी मंडल के अंतर्गत शहीद भगत सिंह शक्ति केंद्र द्वारा 'मोदीजी के 12 साल - विकास के, विश्वास के, जनकल्याण के' विषय पर भव्य चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन गुरुवार, 25 जून 2026 को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक शेषशायी महाविद्यालय, नागदा में किया जाएगा। प्रतियोगिता में कक्षा 6वीं से 12वीं तक के सभी छात्र-छात्राओं को निःशुल्क भाग लेने का अवसर प्रदान किया जाएगा। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विगत 12 वर्षों में हुए विकास, सुशासन एवं जनकल्याणकारी कार्यों को चित्रों के माध्यम से अभिव्यक्त करना है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों के लिए ड्राइंग शीट एवं पेंसिल कलर आयोजन समिति द्वारा उपलब्ध कराए जाएंगे। इच्छुक प्रतिभागी अपनी सुविधा अनुसार वाटर कलर अथवा अन्य रंगों का भी उपयोग कर सकेंगे। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम पुरस्कार 2001, द्वितीय पुरस्कार ?1501 एवं तृतीय पुरस्कार ?1001 नकद राशि के साथ प्रतीक चिन्ह प्रदान किए जाएंगे। साथ ही प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। मंडल अध्यक्ष श्री विजय पटेल एवं शक्ति केंद्र प्रभारी सुबोध स्वामी ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम की जानकारी देते हुए क्षेत्र के सभी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं अभिभावकों से अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया है।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर श्रमिकों के बीच श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। देश की एकता, अखंडता एवं राष्ट्रहित के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष, महान राष्ट्रवादी एवं करुणामयी व्यक्तित्व के धनी श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा बूथ क्रमांक 116 पर श्रमिकों के बीच श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष श्री राजेश धाकड़, मंडल अध्यक्ष श्री विजय पटेल, पार्षद श्रीमती भावना रावल, श्री मनीष कांठेड एवं श्री हितेश कांठेड विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ भाजपा नेता श्री सुबोध स्वामी ने किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष श्री राजेश धाकड़ ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका जीवन देशभक्ति, राष्ट्रसेवा और जनकल्याण के प्रति समर्पण का अनुपम उदाहरण है। तत्कालीन कांग्रेस की नेहरू सरकार की पुष्टिकरण नीति का विरोध करते हुए श्री मुखर्जी ने एक देश दो निशान दो प्रधान दो विधान नहीं चलेगा नहीं चलेगा का नारा दिया और धारा 370 हटाने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। वहीं मंडल अध्यक्ष श्री विजय पटेल ने कहा कि डॉ. मुखर्जी के विचार आज भी प्रत्येक देशवासी को राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं श्रमिकों ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी जनों ने डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रवादी विचारों को जन-जन तक पहुँचाने और देश की एकता एवं अखंडता को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

प्रशासन की घोर लापरवाहीः स्टैच्यू ऑफ यूनिटी मार्ग पर लगा मिट्टी का ढेर, हादसे का खतरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' को जोड़ने वाले डबोई के मुख्य मार्ग पर प्रशासन और ठेकेदार की गंभीर लापरवाही सामने आई है। इस व्यस्त मार्ग पर वर्तमान में कांसो लाइन बिछाने का काम चल रहा है। इसके तहत ठेकेदार द्वारा खुदाई कर सड़क के बीचों-बीच मिट्टी के बड़े-बड़े ढेर लगा दिए गए हैं। इस व्यस्त मार्ग पर सुरक्षा के नियमों की जमकर धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। सड़क पर वाहन चालकों की सुरक्षा के लिए न तो कोई साइन बोर्ड लगाया गया है और न ही रात में चमकने वाले रेडियम स्टीकर या लाल सेफ्टी लाइट की व्यवस्था की गई है। रात के अंधेरे में दूर से यह मिट्टी दिखाई नहीं देती, जिससे किसी भी समय भीषण और जानलेवा दुर्घटना होने की पूरी आशंका बनी हुई है। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी एक वैश्विक पर्यटन स्थल होने के कारण इस मार्ग पर चौबीसों घंटे पर्यटकों की गाड़ियां तेज रफ्तार से गुजरती हैं।

बूटलेगर बादली पर बिना पुलिस वेरिफिकेशन के घर किराए पर देने का केस दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। जेतपुर सिटी पुलिस स्टेशन एरिया में शराबबंदी के जुर्म में शामिल वांटेड आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। राजकोट रेंज के DIG नीलिप्ता राय, SP विजय सिंह गुर्जर और DySP रोहित सिंह डोडिया के निर्देश पर, जेतपुर सिटी पुलिस PI A.D. परमार और उनकी टीम ने वांटेड आरोपियों के घर पर जांच की। पिछले महीने की 21 तारीख को, राजकोट रेंज पुलिस ने जेतपुर से दो लोगों, वसीम इकबालभाई सोलंकी और विशेष भूपेशभाई परमार को 1,50,000 रुपये की विदेशी शराब और 4,65,000 रुपये के दूसरे सामान के साथ गिरफ्तार किया था। इस क्वांटिटी में अंग्रेजी शराब सप्लाई करने वाला मुख्य आरोपी अनिल उर्फ डबल मनसुखभाई बरैया (निवासी बापुनी वाडी, जेतपुर) फरार है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है। पुलिस जांच में पता चला कि कुछ लोग बगल के एक दूसरे घर में किराए पर रह रहे थे, जिसे वॉन्टेड आरोपी अनिल उर्फ डबल मैनेज करता था। इन किराएदारों से पूछताछ करने पर पता चला कि अनिल उर्फ डबल ने उन्हें अलग-अलग अमाउंट पर कमरे किराए पर दिए थे। पुलिस स्टेशन में चेक करने पर पता चला कि आरोपी ने घर किराए पर लेते समय कोई लीगल रेंटल एग्रीमेंट नहीं किया था और न ही उसने पुलिस स्टेशन को इस बारे में बताया था। अथॉरिटी के नोटिफिकेशन का उल्लंघन करने पर, जेतपुर सिटी पुलिस ने वॉन्टेड आरोपी अनिल उर्फ डबल मनसुखभाई बरैया के खिलाफ इंडियन पीनल कोड 2023 की धारा 223 के तहत तीन और अलग-अलग केस दर्ज किए हैं और आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

पूर्व आरएसी केतकी व्यास पर एसीबी का शिकंजा, 3.56 करोड़ की बेहिसाब संपत्ति का मामला दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/आनंद। गुजरात में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई की है। आनंद जिले की पूर्व निवासी अतिरिक्त कलेक्टर (आरएसी) केतकी व्यास के खिलाफ 3.56 करोड़ रुपये से अधिक की आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। एसीबी की विस्तृत जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि क्लास-1 अधिकारी केतकी व्यास ने अपने सरकारी पद का दुरुपयोग करते हुए अपनी वैध आय से 68.84 प्रतिशत अधिक संपत्ति जमा की है। यह अवैध संपत्ति कुल 3 करोड़ 56 लाख 46 हजार 391 रुपये आंकी गई है, जो उनकी कानूनी कमाई के स्रोतों से कहीं ज्यादा है। अहमदाबाद एसीबी की टीम ने पुख्ता सबूतों के आधार पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत यह कार्रवाई की है। एक वरिष्ठ अधिकारी पर हुई इस सख्त कानूनी कार्रवाई से पूरे राज्य के प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है। आने वाले दिनों में संपत्ति के दस्तावेजों, बैंक लॉकर और अन्य आर्थिक लेन-देन की गहन जांच की जाएगी, जिसमें कई अन्य बड़े खुलासे होने की पूरी संभावना है।

MLA चैतर वसावा को फॉरेस्ट वर्कर पर हमले के मामले में 7 साल की सश्रम कैद की सज़ा,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नर्मदा/राजपीपला। इस समय की सबसे बड़ी खबर गुजरात की राजनीति और आदिवासी इलाके से सामने आ रही है। राजपीपला सेशन कोर्ट ने डेडियापाड़ा के पॉपुलर आदिवासी MLA को फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के कर्मचारी (फॉरेस्ट वर्कर) पर हमला करने, हवा में फायरिंग करने और उसे धमकाने के सनसनीखेज मामले में दोषी करार देते हुए 7 साल की सश्रम कैद की सज़ा सुनाई है। कोर्ट के इस ऐतिहासिक फैसले ने पूरे राज्य के राजनीतिक गलियारों में काफी गरमाहट पैदा कर दी है। पत्नी समेत 9 आरोपियों को सज़ा और जुर्माना राजपीपला सेशन कोर्ट ने लंबी कानूनी प्रक्रिया और दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह फैसला सुनाया है। कोर्ट ने न सिर्फ चैतर वसावा, बल्कि इस मामले में शामिल सभी 9 आरोपियों, जिसमें उनकी पत्नी शंकुतलाबेन वसावा भी शामिल हैं, को दोषी ठहराया है। कोर्ट ने सभी दोषियों पर 7 साल की जेल के साथ कुल 96,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। यह विवाद फॉरेस्ट डिपार्टमेंट की ज़मीन और किसानों के मुद्दों को लेकर शुरू हुआ था। फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के कर्मचारियों ने डेडियापाड़ा इलाके में कानूनी कार्रवाई की थी, जिसका विरोध करने के लिए चैतर वसावा और उनके समर्थकों पर आरोप था कि उन्होंने फॉरेस्ट कर्मचारियों को अपने घर बुलाया था। आरोप के मुताबिक, फॉरेस्ट कर्मचारियों से तीखी बहस के बाद उनके साथ मारपीट की गई और उन्हें डराने के लिए हवा में फायरिंग भी की गई। इस मामले में फॉरेस्ट डिपार्टमेंट की तरफ से सरकारी कर्मचारी पर हमला करने और ड्यूटी में रुकावट डालने समेत गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया था।

गारियाधार तालुका के वेलावदर गांव के प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल में मनाया गया प्रवेशोत्सव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। सरकार के तत्वावधान में हर साल मनाए जाने वाले 'शाला प्रवेशोत्सव' और 'कन्या केलवणी महोत्सव' के अंतर्गत 23 जून को गारियाधार तालुका के वेलावदर गांव में प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उप तालुका विकास अधिकारी श्री राजूभाई भट्ट मुख्य अतिथि के रूप में और जिला भाजपा के प्रमुख नेता श्री भरतभाई धामेलिया विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री भरतभाई धामेलिया ने कहा कि राज्य सरकार छात्रों के कल्याण और उनके सुनहरे भविष्य के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। सरकार एक मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हुए बच्चों के विकास की चिंता करती है, और इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। वहीं, शिक्षा चिंतक श्री तखूभाई सांडसुर ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदृष्टि और रचनात्मकता ने ही गुजरात को प्रवेशोत्सव जैसा बेहतरीन कार्यक्रम दिया है। इसके माध्यम से शिक्षा का प्रकाश जन-जन तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम अब अपनी सिल्वर जुबली की ओर बढ़ रहा है, इसलिए सभी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए कमर कसनी होगी। इस अवसर पर प्राथमिक विद्यालय के प्राचार्य अशोकभाई जोगानी, कन्या विद्यालय के प्राचार्य हिम्मतगिरी और माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य कौशिकभाई ठाकर विशेष रूप से उपस्थित रहे। इनके अलावा बीआरसी श्री सोलंकी, तालुका पंचायत सदस्य कपिलभाई खिमसुरिया, कनुभाई सांडसुर, अनकभाई बोरिचा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और बच्चों के अभिभावक मौजूद थे। इस कार्यक्रम के दौरान आंगनवाड़ी से लेकर माध्यमिक स्तर तक के बच्चों का उत्साहपूर्वक स्कूल में प्रवेश कराया गया। इसमें प्राथमिक विद्यालय में 45 और माध्यमिक विद्यालय में 41 छात्रों को दाखिला दिया गया।

संक्षिप्त न्यूज

जेतपुर में पकड़ी गई शराब से भरी क्रेटा कार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जेतपुरः तालुका पुलिस ने खिरसरा रोड स्थित गालोलिया नदी के पुल के पास से फिल्मी अंदाज में एक क्रेटा कार को घेरकर पकड़ा है। इस कार से 11 लाख रुपये से अधिक कीमत की अंग्रेजी शराब की 3,408 बोतलें बरामद की गई हैं। पुलिस ने मौके से राजस्थान के सांचौर निवासी दो आरोपियों हनुमानाराम और मनोहरलाल को गिरफ्तार कर लिया है।

अवैध प्लाटिंग को लेकर तरुण सिंन्हा ने एसडीएम को ज्ञापन सौपा कार्यवाही नहीं होने पर पुतला दहन की चेतावनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनंदगांव। पूरे जिले भर में जिस तरीके से अवैध प्लाटिंग चल रही है उसी तरीके से अवैध प्लाटिंग का मुद्दा आम बात हो गई है मामला कुछ ऐसा ही है छुरिया नगर पंचायत के वार्ड नंबर 8 और 3 में लगातार अवैध प्लाटिंग के चलते लोगों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ा है उन्होंने एसडीएम श्रीकांत कोराम को ज्ञापन सौंपकर मांग किया कि इस पर तत्काल रोक लगाई जाए और कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए उन्होंने मीडिया से मुखातिब होते हुए कहा कि अगर इस मामले में पांच दिन के अंदर कड़ी कार्यवाही नहीं हुई तो वह छुरिया नगर पंचायत में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री राजस्व मंत्री कलेक्टर का पुतला दहन करेंगे गौरतलब है की वार्ड नंबर 3 और 8 में लगातार अवैध प्लाटिंग सुनियोजित षड्यंत्र के तहत किया जा रहा है उन्होंने इस मामले में जिला प्रशासन की भूमिका को संदिग्ध बताया है खुज्जी विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस नेता तरुण सिंन्हा ने ज्ञापन सौंपकर कड़े शब्दों में कहा की अगर एक 5 दिन के अंदर उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो वह मुख्यमंत्री राजस्व मंत्री कलेक्टर का पुतला दहन करेंगे साथ ही एक जन आंदोलन का शंखनाथ करेंगे उन्होंने कहा कि अवैध प्लाटिंग के चलते सरकार को राजस्व की बड़ी मात्रा में हानि हो रही है इस पूरे प्रकरण की पारदर्शिता के साथ जांच हो जिन तथाकथित लोगों के द्वारा अवैध प्लाटिंग को अंजाम दिया जा रहा है उस पर कड़ी कार्रवाई की जाए इसी तरीके की शिकायत उनके पास वार्ड नंबर 11 को लेकर भी आई है

सकलेचा के नेतृत्व मे यात्री विकास एव सुझाव मंच का नवीन गठन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। यात्री सुविधाओं के विकास एवं जनहित कार्यों को गति देने के उद्देश्य से वरिष्ठ समाजसेवी राजेश सकलेचा के नेतृत्व में यात्री विकास एवं सुझाव मंच की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। सर्वसम्मति से नितिन जैन (उन्हेल वाले) को अध्यक्ष, रवि चौहान (पिपलोदा बागला वाले) को सचिव तथा दीपक जैन को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। वहीं गौतम लश्करी, जीवनलाल जैन, दिनेश सेठिया और प्रकाश मालपानी को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

लखनऊ अग्निकांड के बाद जागा अहमदाबाद प्रशासनः कोचिंग सेंटरों पर फायर ब्रिगेड का धावा, 'अमोर डिज़ाइन इंस्टीट्यूट' में मिला मौत का जाल!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। जब तक देश के किसी कोने में मासूम बच्चे आग की लपटों में झुलसकर दम न तोड़ दें, तब तक हमारे स्थानीय प्रशासन की कुंभकर्णी नींद नहीं टूटती। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में हुए भीषण अग्निकांड की गूंज अब अहमदाबाद में सुनाई दे रही है। लखनऊ हादसे के बाद सख्ते में आए अहमदाबाद फायर विभाग ने आनन-फानन में शहर के कोचिंग क्लासों और शैक्षणिक संस्थानों में औचक निरीक्षण (सरप्राइज चेकिंग) का अभियान शुरू किया है। इस जांच के पहले ही दिन पॉश इलाके वस्त्रापुर में जो हकीकत सामने आई है, उसने अभिभावकों के रोंगटे खड़े कर दिए हैं। वस्त्रापुर के 'अमोर डिज़ाइन इंस्टीट्यूट' में नियमों की धज्जियां उड़ती मिलीं फायर विभाग की विशेष टीम ने आज वस्त्रापुर स्थित शहर के नामचीन 'अमोर डिज़ाइन इंस्टीट्यूट' पर अचानक धावा बोला। बाहर से चमचमाती और हर साल छात्रों से लाखों रुपये की मोटी फीस वसूलने वाली इस संस्था के भीतर जब फायर ऑफिसर दाखिल हुए, तो वहां का नजारा देखकर दंग रह गए। जांच के दौरान पूरी इमारत में छात्रों की सुरक्षा भगवान भरोसे पाई गई और कानून के नियमों की जमकर धज्जियां उड़ी मिलीं।

जांच में सामने आई ये 3 भयानक कमियां

शो-पीस निकले अग्निशमन यंत्र आपातकाल में आग बुझाने के लिए दीवार पर जो सिलेंडर टांगे गए थे, वे कबाड़ हो चुके थे। उनकी 'एक्स्पायरी डेट' बहुत पहले ही खत्म हो चुकी थी। यानी अगर कल को खुदा-न-खास्ता आग लग जाए, तो ये सिलेंडर महज शो-पीस बनकर रह जाते। इमरजेंसी एग्जिट में घोर लापरवाहीः किसी भी हादसे के वक्त छात्रों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए जो 'एग्जिट पॉइंट' (निकासी द्वार) होना चाहिए, उसमें गंभीर तकनीकी खामियां पाई गईं। आपात स्थिति में वहां से सुरक्षित भाग पाना नामुमकिन था। सीढ़ियों पर मौत

के अवरोध आपातकालीन रास्ते और सीढ़ियों पर भारी सामान ठूंस कर रास्ता पूरी तरह बाधित किया गया था। भगदड़ की स्थिति में बच्चे सीढ़ियों पर ही एक-दूसरे के ऊपर कुचल जाएं, ऐसी खतरनाक लापरवाही वहां मौजूद थी।

'महानगर मेट्रो' का तीखा सवालः

गुजरात आज तक सूरत के 'तक्षशिला अग्निकांड' के घाव नहीं भूला है, जहां मासूम बच्चे इमारत की छत से कूदने पर मजबूर हो गए थे। इसके बावजूद अहमदाबाद के कोचिंग संचालक चंद रुपयों की मलाई काटने के चक्कर में मासूमों की जिंदगी दांव पर लगा रहे हैं। मोटा मुनाफा कमाने वाले इन रसूखदारों को फायर सेफ्टी पर दो पैसे खर्च करने में क्यों सांप सूंघ जाता है? और सबसे बड़ा सवाल म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन के उन मलाईदार बाबुओं से है, जो अपनी एसी केबिन से तभी बाहर निकलते हैं जब कहीं लाशों के ढेर लग जाते हैं। क्या यह चेकिंग सिर्फ दो दिन का दिखावा है या ऐसी लापरवाह संस्थाओं को हमेशा के लिए सील करने की हिम्मत यह प्रशासन दिखाएगा?

अभिभावकों से अपील

'महानगर मेट्रो' शहर के तमाम माता-पिता से अपील करता है कि अपने बच्चों को भारी-भरकम फीस वाले इन चमकते हुए 'मौत के कुओं' में भेजने से पहले वहां की फायर एनओसी और सेफ्टी मानकों की जांच खुद कर लें, क्योंकि हमारा सिस्टम सिर्फ हादसे के बाद 'जांच कमेटी' बिठाना जानता है, सुरक्षा देना नहीं!

निर्जला एकादशी पर विशाल भजन संध्या, हिसार के प्रसिद्ध गायक अभिनव ऐरन बांधेंगे समां

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भीनमाल (मुकेश सोलंकी)। शहर में गुरुवार को पवित्र निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर श्री श्याम मित्र मंडल के तत्वावधान में एक शाम श्याम बाबा के नाम विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। यह भव्य धार्मिक कार्यक्रम स्थानीय अग्रवाल धर्मशाला के बाहर शाम 7:00 बजे से शुरू होगा, जिसे लेकर श्याम भक्तों में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

भजन गायक अभिनव ऐरन देंगे प्रस्तुतियां

आयोजकों से मिली जानकारी के अनुसार, इस भजन संध्या में मुख्य आकर्षण हरियाणा के हिसार से आ रहे सुप्रसिद्ध युवा भजन गायक अभिनव ऐरन होंगे। वे अपने भजनों की एक से बढ़कर एक शानदार और सुमधुर प्रस्तुतियां देकर श्रोताओं को भावविभोर करेंगे। कार्यक्रम के लिए विशाल मंच और बाबा का अलौकिक दरबार सजाया जा रहा है।

सैकड़ों श्रद्धालुओं के जुटने की उम्मीद

निर्जला एकादशी के विशेष मौके पर आयोजित होने वाले इस भक्ति उत्सव में शहर सहित आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं के शिरकत करने की उम्मीद है। आयोजक मंडल कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटा है ताकि बाहर से आने वाले भक्तों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

अहमदाबाद रूरल LCB की बड़ी कार्रवाईः टैंकरों से केमिकल चुराने वाले गैंग के दो साथी कीमती सामान के साथ पकड़े गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद रूरल लोकल क्राइम ब्रांच ने इंडस्ट्रियल एरिया और हाईवे से गुजरने वाले टैंकरों से कीमती और ज्वलनशील केमिकल चुराने वाले एक एक्टिव गैंग का पर्दाफाश किया है। LCB टीम ने एक टिप-ऑफ के आधार पर रेड की और गैंग के दो साथियों को टैंकरों से ज्वलनशील पदार्थ चुराते हुए रंगे हाथों पकड़ा। पुलिस ने उनके पास से भारी मात्रा में चोरी का सामान भी बरामद किया है। हाईवे पर क्राइम और केमिकल माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के गुजरात पुलिस और राज्य के गृह मंत्री हर्ष सांघवी से मिले निर्देशों के बाद अहमदाबाद रूरल पुलिस एक्शन मोड में आ गई है। चीफ मिनिस्टर ऑफिस की जीरो टॉलरेंस पॉलिसी के तहत हाईवे पेट्रोलिंग और सीक्रेट इन्फॉर्मर्स के नेटवर्क को

मजबूत किया गया, जिसके तहत LCB को यह बड़ी सफलता मिली है। मिली जानकारी के मुताबिक, यह गैंग हाईवे पर होटलों या खाली जगहों पर खड़े केमिकल और ऑयल टैंकरों को टारगेट करता था। ड्राइवरों की मिलीभगत से या किसी की मदद से टैंकरों की सील तोड़कर ज्वलनशील पदार्थ चुराए जाते थे, जिन्हें बाद में सस्ते दामों पर ब्लैक मार्केट में बेच दिया जाता था। ऐसे ज्वलनशील पदार्थों की गैर-कानूनी तस्करी से कभी भी बड़ी आग या हादसा हो सकता है। LCB की शुरुआती पूछताछ में पकड़े गए दोनों आरोपियों ने पहले की गई चोरी की वारदातों को भी कबूल कर लिया है। पुलिस ने चोरी के केमिकल, इक्विपमेंट और गाड़ियों को जब्त कर लिया है और इस नेटवर्क में शामिल दूसरे मुख्य साजिशकर्ताओं और खरीदारों को गिरफ्तार करने के लिए जांच शुरू कर दी है। सीनियर पुलिस अधिकारियों ने इस ऑपरेशन के लिए LCBटीम की तारीफ की है।

फर्जी ब्लड प्लाज्मा रैकेट का भंडाफोड़, सलाइन वाटर मिलाने वाले 4 गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

अहमदाबाद। एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ कर रहे 'खून के सौदागरों' का पर्दाफाश हुआ है। अहमदाबाद ग्रामीण स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने एक बड़े अंतर्राज्यीय गिरोह को पकड़ा है, जो असली ब्लड प्लाज्मा में सलाइन वाटर (नर्सिंग में इस्तेमाल होने वाला पानी) मिलाकर नकली प्लाज्मा बेचता था। कि क्या इस काले कारोबार में पुलिस ने इस रैकेट में शामिल 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार, ये आरोपी पिछले 6 महीने से मरीजों की जिंदगी से खेल रहे थे। वे असली प्लाज्मा में सलाइन वाटर मिलाकर उसकी मात्रा बढ़ा देते थे और फिर इन नकली प्लाज्मा बैग्स को पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र में ऊंचे दामों पर सप्लाई करते थे। एसओजी की टीम ने छापेमारी के दौरान घटनास्थल से लगभग 11 लाख रुपये की कीमत के 1,140 नकली प्लाज्मा बैग जब्त किए हैं। पुलिस अब इस बात की गहराई से जांच कर रही है कि यह नकली प्लाज्मा गुजरात और महाराष्ट्र के किन-किन अस्पतालों या ब्लड बैंकों में सप्लाई किया गया था। इसके अलावा, पुलिस यह भी पता लगा रही है कि क्या इस काले कारोबार में कुछ डॉक्टर या अस्पताल प्रशासन भी शामिल हैं, ताकि इस पूरे गिरोह की जड़ तक पहुंचा जा सके।

एजुकेशन ज़िंदगी को बेहतर और खुशहाल बनाने का सबसे अच्छा तरीका हैः कैबिनेट मिनिस्टर रमनभाई सोलंकी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। सरकार के फ़ूड और सिविल सप्लाई मिनिस्टर श्री रमनभाई सोलंकी की खास मौजूदगी में आणंद डिस्ट्रिक्ट एजुकेशन कमिटी द्वारा चलाए जा रहे पी एम श्री भेटासी मेन प्राइमरी स्कूल में 'गर्ल एजुकेशन एंड स्कूल एडमिशन फेस्टिवल' प्रोग्राम ऑर्गनाइज़ किया गया। इस मौके पर मिनिस्टर ने बालवाटिका और स्टैंडर्ड-1 में एडमिशन लेने वाली छोटी बच्चियों का स्कूल परिवार की तरफ से कुमकुम तिलक लगाकर स्वागत किया। इस प्रोग्राम में 28 बच्चों को आंगनवाड़ी और 33 बच्चों को बालवाटिका में एडमिशन दिलाया गया। इस मौके पर मंत्री रमनभाई सोलंकी ने कहा कि साल 2003 में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री और गुजरात के उस समय के मुख्यमंत्री नरेंद्रभाई मोदी ने शिक्षा का लेवल सुधारने, ड्रॉपआउट रेश्यो कम करने और लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के नेक मकसद से स्कूल प्रवेश उत्सव शुरू किया था। आज, साल 2026 में इस कैंपेन के 23 साल पूरे होने के मौके पर, स्कूलों में लड़कियों की संख्या और शिक्षा में

उनके योगदान में काफी बढ़ोतरी हुई है। भेटासी स्कूल के आंकड़ों का ज़िक्र करते हुए उन्होंने गर्व से कहा कि स्कूल के कुल 525 स्टूडेंट्स में से 276 लड़कियां पढ़ रही हैं, जो इस कैंपेन की सफलता को दिखाता है। मंत्री ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश के 14,500 स्कूलों को 'PM श्री' स्कूल के तौर पर डेवलप करने का संकल्प लिया है। यह अंकलाव तालुका के लिए गर्व की बात है कि तालुका को 4 PM श्री स्कूल मिले हैं, जिनमें से एक भेटासी स्कूल भी है। इस स्कीम के तहत, सरकार स्टूडेंट्स के लिए खास सुविधाएं, आने-जाने के लिए खास इंतज़ाम कर रही है। मंत्री ने आगे कहा कि शिक्षा किसी व्यक्ति की अंदरूनी ताकत को सामने लाने का एक ज़रिया है।अच्छी क्वालिटी की शिक्षा आने वाले समय में बच्चों की तरक्की की सबसे अच्छी सीढ़ी होगी।

अंबाजी मंदिर के '3 हज़ार' सैलरी पाने वाले कर्मचारियों के पास करोड़ों की काल्पनिक संपत्तिः जांच ज़ोरों पर शुरू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंबाजी। भक्ति के बाज़ार में भ्रष्टाचार की बूः अयोध्या राम मंदिर के कथित घोटाले का हवाला देते हुए अंबाजी देवस्थान ट्रस्ट के आउटसोर्सिंग कर्मचारियों और कावड़िया सेवकों ने निष्पक्ष जांच की मांग की सैलरी, 'पावली' और शान-शौकत, 'रॉयल्टी' के नाम पर IT डिपार्टमेंट अंबाजी के सामने चौंकाने वाला आवेदन दुनिया भर में मशहूर तीर्थस्थल और अनोखी आस्था का केंद्र श्री आरासुरी अंबाजी माता देवस्थान ट्रस्ट एक बार फिर विवादों के घेरे में आ गया है। इस बार विवाद किसी पॉलिसी या नियम को लेकर नहीं, बल्कि मंदिर के अंदर सेवा के नाम पर चल रही 'आर्थिक लीला' को लेकर है। अंबाजी मंदिर में पारंपरिक रूप से पूजा और आरती करने वाले भट्टजी महाराज के खास सेवकों (कावड़ियों) की संपत्तियों की जांच के लिए अहमदाबाद आयकर विभाग के आयुक्त को एक लिखित शिकायत भेजी गई है, जिससे पूरे पंथक की राजनीति और प्रशासन में भूचाल आ गया है। दांता तालुका के

गंगवा गांव के एक जागरूक नागरिक ने सीधा आरोप लगाया है कि मंदिर में चल रहे इस खेल के पीछे एक बड़ा वित्तीय घोटाला छिपा हो सकता है। जिन कर्मचारियों का आधिकारिक वेतन एक सामान्य मध्यमवर्गीय परिवार के बराबर भी नहीं है, वे आज करोड़ों की संपत्ति के मालिक कैसे बन गए? यह सबसे बड़ा सवाल है। मंदिर में दो अलग-अलग श्रेणियों की कमाई और वेतन इस प्रकार हैं सहायक पुजारी (कावड़िया) रु. 3,000/- से रु. 5,000/- लाखों और करोड़ों की बेनामी संपत्ति 18,000 रुपये की इनकम और अचल संपत्ति इन कावड़ियों को भट्टजी महाराज खुद नियुक्त करते हैं और इन्हें महीने का सिर्फ़ 3 से 5 हज़ार रुपये दिया जाता है। जब इतने कम पैसे में घर चलाना मुश्किल है, तो इन लोगों के पास करोड़ों की लग्ज़री कारें, बंगले या इन्वेस्टमेंट कहाँ से आए? यह जांच का विषय है। याचिकाकर्ता ने आखिर में IT कमिश्नर से विनम्र लेकिन मज़बूती से गुज़ारिश की है कि आस्था के केंद्र इस पवित्र स्थान को भ्रष्टाचार से मुक्त करने के लिए, सबसे ऊँचे लेवल से एक स्पेशल टीम बनाकर इन सभी संदिग्ध कर्मचारियों की संपत्तियों की निष्पक्ष जांच (इनकम टैक्स इन्वेस्टिगेशन) करवाई जाए। और अगर इनकम टैक्स डिपार्टमेंट इस मामले में गहरी जांच करे,बल्कि उनके पीछे छिपे कई बड़े लोग भी पकड़े जा सकते हैं, ऐसा सूत्र बता रहे हैं।

गोडजिला अल नीनो का खतरा भारत में सूखे की आशंका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/नई दिल्ली। भारत सहित पूरे दक्षिण एशिया पर एक बड़ा प्राकृतिक संकट मंडरा रहा है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा की ताजा सैटेलाइट तस्वीरों ने वैज्ञानिकों की चिंता बढ़ा दी है। प्रशांत महासागर की सतह पर बढ़ रही असामान्य गर्मी के कारण 'गोडजिला अल नीनो' सक्रिय हो रहा है। नासा के अनुसार, पश्चिमी प्रशांत महासागर में ठीक वैसी ही स्थिति बन रही है जैसी 1997 में देखी गई थी। इस खतरनाक बदलाव के कारण भारतीय मानसून बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। मानसूनी हवाएं कमजोर पड़ने से देश में बारिश की भारी कमी आएगी। इसका सीधा और विनाशकारी असर कृषि क्षेत्र पर पड़ेगा। कपास, मूंगफली और धान जैसी खरीफ फसलों को भारी नुकसान होने की आशंका है। इसके अलावा, जलाशयों में पानी का स्तर घटने से पीने और सिंचाई के पानी की भारी किल्लत हो सकती है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार को इस संभावित जल संकट और सूखे से निपटने के लिए अभी से तैयारियां शुरू कर देनी चाहिए।

माणसा पुलिस स्टेशन के युवा पुलिसकर्मी ने की आत्महत्या, महकमे में हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

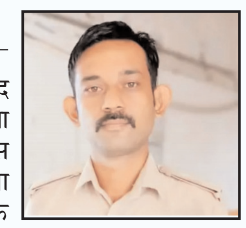

गांधीनगर। माणसा से एक बेहद दुखद और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। माणसा पुलिस स्टेशन में कार्यरत एक युवा पुलिसकर्मी ने अज्ञात कारणों के चलते आत्महत्या कर ली है। इस घटना की जानकारी मिलते ही पूरे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया और उच्चाधिकारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गए। अभी तक इस आत्मघाती कदम के पीछे का स्पष्ट कारण पता नहीं चल सका है। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट मिला है या नहीं, इसकी भी अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस अकाल मृत्यु से मृतक के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और उनके साथी कर्मचारी भी गहरे सदमे में हैं। पुलिस ने फिलहाल आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। अब इस बात की सभी दिशाओं में गहन जांच की जा रही है कि इस आत्महत्या के पीछे कोई पारिवारिक विवाद था, मानसिक तनाव या फिर काम का अत्यधिक दबाव।

नंदेसरी में पुरानी रंजिश के चलते युवक पर जानलेवा हमला, हालत नाजुक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। समीप नंदेसरी इलाके में पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक पर जानलेवा हमला होने की बेहद गंभीर घटना सामने आई है। राजेंद्रसिंह मंगलसिंह गोहिल और उसके साथियों ने एक सोची-समझी साजिश के तहत राजवीरसिंह नामक युवक को अपना निशाना बनाया। हमलावरों ने धारदार हथियारों से राजवीरसिंह के हाथ और पैर पर कई वार किए, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गए। खून से लथपथ युवक को वहीं छोड़कर चारों आरोपी मौके से फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल राजवीरसिंह को तुरंत इलाज के लिए वडोदरा के एसएसजी अस्पताल में ले जाया गया है। ज्यादा खून बह जाने की वजह से फिलहाल उनकी हालत बहुत नाजुक बताई जा रही है। इस सनसनीखेज घटना की जानकारी मिलते ही नंदेसरी पुलिस तुरंत घटनास्थल और अस्पताल पहुंची। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार चल रहे चारों मुख्य आरोपियों - राजेंद्रसिंह उर्फ लालो, ठाकोर परमार उर्फ इसुफ, बाबू पटेल और हर्षवर्धन गोहिल - को पकड़ने के लिए अलग-अलग टीमें बना दी हैं। पुलिस ने पूरे इलाके में नाकाबंदी कर फरार आरोपियों की तलाश काफी तेज कर दी है।

24 जून 2026, बुधवार का दैनिक राशिफल

♈ मेष — आज कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी। नए अवसर मिल सकते हैं। आर्थिक मामलों में सतर्क रहें। शुभ रंग: लाल, शुभ अंक: 9

♉ वृषभ — परिवार का सहयोग मिलेगा। निवेश संबंधी निर्णय सोच-समझकर लें। मन प्रसन्न रहेगा। शुभ रंग: सफेद, शुभ अंक: 6

♊ मिथुन — नौकरी और व्यवसाय में लाभ के योग हैं। मित्रों से सहयोग मिलेगा। यात्रा संभव है। शुभ रंग: हरा, शुभ अंक: 5

♋ कर्क — भावनाओं में बहकर कोई निर्णय न लें। पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शुभ रंग: सिल्वर, शुभ अंक: 2

♌ सिंह — आत्मविश्वास बढ़ेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। महत्वपूर्ण कार्य पूरे हो सकते हैं। शुभ रंग: सुनहरा, शुभ अंक: 1

♍ कन्या — करियर में प्रगति के संकेत हैं। रुके हुए कार्य पूरे होंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। शुभ रंग: नीला, शुभ अंक: 7

♎ तुला — भाग्य का साथ मिलेगा। नई योजनाओं पर काम शुरु कर सकते हैं। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभ रंग: गुलाबी, शुभ अंक: 6

♏ वृश्चिक — धैर्य और संयम बनाए रखें। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। खर्चों पर नियंत्रण रखें। शुभ रंग: मरून, शुभ अंक: 8

♐ धनु — शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े लोगों के लिए दिन अनुकूल है। नई उपलब्धि मिल सकती है। शुभ रंग: पीला, शुभ अंक: 3

♑ मकर — व्यापार में लाभ के योग हैं। वरिष्ठ अधिकारिंथी का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक खुशियां बढ़ेंगी। शुभ रंग: भूरा, शुभ अंक: 4

♒ कुंभ — रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा बीतेगा। आर्थिक लाभ संभव हैं। शुभ रंग: आसमानी, शुभ अंक: 8

♓ मीन — आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी। मानसिक शांति का अनुभव होगा। कार्यों में सफलता मिलेगी। शुभ रंग: बैंगनी, शुभ अंक: 3

आज का विशेष योग

चंद्रमा तुला राशि में रहेंगे, जिससे संतुलन, साझेदारी और सामाजिक संबंधों को मजबूती मिलेगी। कई राशियों के लिए नए अवसर और आर्थिक लाभ के संकेव हैं।

युद्धविराम से आगे: क्या विश्व अहिंसा की ओर बढ़ेगा?

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

इजरायल के लिए यह स्थिति राजनीतिक रूप से असहज है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से ईरान की परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को अपने देश के अस्तित्व के लिए खतरा बताते रहे हैं। इजरायल को आशा थी कि युद्ध के माध्यम से ईरान की सामरिक क्षमता को निर्णायक रूप से कमजोर किया जाएगा।

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हाल ही में हुआ युद्धविराम ऐसे समय में सामने आया है, जब पश्चिम एशिया युद्ध की लपटों में घिरकर वैश्विक स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका था। कई सप्ताह तक चले संघर्ष ने क्षेत्र को ऐसे ज्वालामुखी में बदल दिया था, जिसकी प्रत्येक विस्फोटक घटना विश्व अर्थव्यवस्था को झकझोर रही थी। तेल बाजारों में भारी उथल-पुथल थी, निवेशकों में घबराहट बढ़ रही थी और वैश्विक मंदी की आशंकाएं गहराने लगी थीं। ऐसे में युद्धविराम ने विश्व को तत्काल राहत तो दी है, लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या यह समझौता स्थायी शांति की नींव बनेगा या केवल अगले युद्ध से पहले का एक अस्थायी विराम सिद्ध होगा? इतिहास साक्षी है कि युद्धविराम और शांति समझौते तभी टिकाऊ सिद्ध होते हैं, जब उनके पीछे केवल सामरिक विवशता नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, पारस्परिक विश्वास और मानवता के प्रति प्रतिबद्धता भी हो। अन्यथा वे केवल संघर्षों के बीच का अंतराल बनकर रह जाते हैं। पश्चिम एशिया का इतिहास ऐसे असंख्य समझौतों का गवाह है, जो कागजों पर तो बने, लेकिन जमीन पर टिक नहीं सके।

इस युद्ध के परिणामों का विश्लेषण किया जाए तो सबसे बड़ा लाभार्थी ईरान दिखाई देता है। अमेरिका और इजरायल के सैन्य दबाव, आर्थिक प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय अलगाव के बावजूद तेहरान न केवल अपने राजनीतिक ढांचे को बचाने में सफल रहा, बल्कि उसने अपने विरोधियों को वार्ता की मेज पर आने के लिए भी बाध्य किया। ईरान अब अपने नागरिकों के समक्ष यह दावा कर सकता है कि उसने दुनिया की सबसे शक्तिशाली सैन्य ताकतों के सामने घुटने नहीं टेके। ईरानी नेतृत्व इसे प्रतिरोध की जीत के रूप में प्रस्तुत करेगा। दूसरी ओर इस संघर्ष ने अमेरिका की अजेयता की छवि को भी चुनौती दी है। वियतनाम, इराक और अफगानिस्तान के बाद यह एक और अवसर है, जिसने यह स्पष्ट किया कि केवल सैन्य शक्ति राजनीतिक परिणाम सुनिश्चित नहीं कर सकती। वाशिंगटन ने दबाव बनाया, अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया, लेकिन अंततः उसे वार्ता और समझौते का रास्ता अपनाना पड़ा। इससे यह संदेश गया है कि इक्कीसवीं सदी की दुनिया अब केवल शक्ति संतुलन से नहीं, बल्कि संवाद, कूटनीति और

बहुपक्षीय सहयोग से संचालित होगी।

इजरायल के लिए यह स्थिति राजनीतिक रूप से असहज है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से ईरान की परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को अपने देश के अस्तित्व के लिए खतरा बताते रहे हैं। इजरायल को आशा थी कि युद्ध के माध्यम से ईरान की सामरिक क्षमता को निर्णायक रूप से कमजोर किया जाएगा। किंतु युद्धविराम के बाद ईरान स्वयं को विजेता के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। इससे इजरायल के भीतर यह बहस और तीव्र हो सकती है कि क्या क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं की तुलना में महाशक्तियों ने अपने सामरिक हितों को अधिक महत्व दिया। भारत के लिए यह समझौता विशेष महत्व रखता है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पश्चिम एशिया पर अत्यधिक निर्भर है। युद्ध की स्थिति में तेल आपूर्ति बाधित होने, समुद्री व्यापार मार्गों पर संकट उत्पन्न होने और कीमतों में वृद्धि की आशंका ने भारत की चिंता बढ़ा दी थी। युद्धविराम से तेल कीमतों पर दबाव कम होगा, महंगाई नियंत्रित रहेगी और खाड़ी देशों में कार्यरत लाखों भारतीयों की सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी घटेंगी। लेकिन भारत का महत्व केवल एक उपभोक्ता राष्ट्र के रूप में नहीं है, वह आज वैश्विक शांति के एक नैतिक प्रवक्ता के रूप में भी उभर रहा है।

दरअसल, यह युद्ध एक बड़े प्रश्न को जन्म देता है-क्या मानव सभ्यता युद्धों के सहारे अपने भविष्य का निर्माण कर सकती है? आज महाशक्तियों ने ऐसी विनाशकारी सैन्य क्षमता अर्जित कर ली है कि किसी भी देश की एक छोटी-सी भूल संपूर्ण मानवता को विनाश की ओर धकेल सकती है। परमाणु हथियारों, जैविक अस्त्रों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध प्रणालियों के युग में युद्ध अब केवल सीमाओं का प्रश्न नहीं रह गया है, वह समूची मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। यही कारण है कि आज दुनिया को शक्ति की नहीं, शांति की राजनीति की आवश्यकता है। हिंसा, युद्ध, आतंकवाद और शस्त्रीकरण की प्रतिस्पर्धा ने मानवता को भय, अविश्वास और असुरक्षा के गर्त में धकेल दिया है। यदि विश्व को बचाना है, तो उसे निःशस्त्रीकरण, अहिंसा, सह-अस्तित्व और संवाद की दिशा में आगे बढ़ना ही होगा।

इस संदर्भ में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाती है। भारत ने सदैव विश्व को शांति, करुणा और अहिंसा का संदेश दिया है। महात्मा गांधी ने कहा था, 'आंख के बदले आंख पूरे विश्व को अंधा बना देगी।' आज यह कथन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठा है। भारत की सांस्कृतिक चेतना 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के सिद्धांत पर आधारित रही है, जो सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार मानती है। यही कारण है कि भारत ने सदैव युद्ध के स्थान पर संवाद और टकराव के स्थान पर सहमति का समर्थन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी विश्व के अनेक मंचों पर स्पष्ट रूप से कहा है कि 'यह युग युद्ध का नहीं है।' संयुक्त राष्ट्र, जी-20, ब्रिक्स तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत ने बार-बार इस बात पर बल दिया है कि किसी भी समस्या का समाधान युद्ध नहीं, बल्कि वार्ता है। यदि अंततः देशों को बातचीत की मेज पर ही लौटना पड़ता है, तो युद्ध की भयावह कीमत चुकाने की आवश्यकता ही क्या है?

भारत की विदेश नीति आज एक नए स्वरूप में सामने आ रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध हो, इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष हो अथवा पश्चिम एशिया का वर्तमान संकट-भारत ने किसी पक्ष विशेष का अंध समर्थन करने के बजाय संतुलन, संवाद और शांतिपूर्ण समाधान की नीति अपनाई है। यही संतुलित दृष्टिकोण भविष्य में भारत को वैश्विक मध्यस्थ की भूमिका निभाने की दिशा में अग्रसर कर सकता है। लेकिन केवल सरकारें ही शांति स्थापित नहीं कर सकतीं। शांति का आधार समाजों, संस्कृतियों और मनुष्यों के भीतर निर्मित होता है। जब तक राष्ट्रवाद आक्रामकता का रूप लेता रहेगा, जब तक हथियार उद्योग युद्धों को लाभ का साधन बनाकर चलता रहेगा और जब तक राजनीतिक नेतृत्व युद्ध को लोकप्रियता अर्जित करने के उपकरण के रूप में उपयोग करता रहेगा, तब तक स्थायी शांति का सपना अधूरा रहेगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व समुदाय कुछ ठोस कदम उठाए-परमाणु एवं सामरिक हथियारों की होड़ को नियंत्रित किया जाए, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को अधिक प्रभावी बनाया जाए, अंतरराष्ट्रीय विवादों के समाधान के लिए स्थायी संवाद तंत्र विकसित किए जाएं और शिक्षा प्रणालियों में शांति एवं अहिंसा के मूल्यों को शामिल किया जाए। साथ ही युद्ध अर्थव्यवस्था के स्थान पर मानव कल्याण आधारित विकास मॉडल को प्राथमिकता दी जाए। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हुआ युद्धविराम निश्चय ही राहत का क्षण है, किंतु इसे स्थायी शांति में परिवर्तित करना अभी शेष है। यदि यह केवल सामरिक पुनर्संरचना का चरण बनकर रह गया, तो भविष्य में और भी अधिक विनाशकारी संघर्षों का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। लेकिन यदि विश्व समुदाय इस अवसर को आत्ममंथन का क्षण मानकर अहिंसा, संवाद और सह-अस्तित्व की नई वैश्विक संस्कृति विकसित करता है, तो यह युद्धविराम मानव इतिहास के एक नए अध्याय का प्रारंभ भी बन सकता है। दुनिया को आज युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला चाहिए। मानवता के समक्ष यही सबसे बड़ी चुनौती है और यही सबसे बड़ा अवसर भी।

संपादकीय

भयावह जलवायु संकट

ब्राजील के बेलेम में संपन्न कॉप-30 सम्मेलन में जारी 'जलवायु जोखिम सूचकांक-2026' रिपोर्ट में उल्लेखित आंकड़े भारत से जुड़ी जलवायु संकट की भयावह तस्वीर दिखाते हैं। रिपोर्ट बताती है कि भारत दुनिया में जलवायु आपदाओं से सबसे ज्यादा प्रभावित पहले दस देशों में शामिल हैं। यह डराने वाली रिपोर्ट बताती है कि पिछले तीन दशक में भारत में आई जलवायु संकट से जुड़ी आपदाओं में करीब अस्सी हजार लोगों को मौत का ग्रास बनना पड़ा। इतना ही नहीं करीब 170 अरब अमेरिकी डॉलर का नुकसान भी देश को उठाना पड़ा है। ये आंकड़े जलवायु संकट के देश पर पड़ने वाले घातक प्रभावों की तस्वीर उकेरते हैं। जो बताते हैं कि इस संकट से उबरने के प्रयासों में और तेजी लाने की जरूरत है। निश्चित तौर पर इस दिशा में यदि युद्ध स्तरीय प्रयास तेज नहीं किए जाते तो भविष्य में परिणाम और घातक हो सकते हैं। ये प्रयास केवल सरकारी स्तर पर ही नहीं, सामाजिक स्तर पर भी तेज करने की जरूरत है। जागरूकता अभियानों में भी तेजी लाने की जरूरत है। इस संकट ने फसलों पर पड़ने वाले व्यापक प्रभाव से हमारी खाद्य श्रृंखला पर भी संकट मंडरा सकता है। हमें 140 करोड़ से अधिक आबादी वाले देश का पेट भरने के लिये इस दिशा में शोध-अनुसंधान के साथ व्यापक किसान जागरूकता कार्यक्रम भी चलाने की जरूरत है। दरअसल, जलवायु संकट के चलते देश में जो ज्यादा नुकसान हुआ है, उसके पीछे लगातार आ रहे चक्रवात, कुछ इलाकों में सूखे और बाढ़ की लगातार पैदा होती स्थितियां हैं। जाहिर इसके मूल में तेजी से बढ़ता वातावरण का तापमान ही है। जिसका मुख्य कारक ग्लोबल वार्मिंग ही है। निश्चित रूप से भारत में जलवायु संकट की स्थिति लगातार विकट होती जा रही है। निर्विवाद रूप से देश के सामने पैदा मौसमी आपदाओं से हमारे विकास में भी बाधा उत्पन्न हो रही है। जो जीविका संकट भी पैदा कर रहा है। दरअसल, बेलेम में संपन्न कॉप-30 सम्मेलन में जारी की गई 'जलवायु जोखिम सूचकांक-2026' रिपोर्ट उन संकटपूर्ण स्थितियों का भी खुलासा करती है जो जलवायु संकट के कारण पैदा हो रहे हैं। रिपोर्ट बताती है कि पिछले वर्ष भारी बारिश व विनाशक रूप में आई बाढ़ से देश में करीब अस्सी लाख लोग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

चिंतन-मनन

शाश्वत प्रेम अंतहीन है

प्रेम कितना ही होता जाए, अधूरा ही बना रहता है। वह परमात्मा जैसा है। कितना ही विकसित होता जाए, पूर्ण से पूर्णतर होता जाता है, फिर भी विकास जारी है। जैसे प्रेम का अधूरापन ही उसकी शाश्वतता है। ध्यान रखना कि जो चीज पूरी हो जाती है, वह मर जाती है। पूर्णता मृत्यु है; क्योंकि फिर बचा नहीं कुछ करने को, होने को कुछ बचा नहीं, आगे कोई गति न रही। जो चीज पूर्ण हो गयी, वह मर गयी। मर ही जायेगी, क्योंकि फिर क्या होगा? सिर्फ वही जी सकता है जो शाश्वत रूप से अपूर्ण है, अधूरा है, आधा है। तुम कितना ही भरो, वह अधूरा रहेगा। आधा होना उसका स्वभाव है। तुम कितने ही तृप्त होते जाओ, फिर भी पाओगे कि हर तृप्ति और अतृप्त कर जाती है। जितना पीते हो, उतनी ही प्यास बढ़ती चली जाती है। यह ऐसा जल नहीं है कि पी लो और तृप्त हो जाओ। यह प्यास को और जलाएगा। इसलिए प्रेमी कभी तृप्त नहीं होता। उसके आनंद का कोई अन्त नहीं है। क्योंकि आनंद का वहीं अन्त हो जाता है, जहां चीजें पूरी हो जाती हैं। कामी तृप्त हो सकता है, प्रेमी नहीं। काम का अन्त है, सीमा है; प्रेमी का कोई अन्त नहीं, कोई सीमा नहीं। प्रेम आदि-अनादि है। वह ठीक परमात्मा के स्वरूप का है। इस जगत में प्रेम परमात्मा का प्रतिनिधि है, समय की धारा में समयातीत का प्रवेश है, मनुष्य की दुनिया में अतिमानवीय किरण का आगमन है। प्रेम प्रतीक है यहां परमात्मा का और उसका स्वभाव परमात्मा जैसा है। परमात्मा कभी पूरा नहीं होगा, नहीं तो समाप्त हो जाएगा। उसकी पूर्णता बड़ी गहन अपूर्णता जैसी है। उपनिषद कहते हैं कि उस पूर्ण से पूर्ण को निकाल लो तो भी वह पूर्ण ही रहता है। उस पूर्ण में और पूर्ण को डाल दो, तो भी वह उतना ही रहता है, जितना था। वह जैसा है, वैसा ही है; उसमें घट-बढ़ नहीं होती। प्रेम भी जैसा पहले दिन होता है, वैसा ही अंतिम दिन भी होगा। जो चुक जाये, उसे तुम प्रेम ही मत समझना; वह काम वासना रही होगी। जिसका अन्त आ जाये, वह शरीर से सम्बन्धित है। आत्मा से जिस चीज का भी सम्बन्ध है, उसका कोई अन्त नहीं है। शरीर भी मिटता है, मन भी मिटता है; आत्मा तो चलती चली जाती है। वह यात्रा अनन्त है। मंजिल कोई है नहीं, क्योंकि अगर मंजिल हो तो मृत्यु हो जायेगी। तो कबीर कहते हैं : ढाई आखर प्रेम का! वे प्रेम के ढाई अक्षर की तरफ इशारा तो करते ही हैं, गहरा इशारा है प्रेम के आधेपन का। प्रेमी और प्रेयसी के बीच एक अदृश्य धारा है, एक अदृश्य आंदोलन है, एक सेतु है जिससे वे दोनों जुड़ गये हैं और एक हो गये हैं।

मोदी सरकार में सत्ता, संगठन में बदलाव के संकेतों की राजनीति ?

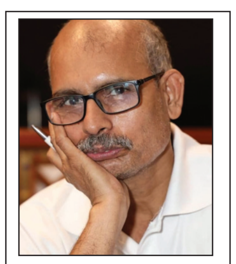

विनोद कुमार सिंह

बदलते राजनीतिक समीकरणों, राज्यसभा चुनावों और भाजपा के विस्तार अभियान के बीच संभावित फेरबदल की पड़ताल...

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की ओर सभी राजनीति पंडितओ का एक फिर से आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है।जिसे चर्चा का बाजार फिर से गर्म है।उनका मानना है कि भारतीय राजनीति में कई बार घटनाओं से अधिक महत्वपूर्ण उनके संकेत होते हैं।सत्ता के गलियारों में जब अचानक गतिविधियाँ बढ़ने लगें,संगठनात्मक बैठकों का दौर तेज हो जाए,राज्यों में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चाएँ होने लगें,राज्यसभा चुनाव सम्पन्न हो जाएँ और विभिन्न दलों के नेता नई राजनीतिक पारी की तलाश में सत्ताधारी दल की ओर रुख करने लगें,तब अनुभवी राजनीतिक पर्यवेक्षक समझ जाते हैं कि राजनीति किसी बड़े परिवर्तन की पटकथा की भूमिका लिख रही है।आज देश की राजधानी दिल्ली में कुछ ऐसा ही वातावरण दिखाई दे रहा है।केंद्र की मोदी सरकार और भारतीय जनता पार्टी के संगठन को लेकर चल रही चर्चाएँ यह संकेत दे रही हैं कि आने वाले दिनों में सत्ता और संगठन दोनों स्तरों पर महत्व पूर्ण परिवर्तन देखने को मिल सकते हैं।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार अपने तीसरे कार्यकाल के प्रारम्भिक चरण में है।किसी भी सरकार के लिए यह वह समय होता है,जब चुनावी उत्साह धीरे-धीरे प्रशासनिक यथार्थ में बदलता है और राजनीतिक नेतृत्व आगामी वर्षों की रणनीति तैयार करना शुरू करता है।भाजपा की कार्यशैली को देखते हुए यह मानना कठिन नहीं कि पार्टी नेतृत्व 2027 के महत्व पूर्ण विधानसभा चुनावों और 2029 के लोकसभा चुनावों की तैयारी अभी से आरम्भ कर चुका है।यही कारण है कि मंत्रिमंडल विस्तार और संगठनात्मक पुनर्गठन की चर्चाएँ केवल राजनीतिक अटकलें नहीं,बल्कि व्यापक रणनीतिक सोच का हिस्सा प्रतीत होती हैं।हाल में सम्पन्न राज्यसभा चुनावों ने भी राजनीतिक समीकरणों को नई दिशा दी है। भाजपा ने विभिन्न सामाजिक वर्गों,क्षेत्रों और पेशेवर पृष्ठभूमि से आने वाले चेहरों को संसद के उच्च सदन में भेजकर यह संकेत दिया है कि पार्टी भविष्य की राजनीति के लिए नया नेतृत्व तैयार कर रही है। भारतीय राजनीति में राज्यसभा केवल विधायी सदन नहीं,बल्कि अनेक बार केंद्रीय नेतृत्व की प्रयोगशाला भी रही है।अतीत में अनेक ऐसे नेता रहे हैं,जिन्हें पहले राज्यसभा के माध्यम से राष्ट्रीय राजनीति में स्थापित किया गया और बाद में मंत्रिपरिषद में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं। इसलिए यह स्वाभाविक है कि राज्यसभा में पहुँचे कुछ नए चेहरे भविष्य के संभावित केंद्रीय मंत्री के रूप में भी देखे जा रहे हैं ।राजनीतिक चर्चाओं का एक महत्वपूर्ण पहलू उन नेताओं को लेकर भी है जिन्होंने हाल के वर्षों में विभिन्न दलों को छोड़कर भाजपा का दामन थामा है।भारतीय राजनीति में दल-बदल कोई नई घटना नहीं है,किन्तु जब सत्तारूढ़ दल में प्रभावशाली नेता शामिल होते हैं तो उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर अटकलें तेज होना स्वाभाविक है।भाजपा नेतृत्व के सामने चुनौती यह है कि वह पुराने कार्यकर्ताओं की अपेक्षाओं, नए नेताओं की महत्वाकांक्षाओं और क्षेत्रीय राजनीतिक आवश्यकताओं के बीच संतुलन स्थापित करे।यही कारण है कि मंत्रिमंडल और संगठन में संभावित बदलाव को केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं,बल्कि राजनीतिक संतुलन साधने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।इन चर्चाओं के बीच हाल में एक केंद्रीय राज्य मंत्री के इस्तीफे को राष्ट्रपति द्वारा स्वीकार किए जाने की घटना ने भी राजनीतिक हलकों में नई जिज्ञासा पैदा कर दी है।भारतीय राजनीति में हर इस्तीफा केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं माना जाता।कई बार वह व्यापक राजनीतिक पुनर्संरचना का संकेत भी बन जाता है।यद्यपि आधिकारिक रूप से इसे सामान्य संवैधानिक प्रक्रिया बताया गया है,फिर भी राजनीतिक विश्लेषक इसे संभावित फेरबदल से जोड़कर देख रहे हैं।दिल्ली की राजनीति में अक्सर घटनाओं का महत्व उनके तत्काल प्रभाव से नहीं,बल्कि उनके दूरगामी संकेतों से निर्धारित होता है।भाजपा की राजनीति का एक विशिष्ट पक्ष यह रहा है कि वह सरकार और संगठन दोनों को समान महत्व देती है।अटलबिहारी वाजपेयी के दौर से लेकर नरेन्द्र मोदी के वर्तमान नेतृत्व तक पार्टी ने समय-समय पर नेताओं को सरकार से संगठन और संगठन से सरकार में भेजकर नई भूमिकाएँ सौंपी हैं। इस दृष्टि से संभावना व्यक्त की जा रही है कि कुछ वर्तमान मंत्री संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ संभाल सकते हैं,जबकि संगठन में सक्रिय कुछ नेताओं को सरकार में अवसर मिल सकता है।आगामी वर्षों में जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं,वहाँ भाजपा संगठन को और अधिक सक्रिय तथा प्रभावी बनाने की आवश्यकता महसूस कर रही है।इसलिए अनुभवी नेताओं को संगठनात्मक जिम्मेदारी सौंपना पार्टी की रणनीति का हिस्सा हो सकता है। मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चा के साथ-साथ प्रदर्शन का प्रश्न भी स्वाभाविक रूप से उठता है। प्रत्येक सरकार अपने मंत्रियों का मूल्यांकन करती है और राजनीतिक प्रभाव,प्रशासनिक क्षमता तथा जनस्वीकार्यता के आधार पर जिम्मेदारियों का पुनर्वितरण करती है।मोदी सरकार की कार्यशैली को देखते हुए यह माना जाता है कि प्रदर्शन और राजनीतिक उपयोगिता दोनों को महत्व दिया जाता है।ऐसे में कुछ मंत्रियों की भूमिका बढ़ सकती है।कुछ के विभाग बदल सकते हैं और कुछ नए चेहरे सरकार में स्थान पा सकते हैं।यह भी संभव है कि युवाओं,महिलाओं, अनुसूचित जाति-जनजाति समुदायों तथा क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व को ध्यान में रखते हुए मंत्रिमंडल में नई सामाजिक और राजनीतिक संतुलनकारी संरचना दिखाई दे। सहयोगी दलों की भूमिका भी इस पूरी प्रक्रिया में महत्वपूर्ण है। वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में एनडीए केवल भाजपा का विस्तार नहीं,बल्कि अनेक क्षेत्रीय आकांक्षाओं का गठबंधन भी है। इसलिए यदि मंत्रिमंडल में फेरबदल होता है तो सहयोगी दलों की अपेक्षाओं और उनके राजनीतिक महत्व को भी ध्यान में रखा जा सकता है।गठबंधन राजनीति की सफलता केवल बहुमत के आंकड़ों पर नहीं,बल्कि सम्मानजनक भागीदारी और राजनीतिक विश्वास पर भी निर्भर करती है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राजनीतिक शैली का अध्ययन करने वाले जानते हैं कि वे अपने निर्णयों को अंतिम क्षण तक गोपनीय रखने में विश्वास करते हैं।पिछले वर्षों में हुए मंत्रिमंडल विस्तारों ने यही सिद्ध किया है कि राजनीतिक विश्लेषकों की अनेक भविष्यवाणियाँ अंतिम सूची आने तक केवल अटकलें ही बनी रहती हैं।यही कारण है कि आज दिल्ली में चर्चाएँ बहुत हैं,संकेत अनेक हैं, किंतु निश्चित जानकारी बहुत कम है।बदलते राजनीतिक समीकरणों, राज्यसभा चुनावों और भाजपा के विस्तार अभियान के बीच संभावित फेरबदल की पड़ताल करने पर यह स्पष्ट दिखाई देता है कि भाजपा और केंद्र सरकार दोनों आने वाले राजनीतिक चरण के लिए स्वयं को तैयार कर रहे हैं।भारतीय राजनीति में परिवर्तन की आहट हमेशा पहले सुनाई देती है और घोषणा बाद में होती है।वर्तमान परिस्थितियाँ भी कुछ ऐसा ही संकेत दे रही हैं।सत्ता और संगठन की इस नई बिसात पर कौन आगे बढ़ेगा,कौन नई भूमिका में दिखाई देगा,कौन मंत्रिमंडल में स्थान पाएगा और कौन संगठन की जिम्मेदारी संभालेगा,इसका अंतिम निर्णय तो भाजपा नेतृत्व ही करेगा। लेकिन इतना निश्चित है कि आने वाले दिनों में दिल्ली की राजनीति कुछ नए चेहरे,नई जिम्मेदारियाँ और नए राजनीतिक संदेश लेकर सामने आ सकती है।भारतीय लोकतंत्र की यही विशेषता है कि यहाँ सत्ता केवल शासन नहीं करती, बल्कि निरंतर स्वयं को पुनर्गठित भी करती रहती है।संभवतः देश की राजनीति इसी पुनर्गठन के एक नए दौर की दहलीज पर खड़ी है।

मोरपंख विवाद : लाखों अहिंसक जैन श्रावकों की भावनाएँ आहत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मोरपंख को लेकर दिए गए बयान से देशभर के लाखों अहिंसक जैन श्रावकों में गहरी पीड़ा और असंतोष व्याप्त है। जैन समाज का मानना है कि अहिंसा और जीवदया उसके मूल सिद्धांत हैं, इसलिए किसी भी जीव को कष्ट पहुँचाकर धार्मिक कार्यों में उपयोग की कल्पना भी जैन दर्शन के विपरीत है।भारतीय संस्कृति में मोरपंख का विशेष महत्व रहा है। भगवान श्रीकृष्ण स्वयं अपने मुकुट में मोरपंख धारण करते थे, जो पवित्रता, सौंदर्य और प्रकृति के प्रति सम्मान का प्रतीक माना जाता है। जैन साधु-संतों की परंपरा में भी मोरपंख से निर्मित पिच्छिका का प्रयोग जीवों की रक्षा और अहिंसा की भावना के साथ किया जाता है।जैन समाज के अनुसार देश में लगभग 1500 श्रमण मुनि हैं और प्रत्येक मुनि वर्ष भर में लगभग 500 से 1000 मोरपंखों से निर्मित पिच्छिका का उपयोग करते हैं। इस आधार पर कुल आवश्यकता लगभग 15 लाख मोरपंखों की होती है। समाज का कहना है कि इस संख्या के आधार पर लाखों मोरों की हत्या या उन्हें प्रताड़ित किए जाने की बात स्वतः ही मिथ्या और तथ्यहीन प्रतीत होती है, क्योंकि एक मोर अपने जीवनकाल में स्वाभाविक रूप से अनेक बार पंख छोड़ता है, जिन्हें परंपरागत रूप से एकत्र किया जाता रहा है।जैन समाज का मानना है कि किसी भी विषय पर टिप्पणी करने से पहले उसके ऐतिहासिक, धार्मिक और व्यावहारिक पक्षों का समुचित अध्ययन किया जाना चाहिए। करोड़ों लोगों की आस्था और सदियों पुरानी अहिंसक परंपराओं के संबंध में दिए गए वक्तव्यों में संवेदनशीलता और तथ्यात्मक आधार अपेक्षित है। जैन समाज के लिए मोरपंख किसी हिंसा का नहीं, बल्कि अहिंसा, करुणा और जीवदया का प्रतीक है। इसलिए समाज की भावना है कि बिना पूर्ण तथ्यों के की गई टिप्पणियाँ लाखों अहिंसक श्रावकों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाती हैं और ऐसे विषयों पर संवाद तथा तथ्य आधारित विमर्श को ही प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

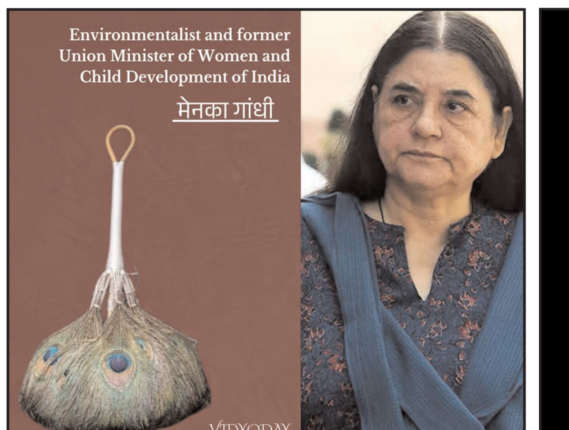

15 लाख मोरों की हत्या जैन मुनि की पिच्छी के कारण हो रही है!

मेनका गांधी ने यह कथन किस आधार पर किया? जिस धर्म में एक चीटी मारना महापाप है तो यह बोलने से पहले हजार बार सोचना चाहिए! आप इस कथन को साबित करे! अन्यथा समस्त जैन समाज से हाथ जोड़कर माफी मांगे।

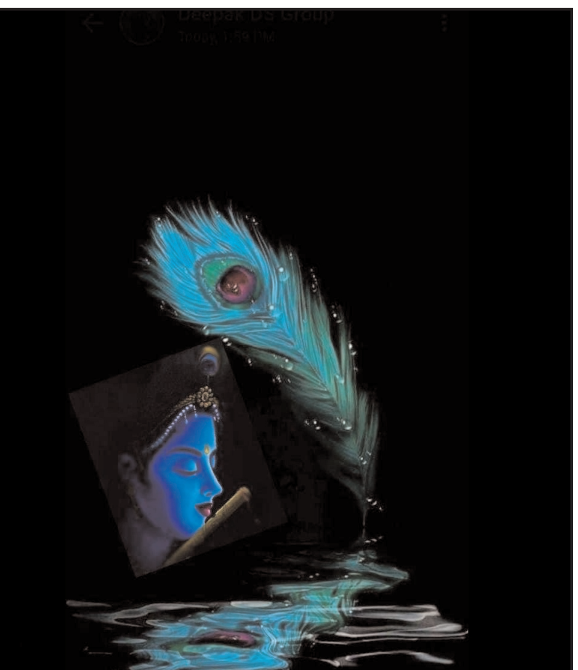

हापुड़ में भीषण सड़क हादसा; बस से उतर रहे यात्रियों को ट्रक ने कुचला,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हापुड़। उत्तर प्रदेश के हापुड़ से दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। दिल्ली-लखनऊ हाइवे पर सोमवार देर शाम हादसे ने कोहराम मचा दिया। तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। दरअसल, दिल्ली-लखनऊ हाइवे पर एक रोडवेज बस यात्रियों को उतार रही थी। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक आई और यात्रियों को कुलचती हुई निकल गई। इस हादसे में एक बच्ची और एक युवती की मौके पर मौत हो गई। हादसे के बाद वहां कोहराम मच गया। घटना में करीब एक दर्जन यात्री घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां उनका इलाज चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा इतना भीषण था कि हाइवे पर चीख-पुकार मच गई। बस से उतर रहे यात्रियों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। तेज रफ्तार ट्रक उन्हें रौंदते हुए निकल गया। घटना की सूचना मिलते ही सीओ सहित दो थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल भेजा गया। कई घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। ट्रक चालक की तलाश के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला जा रहा है। हादसा थाना हापुड़ देहात क्षेत्र स्थित दिल्ली-लखनऊ हाइवे पर हुआ। पुलिस अधिकारियों ने इस मामले में कहा कि एक्सिडेंट के कारणों की जांच की जा रही है। घायलों और मृतकों की पहचान कराई गई है। हादसे के बाद कुछ समय के लिए हाइवे पर ट्रैफिक भी प्रभावित रहा। पुलिस ने वाहनों को नियंत्रित कर स्थिति सामान्य कराई।

करोड़पति मकान मालिक और लिव-इन पार्टनर की हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुना। मध्य प्रदेश के गुना जिले से एक बेहद चौंकाने वाली और खौफनाक वारदात सामने आई है। यहां एक ही मकान के भीतर से एक के बाद एक तीन सड़े-गले शव मिलने से सनसनी फैल गई है। इस 'ट्रिपल मर्डर' की उलझी गुत्थी ने पुलिस के भी होश उड़ा दिए हैं। जांच में मामला करोड़ों रुपये की बेशकीमती जमीन के विवाद और लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़ा नजर आ रहा है। पुलिस ने तफ्तीश में बताया कि मृतक ओमप्रकाश शर्मा (56) और गिंदा बाई (45) लिव इन रिलेशनशिप में रहते थे। ओमप्रकाश शर्मा बेशकीमती जमीनों का मालिक था। पत्नी की मौत के बाद उसके दोनों बेटे घर छोड़कर चले गए थे। अकेलेपन का शिकार ओमप्रकाश शिवपुरी जिले की महिला गिंदा बाई के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रहने लगा था। दोनों शराब पीने के आदी थे।

18 जून को आखिरी बार देखा, 4 दिन बाद ऐसे खुला राज

ओमप्रकाश के घर पर कई लोग शराब पीने आते थे. इसी दौरान 18 जून के आसपास मृतक ओमप्रकाश और महिला गिंदा बाई तीसरे व्यक्ति के साथ शराब पी रहे थे. शराब पीने के बाद तीनों के शव 4 दिन बाद एक ही घर में दो अलग अलग कमरों में बंद मिले. 21 जून को प्याना पुलिस को सूचना मिली कि घर के अंदर से बदबू आ रही है, जिसके बाद पुलिस ने घर के दरवाजे का ताला तोड़ा तो अंदर मकान मालिक का शव पड़ा हुआ मिला. पुलिस ने शव को बरामद किया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. पुलिस को पता ही नहीं चला कि जिस कमरे से ओमप्रकाश का शव बरामद किया गया है. उसके बाजू वाले कमरे में 2 और शव भी पड़े हुए हैं. अगले दिन 22 जून को पुलिस को दोबारा सूचना मिली कि मकान के अंदर से तेज बदबू आ रही है. पुलिस को शक हुआ तो घर में जाकर देखा तो पुलिस के होश उड़ गए.

'मजदूरी कर पढ़ाया, कोचिंग के लिए गिरवी रखी जमीन', दो मिनट की देरी से टूटा NEET का सपना तो रागिनी के घर ऐसा है माहौल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

विदिशा। दो मिनट की देरी सालों की मेहनत और कुर्बानी पर पानी फेर दिया है। विदिशा की रागिनी विश्वकर्मा के साथ कुछ ऐसा ही हुआ है, जिसके डॉक्टर बनने का सपना टूट गया है। पिता मजदूरी कर परिवार को पालते हैं। बिटिया रागिनी घर पर ही रहकर नीट की तैयारी करती है। पिता का सपना है कि बिटिया डॉक्टर बन जाए। इसके लिए उन्होंने प्राइवेट फायनेंस कंपनी से लोन भी लिए हैं। दरअसल, विदिशा शहर से 70 किमी दूर कुल्हान गांव है। इसी गांव में रागिनी विश्वकर्मा रहती है। विदिशा स्थित गर्ल्स कॉलेज में रागिनी का सेंटर था। पिता के साथ बाइक से वह परीक्षा केंद्र के लिए निकली थी। रास्ते में बारिश होने की वजह से रास्ते में रुकना पड़ा। इसकी वजह से दो मिनट की देरी हो गई। देर होने पर रागिनी को अंदर नहीं जाने दिया गया। मिन्नतों के बाद एंट्री मिली लेकिन बायोमेट्रिक सिस्टम बंद हो गया। दो मिनट की देरी की वजह रागिनी की वर्षों की मेहनत पर पानी फिर गया है। अब उसे नीट की परीक्षा देने के लिए साल भर और इंतजार करना पड़ेगा। इसके बाद आगे मौका मिलेगा। पहली बार की परीक्षा में रागिनी शामिल हुई थी। पेपर अच्छा गया था, उसे उम्मीद थी कि नीट निकल जाएगा। लेकिन पेपर लीक की वजह से पहले सपनों पर पलीता लगा और अब देरी उसे एक साल दूर कर दिया है। रागिनी के पिता मजदूरी कर परिवार का पेट पालते हैं। रागिनी समेत आठ लोगों का परिवार पिता की कमाई पर ही निर्भर है। बेटी की परीक्षा छूटना उनके लिए सदमे से कम नहीं है। साथ ही पढ़ाई के लिए उन्होंने हजारों रुपए कर्ज लिए हैं। हमारे पिता की स्थिति की अच्छी नहीं है। पिता ने मजदूरी करके हमें पढ़ाया है। लोग वीडियो डाल रहे हैं लेकिन किसी ने कुछ हमसे पूछा नहीं है। वहीं, रागिनी के पिता ने बेटी का सपना पूरा करने के लिए अपनी जमीन गिरवी रख दी है। साथ ही प्राइवेट फायनेंस कंपनी से उन्होंने लोन लिए हैं, ताकि बेटी की पढ़ाई बाधित नहीं हो। बेटी की पढ़ाई के लिए एक स्कूटी भी खरीदी थी। आंखों में हजारों सपने थे कि बेटी डॉक्टर बन जाएगी तो तकलीफें दूर हो जाएंगी। लेकिन बदकिस्मती से यह इंतजार लंबा हो गया है। रागिनी के पड़ोसियों का कहना है कि परिवार पर कर्ज है। कर्ज मांगने वाले लोग लगातार घर आते हैं। कोई सुध लेने वाला नहीं है। अब सरकार को चाहिए कि बेटी की पढ़ाई का खर्च उठाए। गरीब आदमी कहां से खर्च वहन करेगा। वहीं, रागिनी विश्वकर्मा ने कहा कि मेरी आंखों के सामने उन्होंने गेट बंद कर दिया। मेरे पिता ने हमें मेहनत करके तैयारी करवाई। हमारे परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है कि हम फिर से तैयारी कर सकें। हमने शुरू से ही सरकारी स्कूल में पढ़ाई की है। दो मिनट की देरी से रागिनी के परिवार को ऐसा जख्म मिला है, जिससे उबरने में सालों लग सकते हैं। घर पर हौसला देने वाले लोगों का जमावड़ा है। कुरवाई एसडीएम ने भी रागिनी को बुलाकर उसका हौसला बढ़ाया है। अगले साल की तैयारी करो। लेकिन परिवार को हौसलों से ज्यादा आर्थिक मदद की जरूरत है।

इंदौर कलेक्ट्रेट में मूल निवासी और आय प्रमाण पत्र के लिए नहीं काटने होंगे चक्कर

प्रशासन ने नागरिक सेवाओं को डिजिटल बनाने के लिए एक चैटबॉट का ट्रायल शुरू किया है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। जिले के नागरिकों को अब मूल निवासी, आय और अन्य जरूरी सरकारी प्रमाण पत्र बनवाने के लिए कलेक्ट्रेट या सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने से मुक्ति मिलने वाली है। स्थानीय प्रशासन ने आम जनता की सहूलियत के लिए एक बेहद आधुनिक और आसान तकनीक की शुरुआत की है। इंदौर के कलेक्टर शिवम वर्मा ने इस दिशा में कदम बढ़ाते हुए एक विशेष चैटबॉट का ट्रायल वर्जन लॉन्च किया है। इस डिजिटल सिस्टम के जरिए शहर के लोग घर पर ही अपने मोबाइल की मदद से आवेदन कर सकेंगे और तय समय सीमा के भीतर अपने जरूरी दस्तावेज हासिल कर सकेंगे। कलेक्टर शिवम वर्मा ने इस नई व्यवस्था की जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री की ओर से साफ निर्देश हैं कि आम जनता को मिलने वाली तमाम जरूरी सरकारी सेवाएं तय वक्त के अंदर ही मुहैया कराई जानी चाहिए। इसी मंशा को पूरा करने के लिए इस चैटबॉट को डिजाइन किया गया है। उन्होंने कहा कि आमतौर पर बहुत छोटे-छोटे कामों या प्रमाण पत्रों के लिए भी लोगों को बार-बार दफ्तरों के फेरे लगाने पड़ते हैं, जिससे उनका समय और पैसा दोनों ही बर्बाद होता है। प्रशासन की कोशिश है कि अब लोगों को बिना दफ्तर बुलाए उनके काम घर बैठे ही निपटाए जाएं। शुरुआती चरण में इस चैटबॉट पर मूल निवासी, आय और जाति प्रमाण पत्र की सेवाओं को लाइव किया गया है। आवेदक अपने मोबाइल फोन के जरिए ही इस चैटबॉट पर जाकर सीधे आवेदन की प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। जरूरी दस्तावेजों को मोबाइल से ही अपलोड करने की सुविधा दी गई है, जिसके बाद संबंधित विभाग इसकी जांच करेगा। ।वेदन स्वीकृत होने के बाद तय समय सीमा में डिजिटल हस्ताक्षर युक्त प्रमाण पत्र जारी कर दिया जाएगा। जारी किए गए सभी दस्तावेज डिजिटल फॉर्मेट में होंगे, जिन्हें आवेदक अपने फोन या कंप्यूटर पर सीधे डाउनलोड कर सकेंगे। कलेक्टर ने साफ किया है कि यह इस व्यवस्था की सिर्फ एक शुरुआत है। आने वाले दिनों में इस चैटबॉट को तकनीकी रूप से और ज्यादा अपग्रेड किया जाएगा, ताकि नगर निगम और राजस्व विभाग से जुड़ी अन्य नागरिक सेवाओं को भी इससे जोड़ा जा सके। इस प्रयोग के जरिए प्रशासन की कोशिश है कि ज्यादा से ज्यादा कागजी काम ऑनलाइन ही सिमट जाएं। अगर यह शुरुआती ट्रायल पूरी तरह सफल रहता है, तो आने वाले समय में इसके दायरे को काफी बड़ा किया जाएगा ताकि इंदौर के हर नागरिक तक सरकारी सेवाएं सुगमता से पहुंच सकें।

सिवनी: सीएमओ मैडम को ही लेना पड़ा CM हेल्पलाइन का सहारा, घर आ रहा था गंदा पानी,

मध्यप्रदेश के सिवनी के लखनादौन में प्रशासनिक नाकामी का बड़ा मामला सामने आया है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिवनी। जिले की लखनादौन नगर परिषद में स्थानीय प्रशासनिक ढर्रे और शिकायत निवारण प्रणाली की पोल खोलने वाला एक दिलचस्प और हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां की तत्कालीन मुख्य नगरपालिका अधिकारी गीता वाल्मीकि को अपने ही घर में आ रहे दूषित पेयजल की समस्या से निजात पाने के लिए सीधे सीएम हेल्पलाइन का दरवाजा खटखटाना पड़ा। यह वाकया स्थानीय प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े करता है कि जब शहर की व्यवस्था संभालने वाले पूर्व अधिकारी ही अपनी शिकायतें सामान्य तरीके से हल नहीं करवा पा रहे हैं, तो आम जनता की क्या स्थिति होगी। पूरा मामला लखनादौन नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 4 का है, जहां सीएमओ गीता वाल्मीकि का निजी निवास है। वर्तमान में वे जिले की ही छपारा नगर परिषद में सीएमओ के पद पर जिम्मेदारी संभाल रही हैं, लेकिन लखनादौन में घर होने के कारण वे यहीं निवास करती हैं। मिली जानकारी के अनुसार, उनके घर में पिछले काफी समय से नलों के माध्यम से गंदे और प्रदूषित पानी की सप्लाई की जा रही थी। स्वास्थ्य के लिहाज से बेहद गंभीर इस समस्या को लेकर उन्होंने पहले नगर परिषद के संबंधित प्रभारियों और कर्मचारियों को मौखिक रूप से कई बार टोका और इसे दुरुस्त करने को कहा। पूर्व सीएमओ ने लखनादौन नगर परिषद के जिम्मेदार कर्मचारियों को पहले व्यक्तिगत तौर पर अवगत कराया था। स्थानीय स्तर पर सुनवाई न होने और कोई ठोस कार्रवाई न होते देख उन्होंने आखिरकार सरकारी शिकायत पोर्टल का रुख किया। जो अधिकारी खुद रोजाना सैकड़ों लोगों की समस्याओं का समाधान करवाते हैं, उन्हें अपनी बुनियादी जरूरत के लिए परेशान होना पड़ा। वर्तमान में छपारा में पदस्थ होने के बावजूद लखनादौन प्रशासन के ढीले रवैये से उन्हें यह कदम उठाना पड़ा। इस वाकये के बाद अब पूरे सिवनी जिले के प्रशासनिक हलकों में लखनादौन नगर परिषद की किरकिरी हो रही है। यह अनोखा मामला सामने आने के बाद अब शिकायत निवारण तंत्र की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लग गया है। जानकारों का कहना है कि जो सिस्टम अपने ही विभाग के एक वर्तमान वर्ग-2 के अधिकारी की बुनियादी समस्या को हल करने में नाकाम रहा, वह आम नागरिकों की शिकायतों को कितनी गंभीरता से लेता होगा, इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। अब हर किसी की नजर इस बात पर टिकी है कि जिला प्रशासन इस मामले में क्या कड़ा रुख अपनाता है और वार्ड नंबर 4 के नागरिकों को साफ पानी कब तक नसीब होता है।

अखिलेश से हिसाब बराबर करने के लिए 'ओवैसी मोड' में आए इमरान मसूद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उत्तर प्रदेश। कांग्रेस का गठबंधन है, 2024 में अखिलेश यादव और राहुल गांधी की केमिस्ट्री हिट रही थी. ऐसे में 2027 में सपा और कांग्रेस ने मिलकर चुनाव लड़ने का प्लान बनाया है, लेकिन सूबे की सियासत में 'मुस्लिम वोटों का मसीहा' कौन बनेगा, इसे लेकर शह-मात का खेल शुरू हो गया है. पश्चिमी यूपी के कद्दावर नेता और सहारनपुर से कांग्रेस के सांसद इमरान मसूद ने इन दिनों समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव के खिलाफ उसी तरह से मोर्चा खोल रखा है, जैसे मुसलमानों के मुद्दे पर AIMIM के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी आक्रामक तेवर अख्तियार किए रहते हैं. उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के 6 लोकसभा सांसद है, लेकिन सपा के खिलाफ आक्रामक रुख सिर्फ इमरान मसूद की अपना रखे हैं. सपा के समर्थन से इमरान मसूद 2024 में सांसद बने हैं. इसके बाद आखिर क्या वजह कि इमरान मसूद सपा के खिलाफ सख्त रुख और अखिलेश को मुस्लिम विरोधी कठघरे में खड़े करने में जुटे हैं? कांग्रेस के सांसद इमरान मसूद इन दिनों असदुद्दीन ओवैसी की तरह ही अखिलेश यादव के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है. सपा के मुस्लिम विरोधी कठघरे में खड़े करने की कवायद में जुटे हैं. इसी मद्देनजर इमरान मसूद ने कहा कि यूपी में मुस्लिम के साथ हो रहे अन्याय पर उनकी (अखिलेश यादव) चुप्पी समझ से परे है. वे राम मंदिर की चंदा चोरी पर मुखर होकर बोलते हैं,लेकिन मुसलमानों पर हो रहे जल्म पर खामोश रहते हैं. अखिलेश यादव के कांग्रेस को गठबंधन धर्म का पालन करने की बात पर इमरान मसूद ने कहा कि मुझे समझ में नहीं आता, आप अपनी तैयारी करिए न, हम अपनी तैयारी कर रहे हैं. आप बहुत बड़े नेता हैं, आपके मुंह से यह बात अच्छी नहीं लगती. इमरान मसूद बार-बार सपा को निशाने पर पर ले रहे हैं और उनका तर्क रहा है कि सपा मुस्लिमों का वोट तो लेती है, लेकिन जब उन्हें प्रतिनिधित्व देने या उनके मुद्दों पर खुलकर बोलने की बात आती है तो अखिलेश यादव 'सॉफ्ट हिंदुत्व' की राह पकड़ लेते हैं. असदुद्दीन ओवैसी भी ठीक यही रणनीति अपना रहे हैं. वे उत्तर प्रदेश के हर मंच से नारा दे रहे हैं कि मुसलमानों, कब तक दरी बिछाओगे? अपना नेता खुद चुनो. ओवैसी सीधे अखिलेश यादव पर निशाना साधते हैं कि वे मुसलमानों के वोट को बंधुआ मजदूर की तरह इस्तेमाल करना चाहते हैं. ओवैसी के राह पर ही चल कर इमरान मसूद सपा को मुस्लिम मुद्दों पर घेरना शुरू कर दिया है. इमरान मसूद आखिर सपा से इतना खफा क्यों है, जिसके चलते अखिलेश यादव के सियासी कठघरे में खड़े है.

वेतन आयोग से मांग, जब प्रति व्यक्ति आय बढ़ी तो न्यूनतम वेतन भी बढ़ाकर 69 हजार रुपये किया जाए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। न्यूनतम बेसिक वेतन 18 हजार रुपये ने बढ़ाकर 69 हजार रुपये किया जाए। ऐसा इसलिए क्योंकि सातवें वेतन आयोग के लागू होने के समय देश की प्रति व्यक्ति आय 92,294 रुपये थी, जो अब बढ़कर लगभग 2.20 लाख रुपये हो चुकी है और ऐसे में वेतन और पेंशन का पुनरीक्षण भी इसी अनुपात में किया जाना चाहिए। लखनऊ में आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के सदस्यों से मुलाकात के दौरान विभिन्न कर्मचारी संगठनों और पेंशनर संगठनों ने की।, केंद्रीय वेतन आयोग के सदस्य पंकज जैन की अध्यक्षता में आठ सदस्यीय दल ने अधिकारियों, कर्मचारियों और पेंशनरों के संगठनों से सुझाव लिए। अपर मुख्य सचिव (वित्त) दीपक कुमार ने उत्तर प्रदेश की वित्तीय स्थिति और पिछले 10 सालों में आय-व्यय से जुड़ा ब्यौरा पेश किया। बैठक में आयोग के समक्ष आईएएस, आईपीएस और आईएफएस एसोसिएशनों सहित कई कर्मचारी संगठनों ने अपनी मांगें रखीं। उत्तर प्रदेश की ऑल इंडिया स्टेट पेंशनर्स फेडरेशन की इकाई के चेयरमैन प्रमोद कुमार वर्मा ने आयोग से कहा कि, प्रति व्यक्ति आय में हुई बढ़ोतरी के अनुरूप ही वेतन पुनरीक्षण होना चाहिए। उन्होंने 3.15 फिटमेंट फैक्टर का सुझाव भी दिया। पेंशनर संगठनों ने 65 साल की उम्र पूरी होने पर पांच प्रतिशत, 70 साल की उम्र होने पर 10 प्रतिशत और 75 साल की आयु पूरी होने पर 15 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन देने की मांग रखी। उन्होंने पेंशन कम्यूटेशन की 15 साल की कटौती अवधि कम करने और रिटायरमेंट के बाद कर्मचारियों और पेंशनरों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई।

घरेलू कलह में बौखलाए पति पत्नी, एक साथ कूद गए नदी में, महिला की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बांदा। घरेलू विवाद के बाद पति-पत्नी द्वारा यमुना नदी में छलांग लगाने की घटना ने सभी को झकझोर दिया. स्थानीय लोगों और गोताखोरों की मदद से दोनों को बाहर निकाला गया, लेकिन अस्पताल में पत्नी की मौत हो गई. पति की हालत गंभीर बनी हुई है. चार बच्चों वाले इस परिवार पर आई त्रासदी की जांच में पुलिस जुटी हुई है. उत्तर प्रदेश के बांदा में घरेलू कलह में कहासुनी के बाद पति पत्नी दोनो ने यमुना नदी में छलांग लगा दी, जिससे इलाके में अफरा तफरी का माहौल हो गया. आसपास मौजूद लोगों ने पुलिस प्रशासन को सूचना दी, सूचना पर पहुचीं पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से दोनो को बाहर निकाल अस्पताल भिजवाया. यहां पत्नी की दर्दनाक मौत हो गयी. वहीं पति की हालत बेहद नाजुक है, उसको प्राथमिक इलाज के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया है. पति पत्नी के आपसी कलह में एक परिवार उजड़ गया, पति आज ही दिल्ली से लौटा था. पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है. मामला मर्का थाना क्षेत्र का है. जहां के रहने वाले दम्पत्ति सीमा 30 साल रामलखन 35 साल ने सोमवार को देर शाम घरेलू कलह के चलते यमुना नदी के छलांग लगा दी. स्थानीय लोगों ने देखा तो पुलिस को सूचना दी. पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से दोनों का रेस्क्यू कर बाहर निकाल अस्पताल भेजा. यहां डॉक्टरों ने पत्नी को मृत घोषित कर दिया. पुलिस ने बताया कि रामलखन दिल्ली में रहकर मजदूरी करता था और उसी दिन गांव लौटा था. उसकी पत्नी से उसका घरेलू बातों के चलते वाद विवाद हुआ, जिसके बाद दोनों नदी में कूद गए. मृतक के चार बच्चे हैं. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी भेज दिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है. CHC बबेरू के चिकित्सा अधिकारी आशुतोष सिंह ने बताया कि मामले में पत्नी के शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी भेज दिया गया है और आगे की जांच जारी है.

दालमंडी प्रोजेक्टः लंगड़ा हाफिज समेत चार मस्जिदों के मामले में बातचीत बढ़ी, प्रशासन की प्रक्रिया हुई तेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में दालमंडी प्रोजेक्ट की गति को तेज करने की दिशा में कदम उठाया गया है। इस परियोजना के दायरे में आने वाली मस्जिदों की अधिग्रहण प्रक्रिया ने गति पकड़ी है। प्रशासन की ओर से इस संबंध में प्रयास तेज किए गए हैं। दरअसल, दालमंडी परियोजना के दायरे में छह मस्जिदें आ रही हैं। इनमें से चार के मामले में उनके मुतवल्ली, प्रबंधन कमेटी और पीडब्ल्यूडी के बीच सहमति अनुबंध कराया जाएगा। इस संबंध में संबंधित पक्षों से प्रशासन, पुलिस और पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों की सोमवार देर रात तक बातचीत चली। इस बीच प्रशासन को एक मस्जिद के फर्जीवाड़े का भी पता चला है। मस्जिद बताकर इसके व्यक्तिगत इस्तेमाल की बात सामने आई है। दालमंडी प्रोजेक्ट को लेकर प्रशासन की ओर से पिछले वर्ष के आखिर से ही प्रक्रिया चल रही है। इस क्रम में अधिकारियों का दावा है कि चिह्नित भवनों में से 80 फीसदी की खरीद हो चुकी है। अन्य बचे भवनों की खरीद प्रक्रिया को पूरी कराने के लिए बातचीत चल रही है। प्रशासन का दावा है कि लंगड़ा हाफिज, मिर्जा करीमुल्लाह बेग, संगमरमर वाली, अली रजा खान, निसारन खां सहित छह मस्जिदों की खरीद पर वार्ता चल रही है। आधिकारिक सूत्रों का दावा है कि सोमवार को अधिकारियों और मस्जिदों के प्रबंधन कमेटी के पदाधिकारियों के बीच कई राउंड की बातचीत हुई। इनमें चार मस्जिदों को देने पर कमिटी की ओर से लगभग हामी भरी जा चुकी है। इसके साथ ही सहमति अनुबंध तैयार कराने पर भी बातचीत हुई है। मंगलवार को मस्जिद के बाहर अधिकारियों को मापी करते भी देख गया। एग्रीमेंट फाइनल होने के बाद मस्जिदों को पीडब्लूडी को सौंप दिया जाएगा। सम्पत्ति को आवश्यक भूमि अधिग्रहण अधिनियम के तहत लिया जा रहा है। इस बारे में प्रशासनिक अधिकारियों ने ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है। हालांकि, इतना जरूर कहा जा रहा है कि मस्जिदों के अधिग्रहण के संबंध में वार्ता चल रही है। जल्द ही इसमें कामयाबी मिलेगी। दालमंडी सड़क चौड़ीकरण परियोजना पर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रभावित भवन स्वामियों के बाद अब करीब 200 साल पुरानी लंगड़े हाफिज मस्जिद ने भी हाई कोर्ट का रुख किया है। मस्जिद कमिटी को परियोजना के तहत ध्वस्तीकरण की आशंका सता रही है। मस्जिद खुदा बख्श जायसी उर्फ लंगड़े हाफिज और अंजुमन इंतजामिया मसाजिद के सचिव की ओर से दायर याचिका में प्रशासनिक कार्रवाई को चुनौती देते हुए मस्जिद के धार्मिक स्वरूप, अस्तित्व और कब्जे की सुरक्षा की मांग की गई है। याचिका में राज्य सरकार, वक्फ विभाग, लोक निर्माण विभाग और यूपी सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड को पक्षकार बनाया गया है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

दिल्ली में मानसून आने में होगी देरी, 28 जून तक बारिश की संभावना नहीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में गर्मी की मार कुछ दिनों और झेलनी पड़ेगी, जून का महीना खत्म होने को है, लेकिन राजधानी में अब तक मानसून जैसी बारिश देखने को नहीं मिली है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, राजधानी में 22 जून तक 35.7 मिमी के सामान्य आंकड़े के मुकाबले केवल 26.9 मिमी बारिश हुई है। यानी इस महीने अब तक करीब 25 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई है। बारिश की यह कमी ऐसे समय सामने आई है जब दिल्ली में दक्षिण-पश्चिम मानसून के पहुंचने की सामान्य तारीख 27 जून मानी जाती है। हालांकि मौसम विभाग ने संकेत दिए हैं कि 28 जून तक बारिश की संभावना बेहद कम है, जिससे इस बार मानसून के आगमन में देरी हो सकती है। दिल्ली के अलग-अलग जिलों में बारिश का वितरण समान नहीं रहा है। पूर्वी दिल्ली में 53 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो सामान्य 41.6 मिमी से अधिक है। इस वजह से यह इलाका 'अधिक वर्षा' की श्रेणी में शामिल हुआ है।

उत्तर-पूर्व और उत्तर-पश्चिम दिल्ली सबसे पीछे

उत्तर-पूर्वी दिल्ली में केवल 10.8 मिमी बारिश हुई है, जो सामान्य से 74 फीसदी कम है। वहीं उत्तर-पश्चिमी दिल्ली में भी 64 फीसदी की बड़ी कमी दर्ज की गई है। दोनों जिले बड़े वर्षा घाटे वाले क्षेत्रों में शामिल हैं। मौसम विभाग के अनुसार 28 जून तक आसमान में आंशिक बादल छाए रह सकते हैं, लेकिन व्यापक बारिश की संभावना नहीं है। इसी कारण मानसून की दस्तक को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। सोमवार को अधिकतम तापमान 38.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य के करीब है।

रील शूट करने के बहाने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर से दुष्कर्म, पीड़िता ने कहा- गलत नाम बताकर जाल में फंसाया,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर पहचान बनाने का सपना दिखाकर महिलाओं को जाल में फंसाने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। ताजा मामला दिल्ली के बुराड़ी इलाके से सामने आया है, जहां एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ने एक व्यक्ति पर रील शूट करने के बहाने बुलाकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि आरोपी ने पहले भरोसा जीता और फिर उसका शोषण किया। पीड़िता की शिकायत के बाद दिल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला ने आरोप लगाया है कि घटना के बाद आरोपी ने उसे ब्लैकमेल किया और कई बार उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। पुलिस अब मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, 36 वर्षीय महिला की आरोपी से साल 2022 में एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए पहचान हुई थी। दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई और धीरे-धीरे संपर्क बढ़ता गया। महिला ने अपनी शिकायत में कहा है कि सितंबर 2022 में आरोपी ने उसे सोशल मीडिया रील शूट करने के बहाने बुराड़ी के एक होटल में बुलाया। वहां उसने कथित तौर पर उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता का आरोप है कि पहली घटना के बाद आरोपी ने उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया और कई बार उसका यौन शोषण किया। महिला ने यह भी दावा किया कि बाद में उसे पता चला कि आरोपी ने शुरुआत में अपना गलत नाम बताया था। सच सामने आने पर उसने उससे संबंध तोड़ लिए। महिला का कहना है कि दूरी बनाने के बाद आरोपी के जीजा और एक अन्य रिश्तेदार ने उससे संपर्क किया और धमकियां दीं। इस संबंध में भी शिकायत दर्ज कराई गई है।

दिल्ली के झुग्गीवासियों को बड़ी सौगात, 1500 से ज्यादा बस्तियों के लाखों परिवारों को मिलेंगे पक्के घर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सरकार ने झुग्गीवासियों के पुनर्वास के लिए नई नीति लागू की है. इसके तहत 1 जनवरी 2025 तक बनी सभी झुग्गी बस्तियों के निवासियों को पक्के मकान दिए जाएंगे. इस योजना से 1500 से ज्यादा झुग्गी बस्तियों में रहने वाले लाखों गरीब परिवारों को फायदा मिलेगा. दिल्ली रहने वाले झुग्गीवासियों को दिल्ली सरकार बड़ी सौगात देने जा रही है. दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले गरीब परिवारों के पुनर्वास के लिए बड़ा फैसला लिया है. इसके तहत अब दिल्ली की झुग्गी बस्तियों में रहने वाले हजारों परिवारों का अपने पक्के मकान का सपना सच होने जा रहा है दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड की 36वीं बोर्ड बैठक में ये फैसला लिया गया है. इस बैठक में सरकार ने झुग्गीवासियों को पक्के मकान देने के रास्ते की सभी कानूनी और प्रशासनिक बाधाओं को साफ कर दिया है. इस योजना के तहत देश की आजादी के बाद से लेकर अब तक दिल्ली में जितनी भी झुग्गी बस्तियां बसी हैं, उन सभी को पक्का मकान दिया जाएगा. नई पुनर्वास नीति के तहत कट-ऑफ डेट तय की गई है. सरकार के फैसले के मुताबिक, 1 जनवरी 2025 तक दिल्ली में जितनी भी झुग्गी बस्तियां बनी थीं, उन सभी के निवासियों को इस पुनर्वास योजना का पूरा फायदा मिलेगा. सरकार ने बताया है कि इस तय तारीख से पहले बसी सभी झुग्गियों के लोगों को पक्के फ्लैट या मकान दिए जाएंगे. सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में इस समय लगभग 1500 से ज्यादा झुग्गी बस्तियां हैं. इन बस्तियों में लाखों लोग बिना बुनियादी सुविधाओं के रहने को मजबूर हैं. रेखा गुप्ता सरकार के इस फैसले से इन सभी 1500 से ज्यादा बस्तियों के पुनर्वास का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है. इससे दिल्ली की सूरत तो बदलेगी ही, साथ ही गरीब परिवारों को एक सुरक्षित माहौल भी मिल सकेगा.

पुणे में सोनम जैसा कांड! लोहागढ़ किले में हादसा या मर्डर... मंगेतर और दोस्त पर शक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। महाराष्ट्र राज्य के पुणे के लोहागढ़ किले में 24 वर्षीय केतन विशाल अग्रवाल की मौत की जांच में बड़ा मोड़ आया है. पुलिस को अब शक है कि यह हादसा नहीं, बल्कि सुनियोजित हत्या थी. जांच में केतन की मंगेतर पर जानकारी छिपाने का संदेह हुआ, जिसके बाद उसके मोबाइल, कॉल डिटेल और सोशल मीडिया की जांच की गई. महाराष्ट्र के पुणे जिले में भी सोनम रघुवंशी जैसा मामला सामने आया है. जहां प्रसिद्ध लोहागढ़ किले में 24 वर्षीय केतन विशाल अग्रवाल की मौत के मामले में जांच ने बड़ा मोड़ ले लिया है. शुरुआत में इसे हादसा माना जा रहा था, लेकिन अब पुलिस को आशंका है कि केतन की मौत दुर्घटना नहीं, बल्कि सुनियोजित हत्या का मामला हो सकती है. पुलिस जांच के दौरान केतन की मंगेतर के बयान और घटनाक्रम में कई विरोधाभास सामने आए. ऐसे में अधिकारियों को शक हुआ कि वह कुछ महत्वपूर्ण जानकारी छिपा रही है. इसके बाद पुलिस ने उसके मोबाइल फोन, कॉल डिटेल, सोशल मीडिया गतिविधियों और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की गहन जांच की. जांच में सामने आया कि मंगेतर कथित तौर पर किसी अन्य युवक के साथ रिश्ते में थी. पुलिस का दावा है कि इसी संबंध के चलते दोनों ने मिलकर केतन को रास्ते से हटाने की

साजिश रची. जांच एजेंसियों को संदेह है कि योजनाबद्ध तरीके से केतन को लोहागढ़ किले की करीब 350 फीट गहरी घाटी में धक्का दिया गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई.

19 जून को था मंगेतर का बर्थडे

केतन अग्रवाल अपनी मंगेतर का जन्मदिन मनाने के लिए उसके और दोस्तों के साथ लोहागढ़ किला गए थे. उनका जन्मदिन 19 जून को था और केतन ने शादी से पहले एक खास ट्रिप का प्लान बनाया था. दोनों की शादी अगले महीने होने वाली थी और शादी की तैयारियां चल रही थीं. मिली जानकारी के मुताबिक केतन के परिवार ने जयपुर में एक शानदार शादी का प्लान बनाया था, जिसमें एक महल बुक करना और मेहमानों के लिए इंतजाम करना शामिल था.

शुरू में पुलिस को शक था कि घाटी के पास तस्वीरें लेते समय संतुलन बिगड़ने से केतन की मौत हुई. केतन को करीब 350 फीट की ऊंचाई से गिरने के कारण गंभीर चोटें आई थीं. हालांकि, आगे की जांच ने मामले की दिशा बदल दी और अब पुलिस इसे हत्या का मामला मानकर जांच कर रही है. फिलहाल पुलिस तकनीकी साक्ष्यों, घटनास्थल से जुटाए गए सबूतों और संदिग्धों से पूछताछ के आधार पर मामले की जांच आगे बढ़ा रही है. हालांकि, अभी तक पुलिस ने इस मामले में अंतिम निष्कर्ष की आधिकारिक घोषणा नहीं की है और सभी पहलुओं की गहनता से जांच जारी है. पुणे। महाराष्ट्र राज्य के पुणे के लोहागढ़ किले में 24 वर्षीय केतन विशाल अग्रवाल की मौत की जांच में बड़ा मोड़ आया है. पुलिस को अब शक है कि यह हादसा नहीं, बल्कि सुनियोजित हत्या थी. जांच में केतन की मंगेतर पर जानकारी छिपाने का संदेह हुआ, जिसके बाद उसके मोबाइल, कॉल डिटेल और सोशल मीडिया की जांच की गई. महाराष्ट्र के पुणे जिले में भी सोनम रघुवंशी जैसा मामला सामने आया है. जहां प्रसिद्ध लोहागढ़ किले में 24 वर्षीय केतन विशाल अग्रवाल की मौत के मामले में जांच ने बड़ा मोड़ ले लिया है. शुरुआत में इसे हादसा माना जा रहा था, लेकिन अब पुलिस को आशंका है कि केतन की मौत दुर्घटना नहीं, बल्कि सुनियोजित हत्या का मामला हो सकती है.

अन्ना हजारे ने किया अनशन का ऐलान, RTI नियमों में बदलाव वापस न लेने पर 5 जुलाई से शुरू करेंगे आंदोलन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे एक बार फिर से अनशन कर सकते हैं। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि अगर राज्य सरकार ने सूचना का अधिकार नियमों में किए गए बदलावों को तुरंत वापस नहीं लिया तो वह 5 जुलाई से अहमदनगर जिले के रालेगण सिद्धि में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करेंगे। अन्ना हजारे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर अपनी नाराजगी जाहिर की है। हजारे ने अपने पत्र में कहा कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा 12 जून को लागू किए गए 'महाराष्ट्र सूचना का अधिकार नियम, 2026' RTI कानून की मूल भावना के खिलाफ हैं। उनका कहना है कि इन नए नियमों से पारदर्शिता कमजोर होगी और आम नागरिकों के लिए जानकारी हासिल करना पहले से ज्यादा मुश्किल हो जाएगा। अन्ना हजारे ने खास तौर पर ऋञ्चढ्ढ आवेदन फीस में बढ़ोतरी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने फीस बढ़ाने के पीछे कोई ठोस तर्क या वित्तीय विश्लेषण पेश नहीं किया है। हजारे ने स्पष्ट किया कि ऋञ्चढ्ढ कानून का उद्देश्य सरकार के लिए राजस्व जुटाना नहीं, बल्कि

जनता को सूचना का अधिकार देना है। उन्होंने यह भी मांग की कि यदि फीस बढ़ाई जाती है, तो जानकारी देने में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर लगने वाला जुर्माना भी बढ़ाया जाना चाहिए। इसके अलावा, नए नियमों में RTI आवेदन के साथ पहचान पत्र देना अनिवार्य किए जाने पर भी हजारे ने कड़ा विरोध जताया। उनका कहना है कि RTI एक्ट की धारा 6(2) के तहत आवेदक को अपनी निजी जानकारी या आवेदन का कारण बताने की कोई बाध्यता नहीं है। उन्होंने कहा कि यह प्रावधान व्हिसलब्लोअर और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है। सरकार को RTI कानून की धारा 4 के तहत स्वेच्छा से अधिक जानकारी सार्वजनिक करनी चाहिए, ताकि लोगों को बार-बार आवेदन करने की जरूरत ही न पड़े। अन्ना हजारे

इस नए नियम को भी अनावश्यक बताया

हजारे ने 'एक विषय, एक आवेदन' जैसे नए नियम को भी अनावश्यक बताया। उनका कहना है कि इससे नागरिकों को बार-बार अलग-अलग आवेदन करने पड़ेंगे, जिससे प्रक्रिया जटिल और महंगी हो जाएगी। उन्होंने अपील खारिज करने, सुनवाई में कानूनी मदद पर रोक और आवेदक की मौत पर केस बंद करने जैसे प्रावधानों की भी आलोचना की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इन नियमों को वापस नहीं लिया, तो वह 5 जुलाई से रालेगण सिद्धि के यादव बाबा मंदिर में अनशन शुरू करेंगे।

दिल्ली की बाल्मीकि बस्ती में भीषण आग, चपेट में आईं कई झुग्गियां

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में एक बार फिर आग की घटना सामने आई है. मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के पीछे, तकिया काले खान इलाके की बाल्मीकि बस्ती की झुग्गियों में भीषण आग लग गई. घटना की जानकारी मिलते ही दमकल की 24 गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं,कड़ी मशक्कत के बाद अब आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया है. राहत की बात ये है कि इस हादसे में फिलहाल किसी के हताहत होने या किसी की जान जाने की कोई खबर नहीं है. फायर ब्रिगेड अधिकारी ने बताया कि उन्हें 11 बजकर 22 मिनट पर आग की जानकारी मिली थी. आग की गंभीरता देखते हुए फायर ब्रिगेड की गाड़ियां बढ़ाई गईं और मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया.

रात करीब 11 बजे भड़की आग

घटना के एक चश्मदीद मोहम्मद फैजान ने मीडिया को बताया, 'रात के पौने 11 बज रहे थे. हम सामने बैठे थे और हमने आग की लपटें उठती हुई देखीं. तो हम इधर की तरफ भागकर आए तो देखा कि आग लग गई थी और आग ऐसी थी कि बुझाए नहीं बुझ रही थी. हम अंदर जा रहे थे तो उसकी लपटें हमारे ऊपर आ रही थीं. चश्मदीद ने आगे बताया, 'एक बिल्डिंग में 8 लोग फंसे हुए थे, जिन्हें अंडरग्राउंड रास्ते से उन्हें निकाला गया. उनके बाहर आते ही सिलेंडर फटने लगे और आग बढ़ती चली गई. फिर फोन करने के 5 मिनट बाद ही एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड आ गई. जब हम बाहर निकल रहे थे, तब तक आग बेकाबू हो चुकी थी. फिर बिजली के खंभों में आग लगने लगी और आग बढ़ते-बढ़ते चारों तरफ फैल गई. दूसरे चश्मदीद मोहम्मद यूसुफ ने बताया, 'जब आग लगी तो हमने हल्की आग समझी और ड्रमों से पानी डालकर बुझाने की कोशिश की. हमने ऊपर सो रहे लोगों को बचाया, फिर लकड़ियां हटवाईं. लेकिन लकड़ियां बहुत थीं, लकड़ी की और पक्की झुग्गियां थीं लेकिन आग काबू नहीं आई. फिर हमें फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने आग से बाहर निकाला क्योंकि बिजली के तारों में भी आग लगी थी. हमने 5-10 लोगों को बचाया.

मुंबईकरों के लिए गुड न्यूज, सायन रोड ओवरब्रिज पर आया बड़ा अपडेट, 500 टन का स्टील गर्डर लॉन्च

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मध्य रेल ने माटुंगा और कुर्ला के बीच रात्रिकालीन ब्लॉक के दौरान 500 टन वजनी सेमी-थ्रू स्टील गर्डर का सफलतापूर्वक लॉन्च किया। इसी के साथ लंबे समय से प्रतीक्षित सायन रोड ओवरब्रिज (आरओबी) परियोजना के पूरा होने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ा है। यह गर्डर लॉन्चिंग छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी)-कुर्ला पांचवीं एवं छठी लाइन परियोजना का हिस्सा है, जो मुंबई में रेलवे क्षमता विस्तार की सबसे महत्वपूर्ण परियोजनाओं में से एक है। इस कार्य के तहत सीमित ब्लॉक अवधि में चालू रेलवे लाइनों के ऊपर विशाल स्टील स्पैन को स्थापित और लॉन्च किया गया, जिससे यह पुल पुनर्निर्माण की सबसे चुनौतीपूर्ण अवस्थाओं में से

एक बन गया।अत्यधिक व्यस्त उपनगरीय रेल कॉरिडोर और घनी आबादी वाले शहरी क्षेत्र में इतने बड़े और भारी ढांचे को संभालने की जटिलताओं के बावजूद यह कार्य सफलतापूर्वक और सुचारू रूप से संपन्न किया गया है। चालू रेलवे लाइनों के ऊपर 500 टन के स्टील गर्डर की लॉन्चिंग एक प्रमुख इंजीनियरिंग उपलब्धि मानी जाती है, जिसके लिए सूक्ष्म योजना, सटीक क्रियान्वयन और विभिन्न तकनीकी टीमों के बीच घनिष्ठ समन्वय आवश्यक होता है। इस सफल लॉन्चिंग ने उस पुल के पुनर्निर्माण कार्य में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया है, जिसे सौ वर्ष से अधिक पुराने ढांचे की संरचनात्मक स्थिति को लेकर उठी चिंताओं के बाद बंद कर दिया गया था। पुनर्निर्मित आरओबी को विस्तारित रेलवे कॉरिडोर की आवश्यकताओं के अनुरूप डिजाइन किया जा रहा है। रेलवे पटरियों के ऊपर पुल का स्पैन लगभग 40 मीटर से बढ़ाकर लगभग 54.5 मीटर किया जा रहा है।

दिल्ली के कारोबारी से 10 करोड़ की मांगी रंगदारी, स्पेन से जुड़ा कनेक्शन, पूर्व ASI भी शामिल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। डिफेंस इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर से 10 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने के मामले में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच को जांच के दौरान कई नए सुराग मिले हैं। शुरुआती पड़ताल में सामने आया है कि धमकी भरे संदेश और वॉट्सऐप वॉयस नोट भेजने की साजिश के तार विदेश में बैठे 'मन्नी' नाम के व्यक्ति से जुड़ रहे हैं। जांच एजेंसियां अब इस पूरे नेटवर्क की परतें खोलने में जुटी हैं। जांच में सामने आया कि पीड़ित के मन में अलगाववादी संगठनों और कुख्यात गैंगस्टरों का भय पैदा कर रकम वसूलने की कोशिश की गई। इस मामले में क्राइम ब्रांच की ओर से गिरफ्तार किए गए तीन आरोपियों में पंजाब के तरनतारन निवासी गुरपिंदर सिंह उर्फ प्रिंस, शमशेर सिंह उर्फ सैम और अमृतसर निवासी जसवंत सिंह शामिल है। जांच में जसवंत सिंह की भूमिका सबसे अहम मानी जा रही है। जो पंजाब पुलिस में एएसआई रह चुका था, लेकिन 2006 में सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था। उसके खिलाफ पंजाब में पहले से दो आपराधिक मामले भी दर्ज बताए गए हैं। स्पेशल कमिश्नर ऑफ पुलिस हरगोबिंदर सिंह धालीवाल ने बताया कि कारोबारी साहिल लूथरा को अगस्त और सितंबर 2025 के दौरान कई धमकी भरे कॉल और संदेश मिले थे। इसके बाद 4 जून को एक अंतरराष्ट्रीय नंबर से वॉट्सऐप वॉयस नोट भेजकर 10 करोड़ रुपये की मांग की गई। 10 जून को मामला क्राइम ब्रांच को सौंपा गया। डीसीपी क्राइम संजीव कुमार यादव, एसीपी संजय कुमार नागपाल, इंस्पेक्टर मान सिंह और इंस्पेक्टर सुंदर गौतम की देखरेख में एंटी रॉबरी एंड स्नैचिंग सेल ने आरोपियों तक पहुंच बनाई। पूछताछ में गुरपिंदर और शमशेर ने स्वीकार किया कि उन्होंने जसवंत सिंह के निर्देश पर धमकी वाले वॉयस नोट भेजे थे। पहले भेजे गए कुछ मैसेज स्पेन में मौजूद 'मन्नी' के जरिए भेजे गए थे।

उत्तर प्रदेश के 11 जिलों में गूंजेगा 'हिंदू स्वाभिमान सम्मेलन' का शंखनादः स्वामी चक्रपाणि महाराज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। संत महासभा द्वारा संचालित सामाजिक एवं धार्मिक संस्था 'श्री चित्रगुप्त अखाड़ा' की एक अति-महत्वपूर्ण बैठक आज नई दिल्ली के मंदिर मार्ग स्थित हिंदू महासभा भवन में संपन्न हुई। श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा के जगद्गुरु, सनातन सम्राट तथा अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष परम पूज्य स्वामी चक्रपाणि जी महाराज की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में सनातन धर्म, राष्ट्र रक्षा और सामाजिक समरसता को लेकर कई बड़े संकल्प लिए गए। बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर घोषणा की गई कि उत्तर प्रदेश के 11 जनपदों में भव्य 'हिंदू स्वाभिमान सम्मेलन' का आयोजन किया जाएगा। इन सम्मेलनों में देशभर के प्रख्यात संत-महात्मा, प्रबुद्ध नागरिक और विभिन्न राजनीतिक दलों के जनप्रतिनिधि शिरकत करेंगे। महानगर मेट्रो को मिली जानकारी के अनुसार, इस सम्मेलन श्रृंखला का भव्य शुभारंभ आगामी 2 अक्टूबर 2026 को लाल बहादुर शास्त्री जयंती के पावन अवसर पर प्रयागराज से होगा। इसके बाद प्रथम चरण के तहत 3 अक्टूबर को मिर्जापुर और 4 अक्टूबर को जौनपुर में सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। इन सम्मेलनों से पूर्व स्थानीय स्तर पर सनातन धर्म ध्वज यात्राएं, पदयात्राएं और संत सम्मेलन आयोजित कर व्यापक जनजागरण अभियान चलाया जाएगा। बैठक में यह विशेष निर्णय लिया गया है कि प्रत्येक 'हिंदू स्वाभिमान सम्मेलन' से पहले सुबह 10 से 12 बजे तक जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि जी महाराज के सान्निध्य में एक 'सहभोज आशीर्वाद कार्यक्रम' होगा। इसमें

मुख्य रूप से कायस्थ समाज सहित समाज के विभिन्न वर्गों के लोग एकजुट होकर सामाजिक समरसता, राष्ट्र निर्माण और हिंदू स्वाभिमान के विषयों पर मंथन करेंगे। उत्तर प्रदेश में इन कार्यक्रमों के सुचारू और सफल आयोजन के लिए तीन सदस्यीय विशेष समिति का गठन किया गया है, जिसमें प्रमुख जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं:

1. **श्री कुमार नारायण जी (उत्तर प्रदेश प्रभारी)**

2. **श्री स्वप्निल श्रीवास्तव जी (राष्ट्रीय सचेतक, श्री चित्रगुप्त अखाड़ा)**

3. **श्री राजेश श्रीवास्तव 'बच्चा भैया' जी (प्रदेश अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश)**

बैठक में प्रयागराज के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता श्री कुमार नारायण जी को श्री चित्रगुप्त अखाड़ा का उत्तर प्रदेश प्रभारी नियुक्त कर विशेष दायित्व सौंपा गया। इन प्रमुख मुद्दों पर प्रस्ताव होंगे पारित अखाड़े के पदाधिकारियों के अनुसार, इस प्रादेशिक सम्मेलन में राष्ट्र रक्षा, गौ रक्षा, मठ-मंदिरों का संरक्षण, संतों की सुरक्षा के साथ-साथ हिंदू युवाओं के लिए रोजगार के अवसर, हिंदू युवतियों की सुरक्षा और समाज सेवा करने वाले चेहरों को राजनीतिक व सार्वजनिक जीवन में उचित प्रतिनिधित्व देने जैसे गंभीर मुद्दों पर चर्चा होगी। इन प्रस्तावों के जरिए सरकार के समक्ष जरूरी मांगें और सुझाव भी रखे जाएंगे। बैठक के समापन पर स्वामी चक्रपाणि जी महाराज ने सभी कार्यकर्ताओं को पटका पहनाकर आशीर्वाद दिया। अंत में 'धर्म की जय हो, अधर्म का नाश हो' और 'भगवान श्री चित्रगुप्त महाराज की जय' के गगनभेदी उद्घोषों के साथ राष्ट्र और संस्कृति की रक्षा का संकल्प दोहराया गया।

अखिल भारत हिंदू क्रांति सेना के राष्ट्रीय संरक्षक भँवर सिंह पलाड़ा का जन्मदिवस आज

देशभर से मिल रही शुभकामनाएं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अजमेर। अखिल भारत हिंदू क्रांति सेना के राष्ट्रीय संरक्षक, वरिष्ठ जननेता एवं समाजसेवी श्री भँवर सिंह पलाड़ा का जन्मदिवस आज पूरे उत्साह, श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों तथा विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य नागरिकों द्वारा उन्हें जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं मंगलकामनाएं प्रेषित की जा रही हैं। जन्मदिवस के अवसर पर अखिल भारत हिंदू क्रांति सेना द्वारा विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं सेवा कार्यों का आयोजन किया गया है। प्रदेश के अनेक जिलों में गौसेवा, पौधारोपण, जरूरतमंदों को खाद्य सामग्री वितरण, धार्मिक अनुष्ठान एवं भजन-कीर्तन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। संगठन के कार्यकर्ताओं ने इस दिन को सेवा, संस्कार और समर्पण के भाव के साथ मनाने का संकल्प लिया है। अखिल भारत हिंदू क्रांति सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंद सोनी ने अपने संदेश में कहा कि श्री भँवर सिंह पलाड़ा का व्यक्तित्व संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने सदैव राष्ट्रहित, समाजहित एवं सनातन संस्कृति के संरक्षण को प्राथमिकता दी है। उनके नेतृत्व, मार्गदर्शन एवं अनुभव से संगठन को निरंतर नई दिशा और ऊर्जा प्राप्त होती रही है। राष्ट्रीय महासचिव पवन माकन ने कहा कि श्री पलाड़ा ने अपने सार्वजनिक जीवन में समाज के प्रत्येक वर्ग के हितों की आवाज

उठाने का कार्य किया है। उनकी कार्यशैली, सरल स्वभाव एवं जनसेवा के प्रति समर्पण उन्हें समाज में एक विशिष्ट पहचान प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि संगठन का प्रत्येक कार्यकर्ता उनके आदर्शों पर चलकर समाज सेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष योगेश पालीवाल ने कहा कि श्री भँवर सिंह पलाड़ा का जीवन संघर्ष, सेवा और समर्पण की प्रेरक गाथा है। उन्होंने सदैव युवाओं को राष्ट्र निर्माण, सामाजिक जागरूकता और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के लिए प्रेरित किया है। उनके विचार और मार्गदर्शन संगठन के लिए अमूल्य धरोहर हैं।

प्रदेश प्रभारी मनीष पालीवाल ने बताया कि जन्मदिवस के अवसर पर प्रदेशभर में संगठन की विभिन्न इकाइयों द्वारा विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि श्री पलाड़ा के नेतृत्व में संगठन ने समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने तथा राष्ट्रवादी विचारधारा को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। प्रदेश प्रमुख कुलदीप बोहरा ने कहा कि श्री पलाड़ा सदैव कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हैं और संगठन को परिवार की तरह संचालित करने में विश्वास रखते हैं। वहीं प्रदेश अध्यक्ष सौरव सिंह शेखावत ने कहा कि उनका जन्मदिवस केवल एक उत्सव नहीं बल्कि संगठन के लिए प्रेरणा और संकल्प का अवसर है।

प्रदेश उपाध्यक्ष हेमंत जोशी, प्रदेश महासचिव राजेन्द्र सिंह चुरली सहित संगठन के अनेक राष्ट्रीय, प्रदेश, जिला एवं स्थानीय पदाधिकारियों ने भी श्री पलाड़ा को जन्मदिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ, सुखद एवं दीर्घ जीवन की कामना की।

संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि श्री भँवर सिंह पलाड़ा ने अपने जीवन में सदैव समाज, संस्कृति और राष्ट्र के प्रति समर्पित भाव से कार्य किया है। यही कारण है कि उनके जन्मदिवस पर बड़ी संख्या में समर्थक, शुभचिंतक एवं कार्यकर्ता उन्हें शुभकामनाएं देने पहुंच रहे हैं। कई स्थानों पर उनके दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना को लेकर विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान भी आयोजित किए गए हैं।

अखिल भारत हिंदू क्रांति सेना परिवार ने इस अवसर पर संकल्प व्यक्त किया कि श्री पलाड़ा के मार्गदर्शन में संगठन राष्ट्रहित, धर्मरक्षा, सामाजिक समरसता, गौसंवर्धन एवं जनसेवा के कार्यों को और अधिक मजबूती के साथ आगे बढ़ाएगा।

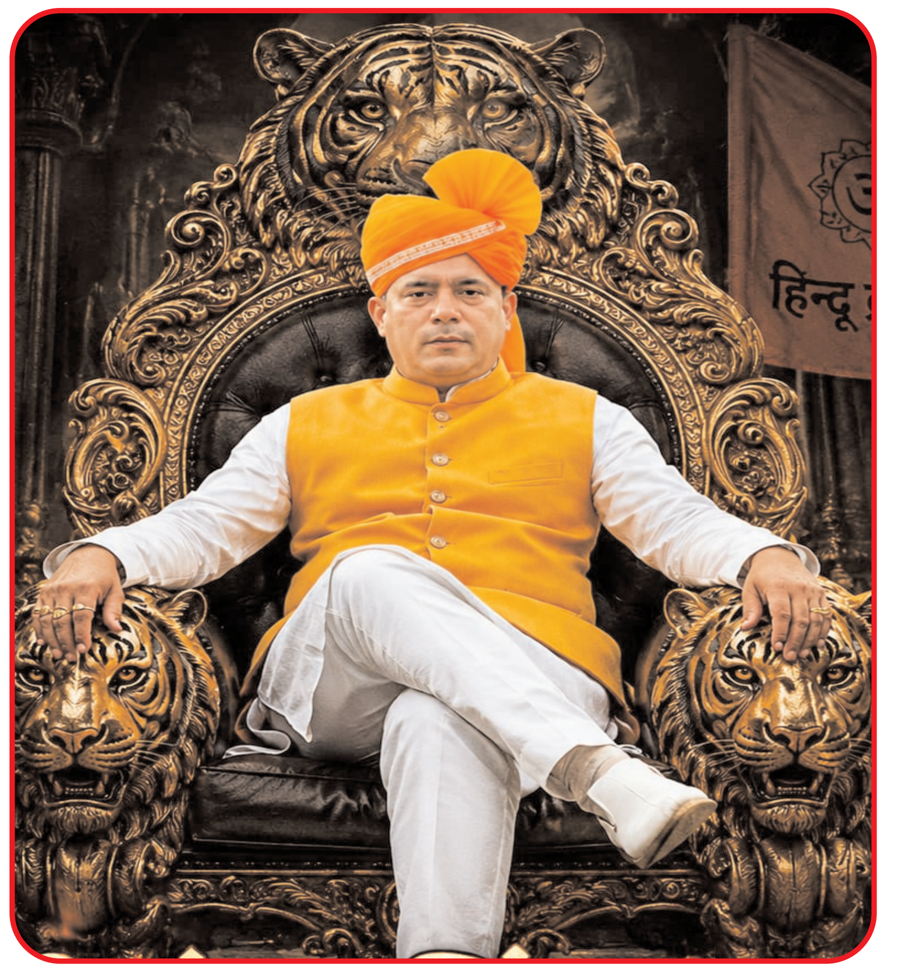

अडानी-अंबानी और पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन पर हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात में किसानों के अलग-अलग मुद्दों और विरोध को लेकर पॉलिटिक्स और सोशल मूवमेंट गरमा गए हैं। ऐसे में अब क्षत्रिय नेता पद्मिनीबा वाला किसानों के सपोर्ट में उतर आए हैं। किसानों के लिए इंसाफ की लड़ाई में आगे रहने वाली पद्मिनीबा वाला ने कॉर्पोरेट घरानों और पुलिस सिस्टम पर बहुत तीखे हमले किए हैं, जिससे पूरे राज्य में बहस छिड़ गई है। किसानों के आंदोलन और विरोध के बीच पद्मिनीबा वाला ने मीडिया से बातचीत में पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन के काम करने के तरीके पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कड़े शब्दों में आरोप लगाया कि जनता या किसानों की रक्षा करने के बजाय, पुलिस अब अडानी और अंबानी जैसे बड़े उद्योगपतियों की दलाल बन गई है। उन्होंने आगे कहा कि अपनी जमीन और हक के लिए लड़ रहे देश के बेटों की आवाज दबाने के लिए पुलिस सिस्टम का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसे किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। उद्योगपतियों के खिलाफ गुस्सा पद्मिनीबा ने अडानी और अंबानी ग्रुप पर जमकर निशाना साधा और कहा कि विकास के नाम पर किसानों का शोषण किया जा रहा है।

म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की तानाशाही के खिलाफ लोगों का गुस्सा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। राजकोट म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की तानाशाही और एडमिनिस्ट्रेशन की तानाशाही के खिलाफ आज लोकल पब्लिक का गुस्सा फूट पड़ा। जब रूह ने गरीब और मिडिल क्लास के लोगों के घर खाली कराने के लिए 'नल कनेक्शन काटने का हथियार' अपनाया, जो बहुत क्रूर माना जाता है, तो एडमिनिस्ट्रेशन के पाप के कारण पब्लिक सड़कों पर उतर आई। एडमिनिस्ट्रेशन के अन्याय के विरोध में एक बुजुर्ग को सोने के लिए मजबूर होना पड़ा! इन दिल दहला देने वाले और गुस्से वाले नज़ारों ने पूरे राजकोट में एक बड़ी बहस छेड़ दी है। राजकोट में 792 घर खाली कराने के लिए म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन पूरी कोशिश कर रहा है, जो लंबे समय से चर्चा का विषय बने हुए हैं। लेकिन स्थानीय लोग कोई दूसरा इंतज़ाम या सही इंसाफ़ न मिलने की वजह से अपने घर खाली करने को तैयार नहीं हैं। आखिर में, लोगों को मनाने और घर खाली कराने के लिए म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अधिकारी काफिले के साथ नल का कनेक्शन काटने पहुंचे। प्यासे लोगों को पीने का पानी काटकर निकालने की इस अमानवीय पॉलिसी से स्थानीय लोग गुस्से में थे। 'पानी काटना है तो पहले मेरी लाश के ऊपर से गुज़रो'जैसे ही म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की टीम ने नल का कनेक्शन काटने के लिए खुदाई शुरू की, एक स्थानीय बूढ़ा आदमी बहुत गुस्से और बेबसी के साथ सीधे खोदे गए में जाकर सो गया .

9 साल पुराने मर्डर की गुत्थी सुलझी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। उसने एक ऐसे मुश्किल केस को सुलझाया है जो सालों पुराना था और जिसकी फाइल बंद हो चुकी थी। आज से 9 साल पहले, साबरमती रिवरफ्रंट पर एक महिला की मौत का केस एक्सीडेंटल मौत के तौर पर दर्ज किया गया था, लेकिन क्राइम ब्रांच ने इस 'ठंडे केस' से रहस्य का पर्दा हटाकर साबित कर दिया है कि कानून के हाथ वाकई लंबे होते हैं। घटना की डिटेल्स यह है कि 9 साल पहले, साबरमती रिवरफ्रंट वेस्ट पुलिस स्टेशन की हद में एक महिला की संदिग्ध मौत हो गई थी। उस समय, पुलिस ने अनसुलझे एक्सीडेंटल मौत का केस दर्ज करके जांच पूरी कर ली थी। लेकिन हाल ही में, अहमदाबाद क्राइम ब्रांच को एक सटीक और गोपनीय टिप मिली कि महिला की मौत एक्सीडेंटल नहीं थी, बल्कि रहस्यमयी हालात में उसकी हत्या की गई थी। सीक्रेट टिप और टेक्निकल सर्विलांस से गुनाह का पता चला टिप मिलते ही क्राइम ब्रांच की टीम हरकत में आई और केस की फाइलें फिर से खोलीं। पुलिस ने बहुत ही सीक्रेट तरीके से मुखबिरों का एक नेटवर्क एक्टिवेट किया और मॉडर्न टेक्निकल सर्विलांस (मोबाइल लोकेशन और कॉल डिटेल्स वगैरह) के आधार पर संदिग्ध आरोपी पर नज़र रखी। जैसे ही पक्के सुराग मिले, पुलिस ने मुख्य संदिग्ध को हिरासत में ले लिया।

उत्साह, सम्मान और नई उम्मीदों के साथ मनाया गया शाला प्रवेशोत्सव, मेधावी विद्यार्थियों का हुआ भव्य सम्मान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम विद्यालय (सेजेस) साल्हेवारा में मंगलवार, 23 जून 2026 को शाला प्रवेशोत्सव हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। विद्यालय परिसर नवप्रवेशी विद्यार्थियों की मुस्कान, अभिभावकों के उत्साह और सम्मान समारोह की गरिमा से सराबोर रहा। कार्यक्रम के दौरान शैक्षणिक सत्र 2025-26 की वार्षिक परीक्षा में कक्षा पहली से बारहवीं तक उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को प्रशस्ति-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। अंग्रेजी माध्यम में कक्षा 1 से निकिता धारवे (91.44') प्रथम एवं सुमन नायक (87.61') द्वितीय, कक्षा 2 से थांसु यादव (93.63') प्रथम एवं मानवी मत्रे (91.05') द्वितीय, कक्षा 3 से केशिका यादव (95') प्रथम एवं मुक्ता मत्रे (91.14') द्वितीय, कक्षा 4 से कुमेश मुंडी (84.72') प्रथम एवं सूर्या धुरवे (84.71') द्वितीय, कक्षा 5 से मानसी भेंडिये (91.50') प्रथम एवं इशिता धारवे (91') द्वितीय, कक्षा 6 से लक्ष्य वर्मा (94.30') प्रथम एवं पूजा धुरवे (91.80') द्वितीय, कक्षा 7 से लक्ष्य साहू (95.83') प्रथम एवं वेदिका मराठा (94.33') द्वितीय, कक्षा 8 से सिद्धि शर्मा (94.67') प्रथम एवं शनि शुक्ला (91.33') द्वितीय, कक्षा 9 से पीयूष साहू (92 .33') प्रथम एवं तुषार कुमार (78') द्वितीय, कक्षा 10 से ध्रुव पाठक (82.30') प्रथम एवं नेहा साहू (74') द्वितीय तथा कक्षा 11 से दीक्षा वर्मा (85.40') प्रथम एवं हिमांशु शुक्ला (81.20') द्वितीय स्थान पर रहे। हिन्दी माध्यम में कक्षा 9 से वासनी नामदेव प्रथम एवं रितेश सोनवानी द्वितीय, कक्षा 11 से पल्लवी चक्रधारी तथा कक्षा 12 से संदीप ठाकरे ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया।

रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण के 43 प्रकरणों पर 14 लाख 35 हजार अर्थदण्ड राशि जमा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव. कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार खनिज अमला राजनांदगांव एवं टास्क फोर्स समिति द्वारा जिले में खनिज का अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। खनि अधिकारी ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में खनिज रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण के 43 प्रकरणों पर कार्रवाई की गई है और 14 लाख 35 हजार रूपए अर्थदण्ड राशि जमा करायी गई है। जिसमें अवैध उत्खनन के 8 प्रकरणों में 4 लाख 51 हजार 800 रूपए, अवैध परिवहन के 33 प्रकरणों में 8 लाख 41 हजार 400 रूपए एवं अवैध भण्डारण के 2 प्रकरणों में 1 लाख 41 हजार 800 रूपए अर्थदण्ड राशि जमा करायी गयी है। खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण के रोकथाम के लिए लगातार गस्त व निगरानी की जा रही है।

राम मंदिर दान विवाद: सलमान खुर्शीद ने सरकार से मांगी जवाबदेही

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित हेराफेरी को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने मामले में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर कहा कि यह आस्था और जनता के भरोसे से जुड़ा गंभीर मामला है, जिस पर केंद्र सरकार को जवाबदेह होना चाहिए।

कांग्रेस नेता खुर्शीद ने कहा कि उन्होंने राम जन्मभूमि मामले पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का समर्थन किया था। उन्होंने कहा, क्या इससे बड़ी कोई त्रासदी हो सकती है? खुर्शीद ने कहा कि यह दान भगवान राम की संपत्ति है और लाखों भक्तों के भरोसे को तोड़ने वालों को सज़ा देकर मंदिर की पवित्रता बनाए रखना चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार से सवाल किया कि अगर उन्हें भगवान राम में ज़रा भी आस्था है, तब वह सबसे पहले इसतरह के दोषियों पर कड़ी कार्रवाई क्यों नहीं करती।

इस विवाद की शुरुआत अयोध्या से पूर्व सपा विधायक पवन पांडे के आरोपों से हुई थी, जिन्होंने

दावा किया था कि राम मंदिर के दान से 7 से 7.5 करोड़ का गबन हुआ है। इन गंभीर आरोपों के बाद, श्री राम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट के अनुरोध पर, राज्य सरकार ने 14 जून को कथित घोटाले की जांच के लिए तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया।

इस बीच, कथित वित्तीय गड़बड़ियों की कोर्ट की निगरानी में जांच कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक नई याचिका दायर की गई है। इस याचिका में एक प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करने और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के तहत एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित करने की मांग की गई है। इसका उद्देश्य ट्रस्ट के कामकाज, वित्तीय कुप्रबंधन, गायब धनराशि और अन्य अनियमितताओं की गहन जांच करना है।

सुप्रीम कोर्ट से दखल की मांग कर याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया है कि संस्थागत ईमानदारी, कानून के शासन और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के प्रशासन में जनता के भरोसे को बनाए रखने के लिए अदालत का हस्तक्षेप आवश्यक है। याचिका में यह भी कहा गया है कि वर्तमान एसआईटी जांच का दायरा स्पष्ट नहीं है और जांच के शुरुआती चरण सबूतों को सुरक्षित रखने के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। इसमें चेतावनी दी गई है कि किसी भी देरी से अहम सबूतों से छेड़छाड़ हो सकती है और निष्पक्ष जांच में बाधा आ सकती है। अतः, सच्चाई का पता लगाने और जवाबदेही तय करने के लिए एक स्वतंत्र व निष्पक्ष जांच अनिवार्य है।

भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में पुलिस अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज

–एसडीपीओ और थानाध्यक्ष समेत कई पुलिसकर्मियों पर केस

–परिजनों ने न्याय नहीं मिलने पर आत्मदाह की चेतावनी दी

पटना (एजेंसी)। भोजपुर जिले के चर्चित भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। मामले में जगदीशपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ), शाहपुर थानाध्यक्ष समेत मुठभेड़ में शामिल अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ शाहपुर थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। इस कार्रवाई के बाद मामले की जांच को नया मोड़ मिल गया है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, एनकाउंटर को लेकर उठे सवालों और मृतक के परिजनों की शिकायत के आधार पर पुलिस अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इससे पहले भी इस मामले की विभिन्न स्तरों पर जांच चल रही थी और राज्य सरकार न्यायिक जांच के आदेश दे चुकी है। गौरतलब है कि भरत तिवारी की पुलिस मुठभेड़ में मौत के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने इसे फर्जी एनकाउंटर बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की थी। इस घटना को लेकर राज्य की राजनीति भी गर्मा गई और विभिन्न राजनीतिक दलों ने मामले की स्वतंत्र जांच की मांग उठाई।

मृतक के भाई चंदन तिवारी ने सरकार की ओर से घोषित न्यायिक जांच पर अविश्वास जताते हुए मीडिया के समक्ष कहा, परिवार को केवल जांच नहीं, बल्कि दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि न्याय नहीं मिला तो पूरा परिवार आत्मदाह करने को मजबूर होगा। वहीं, भरत तिवारी के पिता काशीनाथ तिवारी ने आरोप लगाया कि घटना के समय उनके पुत्र के पास दो मोबाइल फोन थे। पुलिस ने एक मोबाइल फोन और मोटरसाइकिल वापस कर दी है, लेकिन दूसरा निजी मोबाइल अब भी पुलिस के कब्जे में है। परिवार का कहना है कि यह मोबाइल मामले की जांच में महत्वपूर्ण साक्ष्य साबित हो सकता है।

पाकिस्तान के दावों की पोल खुली: सभी 36 राफेल लड़ाकू विमान सुरक्षित और ऑपरेशनल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नभारतीय वायुसेना (आईएएफ) ने आधिकारिक दस्तावेज जारी कर पाकिस्तान के उन मनगढ़ंत दावों को ध्वस्त किया है, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय राफेल लड़ाकू विमानों को मार गिराने की बात कही जा रही थी। इस दस्तावेज़ से पुष्टि होती है कि भारत के पास फ्रांस से खरीदे गए सभी 36 राफेल विमान पूरी तरह से सुरक्षित और ऑपरेशनल हैं। इस तरह भारत के राफेल पर गलतबयानी करने वाले पाकिस्तान को फिर करारा तमाचा लगा है।

एयर मुख्यालय के डायरेक्टरेट ऑफ इंजीनियरिंग (राफेल) द्वारा 15 जून, 2026 को फ्रांस की सैफ्रान एयरक्राफ्ट इंजिन्स को भेज एक ब्रिज सपोर्ट प्रस्ताव (आरएफपी) में बताया गया हैं कि भारतीय वायुसेना 2016 के भारत-फ्रांस सरकारी समझौते के तहत प्राप्त सभी 36 राफेल विमानों का संचालन कर रही है। यह टेंडर सितंबर 2026 के बाद भी इन विमानों के निर्बाध रखरखाव और तकनीकी सहायता की आवश्यकता पर केंद्रित है, विशेषकर अगले पाँच महीनों की अंतरिम अवधि के लिए।

36 राफेल विमानों के पूरे बेड़े के लिए समर्थन पैकेज का यह प्रस्ताव पाकिस्तान के उन झूठे प्रचार को सिरे से खारिज करता है, जिसमें दावा किया रहा था कि भारत के कई राफेल विमानों को मार गिराया गया है। पाकिस्तान सेना और उसके समर्थक ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तीन राफेल विमानों के नष्ट होने और यहां तक कि भारतीय महिला पायलट को पकड़ने जैसे बेबुनियाद आरोप लगाए थे। हालांकि, आईएएफ के हालिया दस्तावेज में बेड़े की संख्या में किसी भी कमी का कोई जिक्र नहीं है, बल्कि यह सभी 36 विमानों की निरंतर परिचालन आवश्यकताओं का हिसाब देता है।

दस्तावेजों के अनुसार, सपोर्ट पैकेज का उद्देश्य सभी 36 राफेल विमानों को चालू हालत में बनाए रखना है। इसके तहत प्रत्येक विमान के लिए औसतन सालाना 150 घंटे की उड़ान तय की गई है, जिससे पांच महीने की ब्रिज पीरियड के दौरान कुल 2,250 घंटे की उड़ान का अनुमान है। यह ब्रिज सपोर्ट 18 सितंबर, 2026 के बाद विमानों के संचालन को बिना किसी रुकावट के जारी रखने के लिए महत्वपूर्ण है।

रक्षा सूत्रों का कहना है कि रखरखाव और समर्थन अनुबंध आम तौर पर ऑपरेटर के पास मौजूद वास्तविक इन्वेंट्री पर आधारित होते हैं, और 36 विमानों के पूरे बेड़े का बार-बार उल्लेख पाकिस्तान के राफेल नुकसान के दावों पर और प्रश्नचिह्न लगाता है। आईएएफ चीफ एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने पहले ही पाकिस्तान के इन दावों को मनोहर कहानियां करार दिया था। वायुसेना के राफेल बेड़े के लिए ये सपोर्ट टेंडर सैफ्रन एयरक्राफ्ट इंजन को भेजा गया है, जो राफेल के एम88 इंजन बनाने वाली मूल कंपनी है। ये 36 राफेल विमान आईएएफ के नंबर 17 स्क्वाड्रन गोल्डन एरोज़ और नंबर 101 स्क्वाड्रन में तैनात हैं।

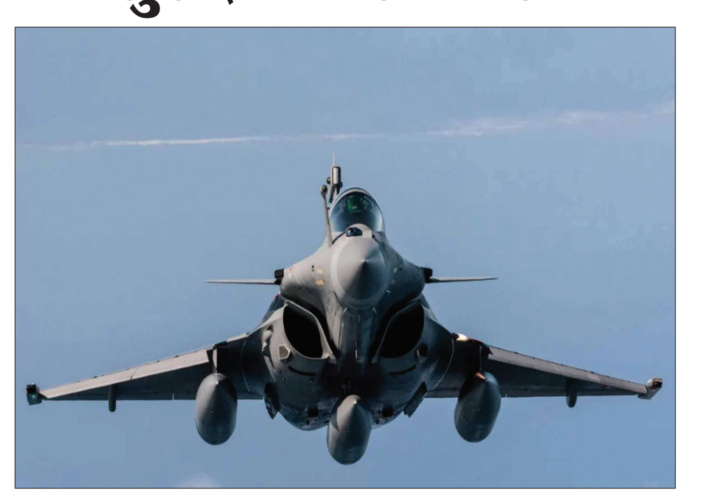

नीट प्रतिबंध समाप्त, गूगल प्ले स्टोर पर टेलीग्राम बहाल

नई दिल्ली ।

बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल ने मंगलवार सुबह अपने प्ले स्टोर पर मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम को बहाल कर दिया। यह कदम सरकार द्वारा राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) की पुनर्परीक्षा के दौरान प्रश्न पत्र लीक रोकने के उद्देश्य से लगाए गए अस्थाई प्रतिबंध की अवधि 22 जून की मध्यरात्रि को समाप्त होने के बाद उठाया गया है। गूगल द्वारा बहाली से पहले ही यह प्लेटफॉर्म कुछ मौजूदा उपयोगकर्ताओं के लिए चालू हो गया था। हालांकि, एप्पल के ऐप स्टोर पर मंगलवार सुबह करीब 10 बजे तक टेलीग्राम उपलब्ध नहीं था, और कंपनी को भेजे गए ईमेल का तत्काल कोई जवाब नहीं मिला। सरकार ने 22 जून तक टेलीग्राम को ऐप स्टोर से हटाने का निर्देश दिया था, जिसका उद्देश्य 21 जून को आयोजित नीट-यूजी पुनर्परीक्षा के दौरान प्रश्न पत्र लीक को रोकना था। पिछली परीक्षा 3 मई को प्रश्न पत्र लीक के आरोपों के बाद रद्द कर दी गई थी। पुनर्परीक्षा में अब तक किसी धोखाधड़ी की खबर नहीं है। टेलीग्राम को 30 जून तक पहले से भेजे गए संदेशों के संपादन की सुविधा बंद करने को भी कहा गया है ताकि प्रश्न पत्र लीक मामलों में साक्ष्यों के दुरुपयोग को रोका जा सके। टेलीग्राम के सीईओ पावेल ड्यूरोव ने इस प्रतिबंध की आलोचना की थी और आरोप लगाया था कि यह लीक नहीं रोकेगा। उन्होंने रिलायंस समूह पर व्हाट्सऐप के साथ मिलकर भारत में ऐप प्रतिबंध के लिए पैरवी करने का भी आरोप लगाया था।

एनएसई इमर्ज का मार्केट कैप 2.3 लाख करोड़ के पार

731 कंपनियां सूचीबद्ध, 160 मुख्य बोर्ड में पहुंचीं; महाराष्ट्र, गुजरात और दिल्ली का दबदबा

मुंबई ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के इमर्ज प्लेटफॉर्म ने अपने मार्केट कैपिटलाइजेशन में 2.3 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया है। यह उपलब्धि भारत के छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है और इस प्लेटफॉर्म को व्यवसायों के लिए एक प्रमुख लॉन्चपैड के रूप में स्थापित करती है। मई 2026 तक, इस प्लेटफॉर्म पर 731 कंपनियां सूचीबद्ध थीं, जिन्होंने आईपीओ के माध्यम से करीब 23,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इन कंपनियों का कुल बाजार मूल्यांकन लगभग 2.3 लाख करोड़ रुपये है। एनएसई ने पुष्टि की है कि इमर्ज प्लेटफॉर्म व्यवसायों के लिए एक प्रभावी लॉन्चपैड साबित हुआ है, जिसके तहत 160 कंपनियां सफलतापूर्वक मुख्य बोर्ड (मेनबोर्ड) में स्थानांतरित हो चुकी हैं। इस प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होने वाली कंपनियों में महाराष्ट्र, गुजरात और दिल्ली का वर्चस्व रहा है। इन तीनों राज्यों की कंपनियों ने मिलकर कुल जुटाई गई धनराशि का लगभग दो-तिहाई हिस्सा जुटाया है। महाराष्ट्र 204 लिस्टेड कंपनियों के साथ अग्रणी है, जिन्होंने 6,256 करोड़ रुपये जुटाए हैं। गुजरात 182 कंपनियों और 4,846 करोड़ रुपये के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि दिल्ली की 102 एसएमई ने 3,745 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इन तीन राज्यों की कुल 488 कंपनियां इमर्ज प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध हैं।

सोना 1,161 रुपए और चांदी 6,469 रुपए तक लुढ़की

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी के वायदा भाव में मंगलवार को उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। घरेलू मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) और अंतर्राष्ट्रीय कॉमैक्स (कॉमेक्स) दोनों पर कीमती धातुओं के दाम गिरावट के साथ खुले, और खबर लिखे जाने तक नरमी बरकरार रही, जिससे निवेशकों में चिंता देखी गई। घरेलू बाजार में एमसीएक्स पर सोने का अगस्त बेंचमार्क कॉन्ट्रैक्ट 2,093 रुपए की गिरावट के साथ 1,46,776 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। यह कॉन्ट्रैक्ट खबर लिखे जाने तक 1,161 रुपए की गिरावट के साथ 1,46,957 रुपए पर कारोबार कर रहा था, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,48,118 रुपए था। इस साल सोना 1,80,779 रुपए के सर्वोच्च स्तर को छू चुका है। इसी तरह चांदी का जुलाई बेंचमार्क कॉन्ट्रैक्ट भी 3,903 रुपए की गिरावट के साथ 2,27,676 रुपए प्रति किलोग्राम पर खुला। खबर लिखे जाने तक यह कॉन्ट्रैक्ट 6,469 रुपए की भारी गिरावट के साथ 2,27,841 रुपए पर कारोबार कर रहा था। इसका पिछला बंद भाव 2,34,310 रुपए था।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 893 निफ्टी 278 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान आईटी , मेटल और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शेयरों में भारी बिकवाली रही। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली से भी बाजार टूटा। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 893.39 अंक करीब नीचे आकर 76,200.68 पर बंद हुआ जबकि एनएससई निफ्टी 278.80 अंक की गिरावट के साथ ही 23,824.10 पर पहुंच गया।वहीं व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 1.05 गिरावट दर्ज की गयी है। सेक्टरवार देखें, तो निफ्टी मेटल 3 फीसदी से ज्यादा नीचे आया। इसके अलावा निफ्टी आईटी और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का

प्रदर्शन भी कमजोर रहा, वहीं निफ्टी फार्मा और निफ्टी हेल्थकेयर के शेयर लाभ में रहे। निफ्टी50 इंडेक्स में इंफोसिस, विप्रो, टीसीएस और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर सबसे अधिक गिरे जबकि टाटा स्टील, हिंडाल्को, बीईएल और जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयरों में 2 फीसदी से ज्यादा की गिरावट रही।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

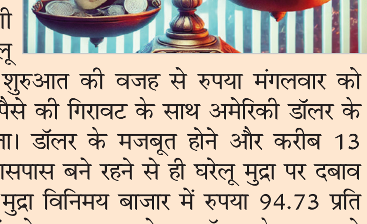

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 11 पैसे की गिरावट के साथ ही 94.74 पर बंद हुआ। वहीं इससे पहले आज सुबह विदेशी पूंजी की निकासी और घरेलू शेयर बाजारों में कमजोर शुरुआत की वजह से रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में छह पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.69 पर खुला। डॉलर के मजबूत होने और करीब 13 महीने के उच्च स्तर के आसपास बने रहने से ही घरेलू मुद्रा पर दबाव है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.73 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में थोड़ा मजबूत होकर डॉलर के मुकाबले 94.69 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को 30 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.63 पर बंद हुआ था।

आरेकल ने 21,000 नौकरियां घटाई, एआई को बताया मुख्य कारण

एक साल में कार्यबल 1.62 लाख से घटकर 1.41 लाख हुआ

नई दिल्ली।

दिग्गज टेक कंपनी आरेकल कार्प ने पिछले एक साल में अपने वैश्विक कार्यबल में लगभग 21,000 कर्मचारियों की भारी कटौती की है। कंपनी ने अपनी वार्षिक नियामक फाइलिंग में इस छंटनी का मुख्य कारण आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीकों को अपनाना और उनके व्यापक उपयोग को बताया है। सोमवार को जारी फाइलिंग में आरेकल ने स्वीकार किया कि उसके परिचालन में एआई तकनीकों के बढ़ते एकीकरण ने कुछ पदों की आवश्यकता कम कर दी है, जिसका असर कर्मचारियों की संख्या पर पड़ा। 31 मई को समाप्त हुए वित्त वर्ष के अंत तक कंपनी के वैश्विक पूर्णकालिक कर्मचारियों की संख्या घटकर 1.41 लाख रह गई, जो एक वर्ष पहले 1.62 लाख थी। इस बड़ी कटौती के चलते कंपनी को पुनर्गठन पर लगभग 1.8 अरब डॉलर (करीब 15,000 करोड़ रुपए) का महत्वपूर्ण खर्च उठाना पड़ा।

ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, ओपनएआई जैसे ग्राहकों के लिए महंगे एआई डेटा सेंटर विकसित करने से आरेकल पर वित्तीय दबाव बढ़ा है।

रेड टेप को कैरी बैग चार्ज पड़ा भारी, उपभोक्ता आयोग ने ठोका 8,000 का जुर्माना

50,000 का मुआवजा और 22,000 रुपए मुकदमेबाजी खर्च की मांग भी की गई

रोहतक ।

हरियाणा के रोहतक स्थित उपभोक्ता आयोग ने जूते के प्रसिद्ध ब्रांड रेड टेप को एक कैरी बैग के लिए 10 रुपए वसूलने पर बड़ा झटका दिया है। आयोग ने इसे अनुचित व्यापार प्रथा मानते हुए कंपनी को ग्राहक से ली गई राशि वापस करने के साथ-साथ 8,000 रुपए का मुआवजा और मुकदमेबाजी लागत चुकाने का निर्देश दिया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब कई कंपनियां मनमाने ढंग से अतिरिक्त शुल्क वसूलती हैं, और यह ग्राहकों के लिए एक महत्वपूर्ण जीत है। मामला 1 अप्रैल, 2023 का है, जब एक ग्राहक ने रेड टेप के रोहतक आउटलेट से 2,069.70 रुपए में जूते खरीदे थे। बिल के साथ स्टोर ने कैरी बैग के लिए 10 रुपए अतिरिक्त वसूले। ग्राहक ने इस शुल्क का विरोध करते हुए बिना शुल्क के बैग उपलब्ध कराने का अनुरोध किया, लेकिन कर्मचारियों ने कंपनी की नीति का हवाला देते हुए इनकार कर दिया। इसके बाद ग्राहक ने इसे कानूनी रूप से गलत मानते हुए उपभोक्ता आयोग का दरवाजा खटखटाया, जिसमें 10 रुपए की वापसी के साथ-साथ 50,000 का मुआवजा और 22,000 रुपए मुकदमेबाजी खर्च की मांग की गई। रेड टेप ने अपने बचाव में तर्क दिया कि यह शुल्क पर्यावरण को बढ़ावा देने और मुफ्त बैग के दुरुपयोग को कम करने के लिए लिया गया था। कंपनी ने यह भी कहा कि स्टोर के प्रवेश द्वार पर ग्राहकों को अपने बैग लाने के लिए सूचित करने वाले साइनबोर्ड लगे थे, कैरी बैग खरीदना वैकल्पिक था और उस पर कोई ब्रांड लोगो नहीं था। हालांकि, उपभोक्ता आयोग की पीठ, जिसमें अध्यक्ष नागेंद्र सिंह कादियन और सदस्य तृप्ति पन्नू व विजेंद्र सिंह शामिल थे, ने कंपनी के बचाव को पूरी तरह से खारिज कर दिया। आयोग ने बिल और कैरी बैग की जांच की, जिसमें 10 रुपए का शुल्क अलग से दिखाया गया था। सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि कंपनी के अपने हलफनामे में स्वीकार किया गया था कि उसने अनावश्यक रूप से एक कैरी बैग के लिए 10 रुपये वसूले हैं। आयोग ने इस बयान को ही कंपनी के बचाव को कमजोर करने वाला पाया और इसे सेवा में कमी तथा अनुचित व्यापार प्रथा करार दिया। आयोग ने रेड टेप को ग्राहक से लिए गए 10 रुपए वापस करने, मुआवजे के तौर पर 4,000 रुपए और मुकदमेबाजी

खर्चों के लिए 4,000 रुपए का भुगतान करने का निर्देश दिया। कुल मिलाकर, कंपनी को 8,010 रुपए का भुगतान करना होगा। आदेश का पालन करने के लिए 30 दिन का समय दिया गया है, अन्यथा कंपनी को हर सप्ताह 50 रुपए का अतिरिक्त जुर्माना देना होगा जब तक कि पूरी राशि का भुगतान नहीं हो जाता। यह निर्णय उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक होने और मनमानी वसूली के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

एयर इंडिया में प्रदीप सिंह खरोला की वापसी

पूर्व सीएमडी को चेयरमैन का एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर नियुक्त किया गया

नई दिल्ली।

एयर इंडिया के पूर्व चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर (सीएमडी) प्रदीप सिंह खरोला की एक बार फिर एयरलाइन में वापसी हुई है। एयरलाइन सूत्रों के अनुसार, उन्हें चेयरमैन का एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर नियुक्त किया गया है। कंपनी के शीर्ष प्रबंधन में संभावित बदलावों के बीच इस नियुक्ति को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।प्रदीप सिंह खरोला वर्ष 2017 से 2019 तक एयर इंडिया के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर के पद पर रहे थे। उनके कार्यकाल के दौरान एयरलाइन कई परिचालन और वित्तीय चुनौतियों से गुजर रही थी। बाद में उन्हें नागरिक उड्डयन सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई, जहां उन्होंने विमानन क्षेत्र से जुड़े कई महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों में भूमिका निभाई। एयर इंडिया के निजीकरण की प्रक्रिया में भी खरोला की अहम भूमिका रही थी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय में रहते हुए उन्होंने एयरलाइन के विनिवेश और पुनर्गठन से जुड़े कई प्रशासनिक एवं नीतिगत कार्यों का नेतृत्व किया था। कंपनी में उनकी वापसी ऐसे समय हुई है, जब एयर इंडिया के शीर्ष प्रबंधन में बदलाव की चर्चा तेज है। एयर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कैंपबेल विल्सन ने पहले ही आने वाले महीनों में पद छोड़ने की घोषणा कर दी है। ऐसे में खरोला

की नियुक्ति को संगठनात्मक स्थिरता और प्रबंधन के अनुभव को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सरकारी तेल कंपनियों के मुनाफे में सुधार की उम्मीद

कच्चे तेल की घटती कीमतों से ईंधन विपणन मार्जिन बेहतर होने का अनुमान

नई दिल्ली ।

सरकारी पेट्रोलियम विपणन कंपनियों (ओएमसी) के लिए मुनाफे में सुधार की उम्मीद जगी है। जेपी मॉर्गन की एक रिपोर्ट के अनुसार, कच्चे तेल की घटती कीमतों से ईंधन विपणन मार्जिन में सुधार इसका मुख्य कारण है। हालांकि, बढ़ते कर्ज और ईंधन कर को लेकर अनिश्चितता इस क्षेत्र की लंबी अवधि की कमाई की संभावनाओं को सीमित कर सकती है। जेपी मॉर्गन की रिपोर्ट बताती है कि सरकारी रिफाइनरियों और खुदरा ईंधन विक्रेताओं के पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर संयुक्त मार्जिन अब पश्चिम एशिया संघर्ष से पहले के स्तर से ऊपर है। यह कच्चे तेल की कम कीमतों और केंद्रीय उत्पाद शुल्क में कटौती का परिणाम है। संघर्ष के दौरान वैश्विक कीमतों में उछाल के बावजूद घरेलू कीमतें स्थिर रहने से कंपनियों को घाटा हुआ था, लेकिन अब स्थिति सुधर रही है। एलपीजी पर अभी भी नुकसान अधिक है, लेकिन तेल कीमतों के साथ इसमें भी कमी आने की संभावना है। रिपोर्ट के अनुसार चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में माल भंडार के नुकसान का असर दिखेगा, लेकिन दूसरी तिमाही में लाभ बेहतर होने की उम्मीद है।

ईंधन खुदरा विक्रेताओं को मार्जिन में राहत पर कर अनिश्चितता बनी चुनौती

मुंबई ।

एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय ईंधन विपणन कंपनियों (ओएमसी) के मार्जिन में सुधार हुआ है, जिससे उन्हें कुछ राहत मिली है। हालांकि, रिपोर्ट ने बढ़ते कर्ज के बोझ और ईंधन पर कर नीति को लेकर अनिश्चितता के कारण इस क्षेत्र की दीर्घकालिक कमाई की संभावनाओं को सीमित बताया है। रिपोर्ट बताती है कि कच्चे तेल की कीमतों में कमी और केंद्र सरकार द्वारा उत्पाद शुल्क में कटौती के चलते सरकारी तेल विपणन कंपनियों के पेट्रोल और डीजल बिक्री पर संयुक्त मार्जिन अब पश्चिम एशिया संघर्ष-पूर्व स्तर से ऊपर पहुँच गया है।

संघर्ष के दौरान वैश्विक तेल कीमतों में उछाल के बावजूद देश में खुदरा कीमतें काफी हद तक स्थिर रहीं।

एलपीजी पर होने वाला नुकसान भी तेल कीमतों में गिरावट के साथ जल्द ही कम होने की उम्मीद है।

जिससे कंपनियों की वित्तीय स्थिति में और सुधार होगा। हालांकि, रिपोर्ट ने मार्जिन में इस सुधार को लेकर सतर्कता बरती है। पिछले कुछ महीनों में ओएमसी पर काफी कर्ज चढ़ा है।

जिससे उनके मूल्यांकन पर असर पड़ा है। इसके अतिरिक्त, लाभ का एक बड़ा हिस्सा सरकार द्वारा मार्च में की गई 10 रुपये प्रति लीटर की उत्पाद शुल्क कटौती के कारण है।

जो वैश्विक तेल कीमतें स्थिर होने पर भविष्य में फिर से लगाया जा सकता है।

सरकार ने खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी को रोकने के लिए यह कटौती की थी।

यदि कच्चे तेल की कीमतें कम रहती हैं, तो भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन को निकट भविष्य में सबसे अधिक लाभ होने की उम्मीद है।

जरुरत पड़ने पर ऐसे बढ़ाएं पर्सनल लोन की लिमिट, टॉप-अप विकल्प हो सकता है मददगार

मौजूदा पर्सनल लोन पर बिना नई अर्जी के पाएं अतिरिक्त फंड्स

मुंबई।

पर्सनल लोन वित्तीय जरूरतों को पूरा करने का एक लोकप्रिय साधन है। कई बार बड़े खर्चों या आपातकालीन स्थितियों के लिए ली गई शुरुआती लोन राशि कम पड़ जाती है। ऐसे में, यदि आपको और पैसों की जरूरत पड़ती है, तो पर्सनल लोन टॉप-अप सुविधा आपके लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकती है। यह आपको बिना नया लोन आवेदन किए, अपने मौजूदा लोन पर अतिरिक्त फंड्स प्राप्त करने का अवसर देती है। पर्सनल लोन टॉप-अप सुविधा उन लोगों के लिए एक सुविधाजनक समाधान है, जिन्हें अपने मौजूदा पर्सनल लोन के ऊपर अतिरिक्त पैसों की आवश्यकता होती है। यह आपको ओरिजिनल लोन से ज्यादा फंड्स देती है और इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसके लिए किसी नई एप्लिकेशन की जरूरत नहीं होती। टॉप-अप लोन भी स्टैंडर्ड पर्सनल लोन की तरह ही काम करता है, जहां बॉरोअर पैसे को किसी भी काम के लिए इस्तेमाल कर सकता है और इसके लिए कोई कोलेटरल (गिरवी) देने या खर्च पर कोई लिमिट तय करने की जरूरत नहीं होती। जब आप टॉप-अप लेते हैं, तो मौजूदा और टॉप-अप लोन अमाउंट को मिलाकर आपकी ईएमआई को रिवाइज्ड लोन अमाउंट और टर्म के हिसाब से दोबारा कैलकुलेट किया जाता है। हालांकि, इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए कुछ शर्तों का पालन करना पड़ता है। बैंक या वित्तीय संस्थान टॉप-अप राशि स्वीकृत करने से पहले आपकी पात्रता (इनकम, मौजूदा डेट्स, क्रेडिट स्कोर और लोन रीपेमेंट हिस्ट्री) की दोबारा जांच करेंगे। इसके लिए आपको अपने वित्तीय संस्थान से संपर्क करना होगा और लोन अमाउंट बढ़ाने के लिए एक रिक्वेस्ट लेटर जमा करना होगा। इसके साथ आवश्यक दस्तावेज और प्रोसेसिंग फीस भी देनी पड़ सकती है। अप्रूवल के बाद, कुछ मामलों में आपको मौजूदा लोन को बंद करके एक नया एग्रीमेंट साइन करना पड़ सकता है, जिसमें बदली हुई राशि, ईएमआई और ब्याज दर का उल्लेख होगा। टॉप-अप लोन की कोई तय सीमा नहीं होती; यह बॉरोअर के रीपेमेंट हिस्ट्री और प्रोफाइल पर निर्भर करता है। यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि टॉप-अप पर्सनल लोन का टेन्योर ओरिजिनल लोन के बचे हुए टेन्योर से ज्यादा नहीं हो सकता। यदि आप लंबा लोन टेन्योर चाहते है।

स्पेसएक्स शेयर रिकॉर्ड निचले स्तर पर

कंपनी 20 अरब डॉलर के बॉन्ड जारी कर एआई का करेगी विस्तार

नई दिल्ली ।

एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के शेयरों में लगातार तीसरे कारोबारी दिन भारी गिरावट दर्ज की गई। सोमवार को शेयर 16 फीसदी टूटकर .154.60 पर बंद हुए, जो लिस्टिंग के बाद का सबसे निचला स्तर है। इस गिरावट के साथ, कंपनी का बाजार मूल्य तीन दिनों में 600 अरब डॉलर से अधिक घट गया है। यह गिरावट मुख्य रूप से कंपनी की एक नई फंडिंग योजना के कारण मानी जा रही है, जिसके तहत स्पेसएक्स अपनी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जुड़ी महत्वाकांक्षी योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए 20 अरब डॉलर तक के निवेश-योग्य बॉन्ड जारी करने की तैयारी में है। स्पेसएक्स ने हाल के महीनों में एआई कारोबार पर तेजी से ध्यान केंद्रित किया है, जिसमें फरवरी में एलन मस्क की एक्सएआई का अधिग्रहण और सोमवार को एआई स्टार्टअप रिफ्लेक्शन एआई के साथ कंप्यूटिंग संसाधन समझौते की घोषणा शामिल है। हालांकि, अपने 135 रुपए के आईपीओ मूल्य से शेयर अभी भी लगभग 15 फीसदी ऊपर है। शुरुआती लिस्टिंग में खुदरा निवेशकों की भारी दिलचस्पी दिखी थी। कीबैंक कैपिटल मार्केट्स ने होल्ड के समान रेटिंग दी है, मानते हुए कि कंपनी अंतरिक्ष में अग्रणी है, पर लंबी अवधि की संभावनाएँ पहले से मूल्य में शामिल हैं। हालांकि, इसका बाजार पूंजीकरण अभी भी 2 ट्रिलियन डॉलर से अधिक है, जो इसे शीर्ष छह सबसे मूल्यवान कंपनियों में रखता है। निवेशकों की निगाहें अब कंपनी के एआई निवेश से मिलने वाले रिटर्न पर टिकी हैं।

तरलता संकट से जूझते बैंकों को आरबीआई का सहारा

जीएसटी और अग्रिम कर भुगतान से गहराया नकदी दबाव, केंद्रीय बैंक ने डाले 1.41 लाख करोड़

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकिंग प्रणाली में नकदी की कमी से निपटने के लिए मंगलवार को सात-दिवसीय परिवर्तनीय दर रेपो (वीआरआर) नीलामी के जरिए 1,41,171 करोड़ रुपए का निवेश किया। यह हस्तक्षेप ऐसे समय हुआ है जब प्रणाली में नकदी अधिशेष से घटकर घाटे में चली गई। आरबीआई की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह धनराशि 5.26 प्रतिशत की कट-ऑफ और भारित औसत पर डाली गई। विशेषज्ञों के मुताबिक, माल एवं सेवा कर (जीएसटी) और अग्रिम कर भुगतान के कारण धन की निकासी से बैंकिंग प्रणाली 21 जून को 30,685.11 करोड़ रुपए के अधिशेष से 22 जून को 19,971.89 करोड़ रुपए के घाटे में आ गई। इस नकदी संकट ने ओवरनाइट मनी मार्केट दरों पर दबाव बढ़ा दिया है, जहां भारित औसत कॉल मनी दर 5.43 प्रतिशत पर रही, जो आरबीआई की रेपो दर से 0.18 प्रतिशत अधिक है। इसी तरह, ट्राइ-पार्टी रेपो (टीआरईपीएस) दरें भी नीतिगत ब्याज दर से अधिक पर

कारोबार कर रही थीं। नकदी दबाव को कम करने और ओवरनाइट मनी मार्केट दरों को नियंत्रित रखने के लिए, केंद्रीय बैंक पिछले कुछ दिनों से सक्रिय है। आरबीआई ने विभिन्न अवधियों की वीआरआर नीलामियों के माध्यम से कुल लगभग 2.43 लाख करोड़ रुपए की अस्थायी नकदी बैंकिंग प्रणाली में डाली है। यह आरबीआई का एक माध्यम है जिसके जरिये वह बैंकिंग प्रणाली में नकदी की अस्थायी कमी या अधिकता को संतुलित करता है।

मनोविज्ञान की फील्ड में बना सकते हैं करियर

मनोविज्ञान का क्षेत्र है, जिसमें प्रत्येक आयुवर्ग के लोग विशेषज्ञता हासिल कर अपना करियर बना सकते हैं। इसमें मानव मन और व्यवहार का अध्ययन किया जाता है। मसलन, मस्तिष्क तनाव में कैसे काम करता है, यह कैसे भाषा सीखता है, तथ्यों को कैसे याद रखता है या किसी भी तरह की मानसिक बीमारी इसके काम करने के तरीके को कैसे प्रभावित कर सकती है। इस सेक्टर में विशेषज्ञता और रुचियों के आधार पर मनोविज्ञान डिग्री धारकों के लिए कई अलग-अलग विकल्प उपलब्ध हैं, जो कि इस प्रकार हैं-

- मनोविज्ञानी
- मनोचिकित्सक
- समाज सेवक
- काउंसलर
- शैक्षिक मनोवैज्ञानिक
- मानव संसाधन प्रबंधक
- अध्यापक
- अनुसंधान भूमिकाएं
- मीडिया भूमिकाएं
- मनोविज्ञान में करियर

मनोविज्ञान का कोर्स करने के बाद छात्र पब्लिक और प्राइवेट हेल्थ केयर, एजुकेशन, मेंटल हेल्थ स्पोर्ट्स, सोशल वर्क, थेरेपी एंड काउंसलिंग जैसे कई सेक्टर में करियर बना सकते हैं। यहां पर वे सलाहकार, अनुसंधान-आधारित, उपचार-आधारित या चिकित्सीय की भूमिका निभा सकते हैं। इसके अलावा मीडिया और अन्य रचनात्मक फील्ड में नौकरियों सहित मनोविज्ञान स्नातकों के लिए कई ऑप्शन भी हैं।

चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक

एक चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक के तौर पर आप व्यावसायिक मनोविज्ञान, शैक्षिक मनोविज्ञान, खेल और मानसिक स्वास्थ्य जैसे कई क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं। यहां आप सभी पृष्ठभूमि के लोगों, रोगियों और क्लाइंट के साथ काम कर सकते हैं। इसके अंतर्गत आप कुछ मनोवैज्ञानिक मुद्दों पर बेहतर ढंग से समझने और सलाह देने के लिए आप व्यवहार, विचारों और भावनाओं का विश्लेषण कर सकते हैं। हालांकि यदि आप मनोचिकित्सक बनना चाहते हैं तो इसके लिए आपको मेडिकल डिग्री हासिल करने की आवश्यकता होगी।

मनोचिकित्सक

एक मनोचिकित्सक के तौर आपको व्यक्तियों, जोड़ों, समूहों या परिवारों के साथ काम करता होगा। जिससे आप अपने क्लाइंट्स को भावनात्मक और रिश्ते से संबंधित मुद्दों, तनाव और यहां तक कि व्यसन सहित मनोवैज्ञानिक परेशानियों को दूर करने में मदद कर सके। इनमें संज्ञानात्मक व्यवहार विधियां, मनोविश्लेषणात्मक और मनोगतिक चिकित्सा, साथ ही कला चिकित्सा, नाटक चिकित्सा, ह्यूमनिस्टिक और एकीकृत मनोचिकित्सा, सम्मोहन-मनोचिकित्सा और अनुभवात्मक चिकित्सा शामिल हैं।

समाज सेवक

एक सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर आपको ऐसे लोगों की स्थितियों में सुधार लाने के लिए काम करना होगा, जो अपने जीवन में कठिन दौर से गुजर रहे हैं। ये कोई भी हो सकते हैं जैसे बच्चों या बुजुर्गों का या ऐसा ही अन्य कोई ग्रुप, विकलांग लोगों और अपराध और दुर्व्यवहार के शिकार लोगों सहित अन्य कई। सामाजिक कार्यकर्ता स्कूलों, घरों, अस्पतालों या अन्य सार्वजनिक एजेंसियों के भीतर काम कर सकते हैं।

काउंसलर

एक काउंसलर लोगों को उनके जीवन, भावनाओं और अनुभवों के साथ बेहतर तरीके से सामंजस्य बिठाने में मदद करता है। यहां पर क्लाइंट की बातों को ध्यान से सुनना एक काउंसलर के लिए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। एक काउंसलर में सुनने, सहानुभूति देने, सम्मान और धैर्य प्रदान करने की क्षमता साथ विश्लेषण करने की क्षमता होनी जरूरी है, ताकि क्लाइंट को उनकी स्थिति से बेहतर तरीके से निपटने में सक्षम बनाया जा सके। एक काउंसलर अक्सर विवाह और परिवार, स्वास्थ्य, दुर्व्यवहार, पुनर्वास, शिक्षा, दुख, मानसिक स्वास्थ्य, करियर मार्गदर्शन और बाल रोग सहित अनेक क्षेत्र शामिल हैं।

शिक्षा में मनोविज्ञान करियर

मनोविज्ञान कोर्स के बाद आप शिक्षा के क्षेत्र में भी जा सकते हैं। यहां आप शिक्षा के साथ-साथ शैक्षिक चिकित्सा, शैक्षिक मनोविज्ञान और शिक्षा के भीतर सामाजिक कार्य, मनोविज्ञान स्नातक प्राथमिक, माध्यमिक या कॉलेज, यूनिवर्सिटी स्तर की शिक्षा में काम कर रहे शिक्षकों के रूप में कार्य कर सकते हैं। इसके अलावा जेल के अंदर के युवा अपराधियों को ठीक करने के लिए काम कर सकते हैं। वहीं महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में करियर में प्रवेश करने के लिए आपको मास्टर / पीएचडी योग्यता की आवश्यकता होगी। उच्च शिक्षा के अंतर्गत आप शिक्षण या रिसर्च दोनों ही क्षेत्र में करियर बना सकते हैं।

रिसर्च में करियर

मनोविज्ञान के तौर पर आप रिसर्च एजेंसियों, पब्लिक और प्राइवेट ऑर्गनाइजेशन या विश्वविद्यालयों में रिसर्च कर सकते हैं। सभी क्षेत्रों के भीतर रिसर्च करियर और भी व्यापक हैं, इसमें सरकारी नीति विकास या उद्योग के लिए काम कर सकते हैं। आप एक चैरिटी या अन्य गैर-लाभकारी संगठन के लिए भी काम कर सकते हैं जो भाषण बाधाओं, मस्तिष्क क्षति, बाल विकास या मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य पर कानूनी और अवैध दवाओं के प्रभाव जैसी चुनौतियों को हल करने के लिए रिसर्च कर रहे हैं।

मीडिया और विज्ञापन करियर

मनोविज्ञान डिग्री होल्डरों के लिए मीडिया में भी विविध करियर हैं। मनोविज्ञान स्नातक मानव व्यवहार को लेकर कंपनी के लिए कई महत्वपूर्ण बातें बता सकते हैं। साथ ही समस्याओं का विश्लेषण करने, ध्यान से सुनने, प्रतिक्रिया देने और सहानुभूति और कारण के साथ कार्य करने की क्षमता प्रदान कर सकते हैं। इस वजह से, प्रबंधन, उत्पादन, शेड्यूलिंग और लेखन सहित सभी विभागों के भीतर मनोविज्ञान स्नातकों की मांग होती है।

मानव संसाधन और संचार करियर

मनोविज्ञान की डिग्री के साथ ह्यूमन रिसोर्स और कम्युनिकेशन करियर भी एक अच्छा विकल्प है। पब्लिक और प्राइवेट दोनों क्षेत्रों में उपलब्ध इन भूमिकाओं में कर्मचारी संतुष्टि, व्यावसायिक विकास, प्रशिक्षण, भर्ती, पीआर, पेरोल और आंतरिक संचार जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते है तो मास्टर्स में न्यूनतम 55% अंक आवश्यक है। इसके अलावा इंटरनेशनल रिलेशन से संबंधित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन या एम. फिल की डिग्री होनी चाहिए।

इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते हैं क्या है प्रवेश प्रक्रिया

अगर आप भी इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते है तो मास्टर्स में न्यूनतम 55% अंक आवश्यक है। इसके अलावा इंटरनेशनल रिलेशन से संबंधित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन या एम. फिल की डिग्री होनी चाहिए। यह 3-5 साल का कोर्स होता है। इसमें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अंतर्राष्ट्रीय संबन्ध, और विभिन्न देशों के बीच सम्बन्ध के कारकों और पहलुओं का अध्ययन और विश्लेषण किया जाता है। अगर आप भी इंटरनेशनल स्टडीज में पीएचडी करके राजनयिक के तौर पर काम करना चाहते है तो आइये जानते है इसमें नामांकन के लिए क्या योग्यताएं होनी चाहिये।

योग्यता

- संबंधित विषय में एम फिल की डिग्री या पोस्ट ग्रेजुएशन होना चाहिए।
- उम्मीदवार के पास मास्टर डिग्री में न्यूनतम 55% अंक होना आवश्यक है।
- विश्वविद्यालयों द्वारा भी परीक्षाएं आयोजित कराई जाती है।
- आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 5% अंकों की छूट दी जाती है।
- यूजीसी-नेट जैसी राष्ट्रीय परीक्षाओं भी आयोजित की जाती हैं।
- प्रवेश परीक्षा के बाद साक्षात्कार होता है अगर आपने उसमें अच्छा स्कोर किया तो आपको स्कॉलरशिप भी मिल सकती है।

रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया

पीएचडी इन इंटरनेशनल स्टडीज के लिए भारत के टॉप कॉलेजों द्वारा अपनाई जाने वाली एडमिशन प्रोसेस इस प्रकार है

- ऑफिशयल वेबसाइट पर जाएं।
- ऑफिशयल वेबसाइट पर जाने के बाद आवेदन फॉर्म भरें।
- फार्म को ध्यान से भरें नहीं तो आपका फार्म रिजेक्ट हो सकता है
- सभी दस्तावेज जो भी मांगे गए है उनको अपलोड करिये।
- ऑनलाइन फॉर्म की फीस जमा करें।
- फार्म को सबमिट करें।

प्रवेश परीक्षा

अगर आप किसी अच्छी यूनिवर्सिटी में प्रवेश लेना चाहते है तो प्रवेश परीक्षा में अच्छा स्कोर करना पड़ेगा। रजिस्ट्रेशन के बाद एडमिट कार्ड जारी किये जाते है। जिनमे परीक्षा की सारी जानकारी होती है। प्रवेश प्रक्रिया सीएसआईआर यूजीसी नेट, एसआईयू पीईटी, एमिटी यूनिवर्सिटी पीईटी जैसे एंट्रेंस एग्जाम पर निर्भर करती है।

प्रवेश प्रक्रिया

परीक्षा परिणाम के लिए आप वेबसाइट से जानकारी प्राप्त कर सकते है, प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। साक्षात्कार में सफल होने के बाद डॉक्टरेट स्तर पर इंटरनेशनल स्टडीज का अध्ययन करने के लिए एडमिशन दिया जाता है।

पीएचडी इन इंटरनेशनल स्टडीज- सिलेबस

- एडवांस्ड थ्योरी ऑफ इंटरनेशनल रिलेशन
- एडवांस्ड रिसर्च मेथेड
- फेमिनिस्ट इंटरनेशनल रिलेशन
- थिसिस
- शांति और संघर्ष अध्ययन

देश के कुछ टॉप कॉलेज

- झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, पुणे
- लाजपत राय लॉ कॉलेज
- शिव नादर विश्वविद्यालय
- गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय
- रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- कलिंग विश्वविद्यालय
- पंजाब विश्वविद्यालय
- पी.पी. सवानी विश्वविद्यालय
- यूएनओएम, मद्रास विश्वविद्यालय
- गुरु नानक देव विश्वविद्यालय

क्रिएटिव राइटिंग सिर्फ शौक ही नहीं, करियर भी बन सकता है। इसी के साथ जुड़ा हुआ है एक और करियर, जो है ट्रांसलेटर यानी अनुवादक का। इसके लिए तो अनेक संस्थानों में काफी स्कोप रहता है।

करियर भी बना सकता है क्रिएटिव राइटिंग का शौक

कहां है मांग?

रेलवे, बैंक, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयू) आदि में अनुवादकों की अच्छी डिमांड रहती है। आप चाहें, तो फीलांसर के तौर पर भी काम कर सकते हैं। वहीं इंटरप्रेटर के रूप में खुद को तैयार करके आप विभिन्न देशों के दूतावासों तथा विदेशी कंपनियों में जॉब पा सकते हैं। यह एक दिलचस्प जॉब है, जिसमें हर दिन कुछ नया सीखने को मिलता है। अभ्यास बहुत जरूरी लेखक बनने का हुनर कई लोगों में जन्मजात होता है मगर इस हुनर को मांजना बहुत जरूरी है। हर लिखने वाला प्रभावशाली नहीं होता। अगर आप भी बतौर क्रिएटिव राइटर करियर बनाना चाहते हैं, तो सरल, सहज और प्रभावी लिखने का अभ्यास करते रहें। पुराने क्लासिक्स से लेकर नए, प्रमुख लेखकों की किताबें तथा पत्र-पत्रिकाओं मे छपने वाले उनके कॉलम जरूर पढ़ते रहें। आप जितना ज्यादा पढ़ेंगे, उतना ही आपका लेखन निखरेगा। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि आप सीखें सबसे लेकिन लिखते समय अपनी मौलिक पहचान जरूर बनाए रखें। आपके लेखन में किसी अन्य लेखक की नकल या प्रभाव नहीं दिखना चाहिए।

कहां से पढ़ें?

यदि आप करियर के तौर पर क्रिएटिव राइटिंग या ट्रांसलेशन को अपनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप इसके लिए बाकायदा कोर्स कर लें। क्रिऐटिव राइटिंग का कोर्स इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय तथा अन्य प्रमुख विश्वविद्यालयों से किया जा सकता है। वहीं ट्रांसलेटर या इंटरप्रेटर बनने के लिए आपको केंद्रीय हिंदी संस्थान या किसी अन्य आधिकारिक संस्थान से अनुवाद का कोर्स करना होगा।

अगर आप सक्सेसफुल करियर बनाना चाहते हैं, तो आपके अंदर बेहतर कम्युनिकेशन स्किल का होना बेहद जरूरी है। क्योंकि एक अच्छी कम्युनिकेशन स्किल से आप अपने करियर को उच्च स्तर तक ले जा सकते हैं। कम्युनिकेशन स्किल आपकी पर्सनेलिटी का ही हिस्सा है, इसलिए अपनी पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के लिए आपको अपनी कम्यूनिकेशन स्किल भी बेहतर करनी होगी।

पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के लिए जरूरी है कम्युनिकेशन स्किल

कम्युनिकेशन स्किल बातचीत करना की एक कला है। ये बिल्कुल भी जरूरी नही है कि हर इंसान को बात करने की कला या सही तरीका आता हो। कम्युनिकेशन स्किल का डिग्री और पढ़ाई-लिखाई से भी कुछ लेना देना नहीं है, क्योंकि ये जरूरी नही है कि हर पढ़े-लिखे और डिग्रीधारी शख्स की कम्युनिकेशन स्किल अच्छी ही हो। लेकिन कुछ बातों का ध्यान रखकर इसमें सुधार जरूर किया जा सकता है।

बॉडी लैंग्वेज सही रखें

यह एक तरह का नॉन-वर्बल कम्युनिकेशन होता है, जिसमें आप बिना कुछ बोले बॉडी के हाव-भाव से सब कुछ कह देते हैं। बॉडी लैंग्वेज को देखकर आप सामने वाले पर्सन के बारे में सब कुछ समझ जाते हैं, तो अगर आप अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को बढ़ाना चाहते हैं तो आपको अपनी बॉडी लैंग्वेज को सही रखना जरूरी है। अपनी बॉडी लैंग्वेज के द्वारा आप सामने वाले को अपनी बात आसानी से समझा सकते हैं, लोगों से बात करते समय या मीटिंग्स में जेब में हाथ डालकर या हाथों को फोल्ड करने नहीं रखना चाहिए है आपको सामने वाले को अपनी बात समझाने के लिए अपनी बॉडी लैंग्वेज का सही तरह से यूज करना चाहिए।

दूसरों की बातें ध्यान से सुनें

अगर आप अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को इंप्रूव करना चाहते हैं तो आपको कोई दूसरों भी बात को भी बहुत ही ध्यान से सुनना होगा। इससे आप उसकी बातों को अच्छे से समझ सकेंगे। शुरुआत में बात करते समय आपसे कुछ गलतियां भी हो सकती हैं, लेकिन जब आप डेली प्रैक्टिस करते रहेंगे तो गलतियां कम होंगी और आप सही से कम्युनिकेशन कर सकेंगे। इसीलिए किसी भी बात को अच्छे से सुनिए फिर बोलना सीखिए।

सामने वाले को समझें

अगर आप किसी से कम्युनिकेशन कर रहे है, तो आपको उसकी बातों को अच्छे से समझने के साथ उसे भी समझना होगा कि वो आपसे क्या कहना चाहता है। तभी आप उसके साथ कम्युनिकेशन कर पाएंगे। इसलिए पहले सामने वाले पर्सन की बातों को अच्छे से समझें कि वो क्या कहना चाहता है, कैसा एक्सप्रेशन दे रहा है और उसको अच्छे से समझने के बाद आप अपना जवाब दें।

सही शब्दों का प्रयोग करें

किसी से बात करते समय आपको सही शब्दों का यूज करना चाहिए। इसके लिए डेली नये शब्दों को सीखें और उन्हें लोगों से बात करते समय यूज करें। स्टार्टिंग में आपको लोगों से बात करते समय अपनी आवाज को स्लो रखना है और सही शब्दों को बोलना है, बहुत बार ऐसा होता है कि जल्दी-जल्दी में लोग कम्युनिकेशन करते समय गलत शब्दों का प्रयोग कर जाते हैं, आपको धीरे बोलना है और अपने शब्दों को स्पष्ट बोलना है। जिससे सामने वाला व्यक्ति आपकी बात को अच्छे से समझ सके।

रोज प्रैक्टिस करें

अगर आप दिल से अपनी कम्युनिकेशन स्किल को इम्प्रूव करना चाहते हैं, तो आपको डेली प्रैक्टिस करनी होगी। आपको डेली कम्युनिकेशन के कुछ वर्ड्स याद करने होंगे और इन याद किये गये वर्ड्स को हफ्ते में 2 बार दोहराना होगा। क्योंकि अगर आप एक बार पढ़ने के बाद इन्हें दोबारा देखेंगे नहीं तो भूल जायेंगे। रोज थोड़ा टाइम अपनी कम्युनिकेशन पर दीजिए, डेली कुछ नये वर्ड्स सीखिए। इससे आपकी कम्युनिकेशन स्किल बेहतर होगी।

प्वॉइंट टू प्वॉइंट बात करें

चाहे आपका फ्रेंड हो या कोई अन्य व्यक्ति, किसी से भी बात करते समय ध्यान रखें कि आपको प्वॉइंट टू प्वॉइंट बात करना है। किसी से बात करना होता है तो आपको बिना डरे खुल कर बात करना चाहिए। अगर आप इधर उधर की बात करेंगे तो जिस प्वाइंट पर आप बात करना चाहते हैं, उसपर नहीं कर पाएंगे। साथ ही सामने वाला व्यक्ति भी कंफ्यूज रहेगा।

आई कांटेक्ट रखें

यह ध्यान रखें कि आप जब भी किसी से बात करें तो सामने वाले से आई कांटेक्ट बनाये रखें। इससे हमारी सिंसेरिटी और इंटरेस्ट दिखाई देता है और साथ ही हमारे इमोशन्स भी साफ-साफ दिखाई देते हैं। ये हमारी कम्युनिकेशन स्किल्स को भी इफेक्टिव बनती है। वहीं ऐसे बात करते समय आपका कॉन्फिडेंस भी बढ़ता है।

कॉफिडेंट रहें

किसी से बात करते समय कॉफिडेंट रहना जरूरी होता है। यह तभी हो पाएगा जब आप निडर होंगे, श्योर होंगे और जब आप बाहर की आवाजों पर डिपेंडेंट नहीं होंगे। इसीलिए स्टार्टिंग में जब भी आप किसी से बात करें, तो अपनी गलतियों से डरे नहीं, क्योंकि गलतियां होना एक नार्मल बात है, लेकिन जब धीरे-धीरे आप बोलना सीख लेंगे, आपकी कम्युनिकेशन स्किल्स अच्छी हो जाएगी तो आप पूरे कॉन्फिडेंस के साथ किसी भी फंक्शन में, पार्टी में, मीटिंग्स में या कहीं पर भी बोल सकेंगे।

भारतीय क्रिकेट टीम आयरलैंड और इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल टूर के लिए रवाना, सूर्यवंशी के डेब्यू पर रहेगी नजर

चेन्नई (एजेंसी)। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली भारतीय टीम 26 जून से शुरू होने वाली व्हाइट-बॉल सीरीज के लिए चेन्नई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से आयरलैंड और इंग्लैंड के लिए रवाना हो गई है। 'मेन इन ब्लू' को आयरलैंड के खिलाफ दो टी20आई और उसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20आई और तीन ODI खेलने हैं, जो 26 जून से शुरू होंगे।

इस साल की शुरुआत में टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद आयरलैंड में होने वाले टी20आई मैच भारत के लिए पहली सीरीज होगी। भारत 26 और 28 जून को डबलिन में दो टी20आई खेलेगा। टी20आई टीम की कमान श्रेयस के हाथों में होने से भारत के लिए सबसे छोटे फॉर्मेट में एक नए अध्याय की शुरुआत हो रही है, खासकर इसलिए क्योंकि 2028 में लॉस एंजिल्स ओलंपिक और ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में अगला मेन्स टी20 वर्ल्ड कप होने वाला है।

इस टूरिंग टीम की सबसे खास बात युवा बैटिंग सेंसेशन वैभव सूर्यवंशी हैं, जो 15 साल और 71 दिन की उम्र में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के लिए चुने जाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने और उन्होंने सचिन तेंदुलकर का 36 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। इस सीजन में इंडियन प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन के बाद अनकैप्ड तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को भी पहली बार सीनियर ञ्20 टीम में बुलाया गया है।

शुरुआत में सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को टीम में चुना गया था, लेकिन बाद में उनकी जगह प्रसिद्ध कृष्णा को शामिल किया गया। मार्च में मेनिस्कस टियर सर्जरी के बाद रिहैब से गुजर रहे सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर हर्षित राणा भी टीम में वापस आ गए हैं, साथ ही लेग-स्पिनर रवि बिश्नोई भी।

आयरलैंड टूर के बाद यही टीम दक्षिण-पश्चिम की ओर एक छोटा टूर करेगी और 1 से 11 जुलाई के बीच इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20आई सीरीज खेलेगी, जिसके बाद 14 से 19 जुलाई तक तीन वनडे खेले जाएंगे। वनडे टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे, जबकि श्रेयस उनके डिप्टी होंगे। तीन मैचों की वनडे सीरीज में स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की वापसी होगी, जो IPL 2026 के दौरान लगी हैमस्ट्रिंग चोट के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ हाल ही में हुई वनडे सीरीज में नहीं खेल पाए थे। हालांकि BCCI ने कहा है कि उनका खेलना फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर करेगा।

चिरंत विश्वनाथ जापान के मोटेगी में रेस जीतने वाले पहले भारतीय बने

मुम्बई (एजेंसी)। भारत के युवा रेसर चिरंत विश्वनाथ ने जापान के मोटेगी रेसट्रैक में जीत के साथ ही एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इसी के साथ ही वह इस ट्रैक पर जीत हासिल करने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। यह उपलब्धि उन्होंने एफआईएम एशिया रोड रेसिंग चैंपियनशिप के तीसरे दौर के दौरान टीवीएस एशिया वन-मेक चैंपियनशिप कैटेगरी में दर्ज की है।

चिरंत ने टीवीएस अपाचे आरआर 310 से रेस-1 में शानदार प्रदर्शन कर सफलता हासिल की है। आधिकारिक अभ्यास सत्र में सबसे तेज़ लैप्स दर्ज करने के बाद, उन्होंने क्वालिफाइंग में चौथा स्थान हासिल किया। रेस की शुरुआत में ही उन्होंने बढ़त हासिल कर ली थी। आठ लैप की इस रोमांचक रेस के पांचवें लैप में एक अन्य राइडर से हुई टक्कर के कारण वह पांचवें स्थान पर खिसक गए पर चिरंत ने हार नहीं मानते हुए तेजी से वापसी करते हुए अंतिम लैप में तीन प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ कर अपनी पहली चैंपियनशिप जीती।

रेस-1 की इस आसाधारण जीत के बाद, चिरंत ने रेस-2 में भी अपनी गति बनाए रखी। वह अंतिम लैप तक वह दूसरे स्थान पर थे पर इस बार भी एक टक्कर के कारण वह चौथे स्थान पर खिसक गये। रेस-1 में मिली जीत और रेस-2 में चौथे स्थान पर रहने के कारण चिरंत को चैंपियनशिप स्टैंडिंग में चौथा स्थान हासिल करने में मदद मिली है।

विराट ने इंग्लैंड दौरे के लिए फिटनेस टेस्ट पास किया

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली फिटनेस टेस्ट में पास हो गये हैं। ऐसे में अब विराट का इंग्लैंड दौरे में एकदिवसीय सीरीज खेलने का रास्ता साफ हो गया है। विराट को टीम में शामिल किया गया था पर उनके खेलने का फैसला फिटनेस जांच पर आधारित था। प्राप्त जानकारी के अनुसार विराट को बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (सीओई) में फिटनेस जांच में सफल करार दिया गया है। इससे अब विराट एकदिवसीय सीरीज खेल सकेंगे। अब उनका लक्ष्य इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर साल 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए अपनी दावेदारी पेश करना रहेगा।

वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2026) के फाइनल मुकाबले के दौरान ही चोटिल हो गए थे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए खेलते हुए उनकी हैमस्ट्रिंग खिंचाव आ गय था। जिससे वह काफी समय तक खेल से दूर रहे थे। इसी चोट के कारण वह हाल ही में घरेलू मैदान पर अफगानिस्तान के खिलाफ खेली गई एकदिवसीय सीरीज से भी बाहर थे। विराट के फिट होने से उनके प्रशंसकों को भी राहत मिली है। अब प्रशंसकों को लंबे इंतजार के बाद विराट को खेलते हुए देखने का अवसर मिलेगा। उन्होंने अंतिम बार चैम्पियंस ट्रॉफी में खेला था।

एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, नीतीश कुमार रेड्डी, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बरार।

हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस छोड़ने की तैयारी में, इन दो टीमों से मिला ऑफर

नई दिल्ली (एजेंसी)। हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस छोड़ने की तैयारी में हैं और पांच बार की IPL चैंपियन टीम को उनके संभावित ट्रेड के लिए कम से कम दो प्रस्ताव मिले हैं जिसमें एक शाहरुख खान की को-ओन्ड कोलकाता नाइट राइडर्स से और दूसरा राजस्थान रॉयल्स है।

इस मामले की जानकारी रखने वाले IPL के एक सूत्र ने नाम न बताने की शर्त पर PTI को बताया कि KKR के टॉप मैनेजमेंट और मुंबई इंडियंस के मालिकों के बीच खिलाड़ियों के अदला-बदली (स्वैप) को लेकर कई बार बातचीत हुई है। मुंबई इंडियंस में पांड्या की वापसी का सफर उतार-चढ़ाव भरा रहा है और उनकी कप्तानी में टीम सिर्फ एक बार प्ले-ऑफ में जगह बना पाई है।

सूत्र के मुताबिक, 'अजिंक्य रहाणे KKR के लिए हमेशा से एक कामचलाऊ व्यवस्था थे और इस सीजन के बाद उन्हें रिलीज किया जाना तय था। KKR के बड़े अधिकारियों ने पिछले सीजन के आखिर में MI के मालिकों से संपर्क किया था, लेकिन चूंकि रिलायंस की सालाना AGM (आम बैठक) होने वाली थी, इसलिए उस समय IPL ट्रेड उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता नहीं थी।'

सूत्र ने बताया, 'हालांकि, पता चला है कि KKR ने फिर से MI के बड़े अधिकारियों से संपर्क किया है और इस बारे में कुछ दौर की बातचीत भी हुई है।' यह तय है कि अगर पांड्या पूरी तरह से कैश डील या ट्रेड-ऑफ के जरिए KKR में जाते हैं तो उन्हें कप्तानी मिल सकती है क्योंकि इस समय रिंकू सिंह एक सही विकल्प नहीं लग रहे हैं। हालांकि जब पूछा गया कि क्या MI स्टार भारतीय ऑलराउंडर के लिए पूरी तरह से कैश डील चाहती है या ट्रेड-ऑफ, तो सूत्र ने इसकी पुष्टि नहीं की।

IPL ट्रांसफर नियम साफ तौर पर कहते हैं कि कोई खिलाड़ी ट्रेड के संबंध में किसी दूसरी फ्रेंचाइजी के साथ व्यक्तिगत रूप से कोई बातचीत नहीं कर सकता है। नियम के अनुसार बातचीत केवल फ्रेंचाइजी-टू-फ्रेंचाइजी ही हो सकती है, लेकिन यह भी कहा गया है कि खिलाड़ी की सहमति के बिना ट्रेड नहीं हो सकता। अगर खिलाड़ी सहमति नहीं देता है, तो उसे वापस ऑक्शन पूल में भेजना होगा।

MI को मिला दूसरा ऑफर यशस्वी जायसवाल और पांड्या के बीच ट्रेड-ऑफ का बताया जा रहा है, लेकिन यह पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता कि बातचीत किसी एडवांस स्टेज तक पहुंची है या नहीं। हालांकि रॉयल्स असम के स्टार रियान पराग को लंबे समय के कप्तान के तौर पर देख रहे हैं, इसलिए पांड्या के लिए लीडरशिप रोल पाना मुश्किल होगा। अगर पांड्या का ट्रांसफर होता है, तो राजस्थान रॉयल्स की तुलना मेंच्यक्र इस समय कहीं ज्यादा बेहतर विकल्प लग रहा है।

अल्जीरिया को 12 साल में पहली बार विश्व कप में मिली जीत, जोर्डन नॉकआउट की दौड़ से बाहर

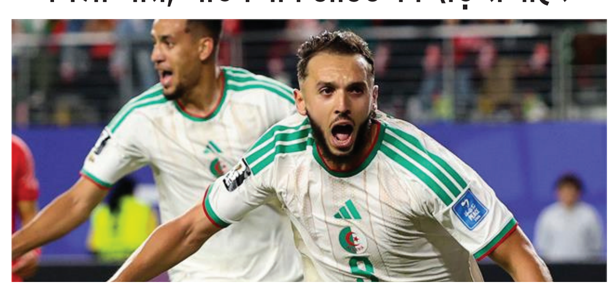

सांता क्लारा । दूसरे हॉफ में पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल करके अल्जीरिया ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जोर्डन को 2-1 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट चरण में पहुंचने की उम्मीदें पुख्ता कर लीं। दूसरे हाफ में स्थानापन्न खिलाड़ी नादिर बेनबुआली ने 69वें मिनट में हेडर लगाया जबकि अमीने गोरी ने 82वें मिनट में विजयी गोल दागा। विश्व कप में 2014 के बाद अल्जीरिया की यह पहली जीत है। जोर्डन के लिए पहले हाफ में निजार अल राशदान ने गोल दागा था। अल्जीरिया को पहले मैच में अर्जेंटीना ने 3-0 से हराया था लेकिन दूसरे मैच में ऑस्ट्रिया को हराकर उसने ग्रुप जे में दूसरा स्थान हासिल कर लिया। जोर्डन लगातार दूसरी हार के साथ नॉकआउट की दौड़ से बाहर हो गया है। उसे पहले मैच में आस्ट्रिया ने 3-1 से हराया था।

नितीश आयरलैंड दौरे से बाहर हुए, सूर्यांश को मिल सकता है अवसर

मुम्बई । भारतीय टीम को आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले ही करारा झटका लगा है। युवा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी मांसपेशिया में खिंचाव के कारण आयरलैंड दौरे से बाहर हो गये हैं। नितीश के बाएं पैर की जांघ की मांसपेशियों (क्वाड्रिसेप्स) में चोट आई है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में भी उनका खेलना संदिग्ध है। नितीश ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के बाहर होने से उम्मीद जतायी जा रही थी कि नितीश उनकी कमी पूरी कर देंगे पर अब वह भी बाहर हो गये हैं। जिससे भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं।

अब देखना है कि चयनसमिति किस खिलाड़ी को नितीश की जगह पर अवसर देती है। भारतीय टीम का आयरलैंड दौरान 26 जून से शुरू हो रहा है। इस सीरीज का पहला मुकाबला 26 जून को है, जबकि दूसरा मैच 28 जून को खेला जाएगा। आयरलैंड दौरे के बाद टीम इंडिया इंग्लैंड रवाना होगी, जहां उसे टी20 के साथ ही एकदिवसीय सीरीज भी खेलनी है। अटकलें हैं कि अब आक्रामक ऑलराउंडर सूर्यांश शेडगे को भारतीय टीम में शामिल किया जा सकता हैं हालांकि, बीसीसीआई ने अभी आधिकारिक घोषणा नहीं की है। सूर्यांश हाल में भारत ए टीम के साथ ही श्रीलंका दौरे पर भी गये थे। श्रीलंका ए के खिलाफ सुपर ओवर वाले मैच में सूर्यांश ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए 72 रन बनाए थे। वह इंडियन प्रीमियर लीग में अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स के लिए खेलते हैं। पिछले सत्र में शेडगे ने पंजाब की तरफ से 7 मैच में खेलते हुए 158 रन बनाए थे। गेंदबाजी का उन्हें अवसर नहीं मिला था। घरेलू क्रिकेट में सूर्यांश मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हैं।

मेसी, एम्बापे और हालैंड के बीच 'गोल्डन' बूट की टक्कर

फिलाडेल्फिया (एजेंसी)। लियोनेल मेसी, किलियन एम्बापे और एर्लिंग हालैंड तीनों ने दो-दो गोल किए जिससे वर्ल्ड कप गोल्डन बूट की दौड़ फुटबॉल के तीन सबसे बड़े सितारों के बीच मुकाबले में बदल गई। अपने 39वें जन्मदिन से दो दिन पहले, मेसी ने डलास स्टेडियम में ऑस्ट्रिया के खिलाफ अर्जेंटीना की 2-0 की जीत में दोनों गोल किए, जिससे उनके करियर के वर्ल्ड कप गोल की संख्या रिकॉर्ड 18 हो गई।

अर्जेंटीना के कप्तान अब दो मैचों में पांच गोल के साथ टूर्नामेंट में सबसे ज़्यादा गोल करने वालों की सूची में सबसे आगे हैं। कुछ घंटों बाद फिलाडेल्फिया में, एम्बापे ने भी ऐसा ही किया और दो गोल किए, जिससे फ्रांस ने इराक को 3-0 से हराया, जबकि हाफटाइम के दौरान लगभग दो घंटे तक तूफान के कारण खेल रुका रहा। अपना 100वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे फ्रांस के कप्तान ने तीन टूर्नामेंटों में कुल 16 वर्ल्ड कप गोल कर लिए हैं और पूर्व रिकॉर्ड-धारक मिरोस्लाव क्लोज की बराबरी कर ली है।

न्यूयॉर्क-न्यू जर्सी स्टेडियम में हालैंड ने दो गोल किए और नॉर्वे ने सेनेगल को 3-2 से हराकर राउंड ऑफ 32 में जगह पक्की की। अपने पहले वर्ल्ड कप में खेल रहे 25 वर्षीय खिलाड़ी के नाम अब दो मैचों में चार गोल हैं; वे गोल्डन बूट की दौड़ में एम्बापे के बराबर और मेसी से एक गोल पीछे हैं। हालांकि, इराक पर फ्रांस की जीत के बाद एम्बापे ने मेसी के साथ तुलना को ज़्यादा महत्व नहीं दिया। एम्बापे ने कहा, 'लियो हमेशा गोल करते हैं और हमेशा करते रहेंगे। इसलिए मैं यह नहीं देख रहा कि वह क्या कर रहे हैं। मैं बस अपनी टीम की मदद करने पर ध्यान दे रहा हूं।' फ्रांस के कोच डिडिएर डेसचैम्प्स ने कहा कि उनके कप्तान के पास रिकॉर्ड बुक में नया इतिहास रचने का पूरा मौका है। एम्बापे के पूर्व रिकॉर्ड-धारक मिरोस्लाव क्लोज़ के 16 वर्ल्ड कप गोल के रिकॉर्ड की बराबरी करने के बाद डेसचैम्प्स ने कहा, 'रिकॉर्ड तोड़े जाने के लिए ही होते हैं।' हालैंड इस दौड़ में एक असली दावेदार के तौर पर उभरे हैं। नॉर्वे ने आखिरी बार 1998 में वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया था, जो हालैंड के जन्म से दो साल पहले की बात है, इसलिए यह इस स्ट्राइकर का पहला वर्ल्ड कप अभियान है। अभी और भी मैच खेले जाने बाकी हैं, इसलिए गोल्डन बूट की लड़ाई अभी भी खुली हुई है, जिसमें मेसी, एम्बापे और हालैंड तीनों ही दौड़ में शामिल हैं।

टीम इंडिया की जर्सी देखकर भावुक हुए वैभव

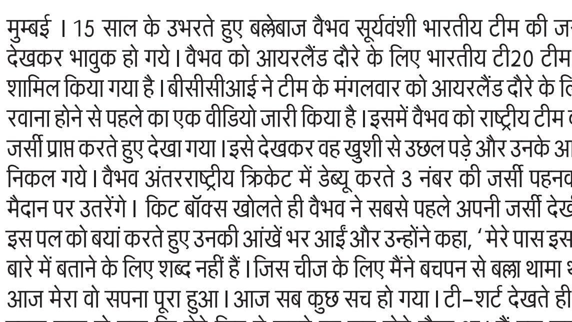

मुम्बई । 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी भारतीय टीम की जर्सी देखकर भावुक हो गये। वैभव को आयरलैंड दौरे के लिए भारतीय टी20 टीम में शामिल किया गया है। बीसीसीआई ने टीम के मंगलवार को आयरलैंड दौरे के लिए रवाना होने से पहले का एक वीडियो जारी किया है। इसमें वैभव को राष्ट्रीय टीम की जर्सी प्राप्त करते हुए देखा गया। इसे देखकर वह खुशी से उछल पड़े और उनके आंसू निकल गये। वैभव अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करते 3 नंबर की जर्सी पहनकर मैदान पर उतरेंगे। किट बॉक्स खोलते ही वैभव ने सबसे पहले अपनी जर्सी देखी। इस पल को बयां करते हुए उनकी आंखें भर आईं और उन्होंने कहा, 'मेरे पास इसके बारे में बताने के लिए शब्द नहीं हैं। जिस चीज के लिए मैंने बचपन से बल्ला थामा था, आज मेरा वो सपना पूरा हुआ। आज सब कुछ सच हो गया। टी-शर्ट देखते ही मैं इतना खुश हो गया कि मेरे लिए ये सपने का सच होने जैसा था। मैं उस समय प्रतिक्रिया भी नहीं दे पा रहा था।' यह दृश्य बताता है कि एक खिलाड़ी के लिए देश का प्रतिनिधित्व करने का क्या महत्व होता है, और कैसे यह पल कई वर्ष की कड़ी मेहनत और समर्पण का फल होता है। आयरलैंड के खिलाफ भारतीय टीम दो टी20 मैच खेलेगी। इसमें वैभव पहली बार भारतीय टीम की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। यह उनके करियर का एक बड़ा पड़ाव है। बीसीसीआई ने वैभव की कम उम्र को देखते हुए उनके माता-पिता को भी इस दौरे पर उनके साथ जाने की अनुमति दी है। उनके पिता पहले ही आयरलैंड पहुंच गये हैं। भारत और आयरलैंड के बीच पहला टी20 मैच 26 जून को खेला जाएगा, जबकि दूसरा मुकाबला 28 जून को होगा। यह सीरीज युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी क्षमता साबित करने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगी।

मिताली का सुझाव: हरमनप्रीत नंबर चार पर, जेमिमा नंबर पांच पर खेलें

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने टीम के बल्लेबाजी क्रम में बदलाव का सुझाव दिया है। मिताली का मानना है कि कप्तान हरमनप्रीत कौर को नंबर चार पर बल्लेबाजी करनी चाहिए, जबकि जेमिमा रोड्रिग्स को नंबर पांच पर उतारा जाना चाहिए। मिताली ने ये बात दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली हार को देखते हुए कही है। इससे सेमीफाइनल में पहुंचने की भारतीय टीम की उम्मीदों को झटका लगा है, क्योंकि अब उन्हें अपने शेष सभी मैच जीतने होंगे।

मिताली ने कहा कि अब भारतीय टीक को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए ऑस्ट्रेलिया को हराने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यह मैच भारत के जीतने लायक था, लेकिन अब आगे का रास्ता मुश्किल है। बल्लेबाजी क्रम पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, हमने हरमनप्रीत को नंबर 5 पर इतनी देर से बल्लेबाजी करते हुए बहुत कम देखा है। इसलिए, शायद वह नंबर चार पर और जेमिमा नंबर पांच पर आ सकती हैं।

उन्होंने जेमिमा को नंबर पांच पर भेजने को लेकर कहा, जेमिमा पहले भी नंबर पांच पर खेल चुकी हैं और वहां उन्होंने काफी रन बनाए हैं। जब वह बल्लेबाजी के लिए आएंगी, तो संभावना है कि उन्हें स्पिनरों का सामना करना पड़े, जो उनकी ताकत है। वह अपने पैरों का इस्तेमाल कर सकती हैं और स्कूप और स्वीप शॉट अच्छे से खेलती हैं। मिताली का मानना है कि इस बदलाव से जेमिमा का आत्मविश्वास बढ़ सकता है, वह लय में वापस आ सकती हैं और वह मोमेंटम दोबारा हासिल कर सकती हैं, खासकर अगर हरमनप्रीत उनसे पहले बल्लेबाजी करें।

मिताली ने बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरानी की अनुशासित गेंदबाजी को इस मैच में भारत के लिए सबसे सकारात्मक पहलू बताया। चरानी ने एक ही ओवर में दो विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका को दबाव में ला दिय था। और बाद में एक और महत्वपूर्ण विकेट हासिल कर अपना शानदार स्पेल समाप्त किया। पूर्व कप्तान ने चरानी की तारीफ करते हुए कहा, श्री चरानी जल्दी सीखने वाली खिलाड़ी हैं। उन्होंने इंग्लिश कंडीशंस में डेब्यू किया था, इसलिए उन्हें वहां के हालात की अच्छी जानकारी है। उन्होंने बताया कि पिच से

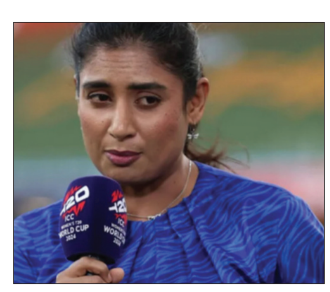

ज्यादा टर्न न मिलने के बावजूद, चरानी ने लगातार स्टंप्स पर अटैक किया, पेस और लेंथ में बदलाव किए, और अपनी पसंद के हिसाब से फील्ड सेट की। चरानी के दो बड़े विकेट ने भारत को खेल में वापस ला दिया था, और दूसरे स्पेल में भी उनकी लाइन बहुत सटीक थी।

सैमसन ने धोनी की तुलना फेडरर और विराट की अल्कारेज से की

मुम्बई । भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन पर आजकल विंबलडन टेनिस का रंग चढ़ा हुआ है। इसी को देखते हुए सैमसन ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की प्रशंसा करते हुए उनकी तुलना स्विटजरलैंड के महान टेनिस स्टार रोजर फेडरर से की है। सैमसन ने जहां धोनी की तुलना टेनिस के महान खिलाड़ी रोजर फेडरर से जबकि विराट कोहली के आक्रामक अंदाज की तुलना स्पेन के कार्लोस अल्कारेज से की है। सैमसन ने कहा, क्रिकेट के रोजर फेडरर धोनी ही हो सकते हैं। जिस प्रकार से फेडरर शांत अंदाज में खेलते हैं। उसी प्रकार से धोनी भी अपने काम को बहुत शांत और संयमित तरीके से करते हैं। वहीं दूसरी ओर अल्कारेज बहुत आक्रामक अंदाज में खेलते हैं। जिस प्राकर से विराट कोहली खेलते हैं। इसलिए संजू ने विराट की तुलना अल्कारेज से की है। सैमसन टी20 विश्वकप में भारतीय टीम की जीत के बाद से ही छाये हुए हैं। उन्होंने इसके बाद आईपीएल में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया था। अब उनकी नजरें इंग्लैंड दौरे पर हैं। सैमसन ने टी20 महिला विश्वकप में भारतीय टीम के अच्छे प्रदर्शन की भी तारीफ की है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से महिला टीम ने एकदिवसीय विश्वकप जीता उसी प्रकार वह टी20 खिताब भी जीतेगी।

मेसी के शानदार प्रदर्शन से अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रिया को 2-0 से हराकर नॉकआउट में जगह बनायी

डलास (एजेंसी)। कप्तान लियोनन मेसी के शानदार प्रदर्शन से मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रिया को 2-0 से हराकर लगातार छठी बार विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट चरण में प्रवेश किया है। इस धमाकेदार जीत के दौरान ही मेसी ने विश्व कप इतिहास में सबसे अधिक गोल करने का नया रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है।

मेसी ने हाफ-टाइम से ठीक पहले गोल करने के साथ ही ही अपना 17वां गोल कर जर्मनी के दिग्गज मिरोस्लाव क्लोस को पीछे छोड़ा। इसके साथ ही, वह जस्ट फोंटेन और जाइरजिन्हो के बाद लगातार 6 विश्व कप मैचों में गोल करने वाले दुनिया के तीसरे खिलाड़ी भी बन गए है।

दूसरे हाफ में ऑस्ट्रिया ने बराबरी के लिए काफी प्रयास किये पर अर्जेंटीना के डिफेंडरों ने उसे कोई अवसर नहीं दिया। मैच के अंतिम क्षणों में मेसी ने एक और गोल कर टूर्नामेंट का अपना 5वां और विश्व कप करियर का 18वां गोल दागा।

इस मैच में सिर्फ मेसी के साथ ही अर्जेंटीना की पूरी टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा। ऑस्ट्रिया ने मेसी को घेरने की मजबूत रणनीति बनाई थी, लेकिन टीम ने एकजुट होकर इसका सामना किया। क्रिस्टियन रोमेरो ने घुटने की समस्या के कारण मैदान छोड़ने से पहले डिफेंस को मजबूती दी, जिसके बाद निकोलस ओटामेंडी ने कमान संभाली। रोड्रिगो डी पॉल, एलेक्सिस मैक एलिस्टर और एंज़ो फर्नांडीज ने मिडफील्ड को पूरी तरह नियंत्रित रखा, जिससे अर्जेंटीना की लय बनी रही। दो मैचों में दो जीत और 6 अंकों के साथ ही अर्जेंटीना का मनोबल बढ़ा हुआ है और टीम अब 27 जून को ग्रुप जे के अपने अंतिम मैच में जॉर्डन से मुकाबले के लिए उतरेगी।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (बुधवार)
24 जून 2026

बॉक्स ऑफिस प्रेशर पर बोले अजय देवगन

अजय देवगन की आने वाली कॉमेडी फिल्म 'धमाल 4' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर लॉन्च के मौके पर अजय देवगन ने बताया कि आखिर फिल्म रिलीज के समय बॉक्स ऑफिस का कितना दबाव होता है। इसके साथ ही अजय ने यह भी बताया कि बॉलीवुड फिल्मों के सीक्वल इतने सफल क्यों होते हैं?

अजय देवगन ने माना कि फिल्म रिलीज होने से पहले हर किसी को थोड़ा डर और दबाव महसूस होता है। उन्होंने कहा, 'जब भी कोई फिल्म रिलीज होने वाली होती है, तो प्रेशर होना बिल्कुल सामान्य है। इससे हर एक्टर गुजरता है। हम बहुत मेहनत से फिल्म बनाते हैं और हमेशा यही उम्मीद रहती है कि दर्शकों को यह पसंद आए। इसी उम्मीद की वजह से रिलीज के वक्त दिल में थोड़ी घबराहट रहती है।'

सीक्वल फिल्में क्यों होती हैं हिट

'गोलमाल' और 'दृश्यम' जैसी कई सुपरहिट सीक्वल फिल्मों में काम कर चुके अजय देवगन ने बताया कि सीक्वल के हिट होने का राज क्या है। अजय ने कहा कि सीक्वल फिल्में तभी कामयाब होती हैं, जब दर्शकों को पिछली फिल्म के किरदार बहुत पसंद आए हों। एक बार जब दर्शक किरदारों से जुड़ाव महसूस करने लगते हैं, तो उसी कहानी को आगे बढ़ाना आसान और मजेदार हो जाता है।

क्या है फिल्म की कहानी

अजय देवगन इस फिल्म में 'गुड्डू' नाम का किरदार निभा रहे हैं, जो उन्होंने 'धमाल 3' में भी निभाया था। फिल्म में उनकी जोड़ी ईशा गुप्ता के साथ दिखेगी। इस बार भी फिल्म की कहानी एक मजेदार खजाने की खोज पर आधारित है, जहां सभी किरदार सोने के पहाड़ को ढूंढ रहे हैं।

कब रिलीज होगी 'धमाल 4'

अक्षय कुमार की 'वेलकम टू द जंगल' और आलिया भट्ट की फिल्म 'अल्फा' के साथ टकराव से बचते हुए अब 'धमाल 4' 10 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शिल्पा शिंदे ने टीवी सीरियल निर्माताओं को कहा माफिया

शिल्पा शिंदे ने एक बार फिर टीवी इंडस्ट्री में आर्टिस्ट्स के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में बात की है। एक्ट्रेस ने टेलीविजन इंडस्ट्री के प्रोड्यूसर्स की आलोचना की है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ प्रोड्यूसर्स व्हाइट कॉलर माफिया की तरह काम करते हैं। इंस्टाग्राम पेज पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए शिल्पा शिंदे ने निर्माताओं को खूब भला-बुरा कहा है।

प्रोड्यूसर्स को लताड़ा

इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए एक वीडियो में शिल्पा शिंदे ने कहा, 'जैसा कि आपने देखा आर्टिस्ट एसोसिएशन खुद आर्टिस्ट्स के साथ खड़ी नहीं होती है। टीवी इंडस्ट्री में ये प्रोड्यूसर्स माफिया की तरह काम करते हैं। वे व्हाइट-कॉलर माफिया हैं। मैं हमेशा से यह कहती रही हूं। जो प्रोड्यूसर्स उन्हें सपोर्ट नहीं करते हैं, उन्हें धमकी भी दी जाती है। कहा जाता है कि अगर कल तुम्हें कुछ हो गया, तो हम तुम्हें सपोर्ट नहीं करेंगे।' सपोर्ट की तो बात ही छोड़िए। वे कहते हैं कि हम तुम्हारा काम रोक देंगे। हम तुम्हारा अभी का शो नहीं चलने देंगे; तुम्हें हमारा साथ देना होगा।'

अपनी आपबीती भी सुनाई

वह वीडियो में आगे कहती हैं, 'उन्होंने मेरा साथ भी नहीं दिया। आज भी जब उनके पास मेरे साथ खड़े होने का मौका था, तब भी वे नहीं आए। मुझे बोलने की कोई जरूरत नहीं थी। किसी को पता भी नहीं कि उस समय मैं किस दौर से गुजरी थी। लोग मुझ पर झूठा इल्जाम लगा रहे हैं कि मैं यह सिर्फ पैसे के लिए कर रही हूं। आज 10 साल बाद भी, वह प्रोड्यूसर टीवी शो और फिल्में बना रहे हैं। किसी में भी अपने लिए इंसाफ की लड़ाई लड़ने की हिम्मत नहीं है। और फिर लोग सुसाइड जैसे बड़े कदम उठा लेते हैं।'

क्या था शिल्पा शिंदे का पूरा मामला?

शिल्पा शिंदे ने बीते दिनों कॉमेडियन भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया के पॉडकास्ट पर टेलीविजन शो 'भाबीजी घर पर हैं' के प्रोड्यूसर्स के साथ अपने झगड़े के बारे में बात की थी। उन्होंने बताया कि शो छोड़ने के बाद और पेंडिंग पेमेंट्स को लेकर हुए झगड़े के बीच उन्होंने प्रोड्यूसर संजय कोहली के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई थी। शिलपा शिंदे ने यह भी कहा कि बाद में मामला सुलझ गया और उन्हें उनका बकाया मिल गया। इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर शिल्पा की खूब ट्रोलिंग हुई, टीवी इंडस्ट्री से हिना खान भी उनके खिलाफ बातें कर रही हैं। कई लोगों को मानना है कि ऐसे झूठे केस की वजह से ही असल पीड़ित महिलाओं को न्याय नहीं मिलता है।

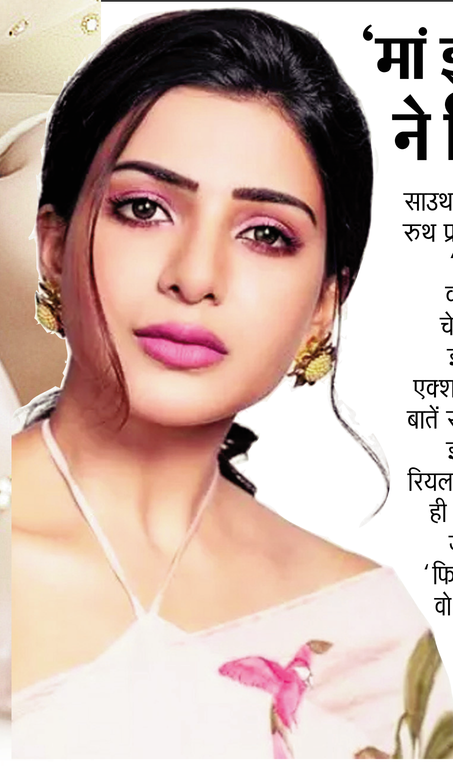

'मां इंटी बंगारम' में खुद सामंथा ने किए हैं सारे एक्शन सीन्स

साउथ की पॉपुलर एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु अपनी आने वाली फिल्म 'मां इंटी बंगारम' को लेकर काफी चर्चा में हैं। हाल ही में चेन्नई में हुए एक प्री-रिलीज इवेंट में समांथा ने फिल्म के एक्शन सीन को लेकर दिलचस्प बातें साझा कीं। उन्होंने बताया कि इस फिल्म में एक्शन बिल्कुल रियल है- ना कोई स्लो मोशन, ना ही उड़ने वाले शॉट्स और ना ही ज्यादा ड्रामा। समांथा ने कहा, 'फिल्म में जो भी फाइट सीन हैं, वो बिल्कुल असली लगेंगे। मुझे भी शूटिंग के दौरान कई बार चोट लगी, यहां तक कि खून भी बहा। लेकिन मैंने सारे एक्शन सीन खुद किए हैं, इसलिए ये इतने असली लगते हैं और लोगों को पसंद आते हैं।'

फिल्म का निर्देशन नंदिनी रेड्डी ने किया है। फिल्म 'मां इंटी बंगारम' एक फैमिली एक्शन-कॉमेडी ड्रामा है। इस फिल्म को सामंथा के पति और निर्देशक राज निदिमोरु ने बनाया है। इस फिल्म में दिगनाथ और गुलशन देवैया अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इनके अलावा फिल्म में श्री मुखी, गौतमी, आनंद और लक्ष्मी भी सपोर्टिंग रोल में हैं।

ऑस्कर विजेता कंपनी के साथ काम करेंगे ऋतिक रोशन

मशहूर हॉलीवुड प्रोडक्शन और मैनेजमेंट कंपनी ने बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन को अपने आने वाले प्रोजेक्ट के लिए साइन कर लिया है। यह कंपनी 'द रेवेनेंट' और 'स्पॉटलाइट' जैसी ऑस्कर जीतने वाली फिल्में बनाने के लिए जानी जाती है।

क्या हॉलीवुड प्रोजेक्ट में नजर आएंगे ऋतिक

ऋतिक ने 'एनोनिमस कंटेंट' कंपनी के साथ एक डील साइन कर ली है। इस डील के बाद से ऐसी चर्चाएं तेज हो गई हैं कि ऋतिक जल्द ही किसी बड़े हॉलीवुड प्रोजेक्ट में नजर आ सकते हैं, हालांकि अभी तक किसी फिल्म की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

ऋतिक रोशन का अब तक का सफर

ऋतिक को बॉलीवुड का 'ग्रीक गॉड' कहा जाता है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कहो ना प्यार है' से की थी। उन्होंने 'वॉर', 'कृष', 'जोधा अकबर' और 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' जैसी कई शानदार फिल्मों में काम किया है।

ऋतिक का वर्कफ्रंट

ऋतिक रोशन बहुप्रतीक्षित सुपरहीरो फ्रेंचाइजी 'कृष 4' में नजर आएंगे, जिसकी प्री-प्रोडक्शन और निर्देशन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। इसके अलावा ऋतिक निर्माता रूप में अपनी पहली वेब सीरीज 'स्टॉर्म' भी बना रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय कलाकार

ऋतिक अकेले नहीं हैं, बल्कि कई भारतीय कलाकार भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। प्रियंका चोपड़ा इस समय हॉलीवुड में सबसे सफल भारतीय अभिनेत्री हैं। 'क्वांटिको' सीरियल से शुरुआत करने के बाद उन्होंने 'बेवॉच' और 'हेड्स ऑफ स्टेट' जैसी कई हॉलीवुड फिल्मों में काम किया। अब वह जल्द ही सात साल बाद एसएस राजामौली की फिल्म से भारतीय सिनेमा में वापसी करेंगी। प्रियंका के अलावा आलिया भट्ट ने गैल गैडोट के साथ फिल्म 'हार्ट ऑफ स्टोन' से अपना हॉलीवुड डेब्यू किया। प्रियंका, आलिया और दीपिका पादुकोण के अलावा भी कई बॉलीवुड स्टार्स ने हॉलीवुड फिल्मों में काम किया है।

आकांक्षा रंजन कपूर 'ग्राम चिकित्सालय' के नए सीजन में अपने किरदार को लेकर बात की

अभिनेत्री आकांक्षा रंजन कपूर अपने वेब शो 'ग्राम चिकित्सालय' के दूसरे सीजन की रिलीज को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने शो के नए सीजन में अपने किरदार के सफर को लेकर खुलकर बात की। साथ ही बताया कि इस बार क्या खास है। अभिनेत्री ने बताया कि दूसरे सीजन में उनका किरदार गार्गी पहले से अधिक जिम्मेदारियों का सामना करता नजर आएगा। साथ ही, उसे कई कठिन और जटिल फैसले भी लेने पड़ेंगे, जो उसके किरदार के साथ कहानी को और भी दिलचस्प बनाएंगे। इस बारे में बात करते हुए आकांक्षा रंजन कपूर ने कहा, 'डॉ. गार्गी का किरदार निभाने का सबसे संतोषजनक पहलू यह रहा कि दर्शकों ने उससे गहरा जुड़ाव महसूस किया और भरपूर प्यार दिया। पहले सीजन में गार्गी को एक ईमानदार, सरल और जमीन से जुड़ी हुई महिला के रूप में दिखाया गया था और मुझे लगता है कि दर्शकों ने उसकी इसी सच्चाई से खुद को जोड़ा। यह देखकर खुशी होती है कि लोगों का यह प्यार और अपनापन दूसरे सीजन में उसके किरदार के और बड़े सफर का हिस्सा बना है।' उन्होंने आगे कहा, 'दूसरे सीजन में गार्गी पहले से कहीं अधिक जिम्मेदारियों का सामना करती नजर आएगी। उसे कई जटिल फैसले लेने पड़ते हैं और ऐसी चुनौतियों से गुजरना पड़ता है, जो उसके सिद्धांतों और विश्वासों की वास्तविक परीक्षा लेती हैं। एक कलाकार के तौर पर ऐसे शो का हिस्सा बनना बेहद संतोषजनक है, जो गहराई वाली कहानियां प्रस्तुत करता है और अपने किरदारों को विकसित होने का पूरा अवसर देता है।' 'ग्राम चिकित्सालय' के पहले सीजन को झारखंड के भाठकांडी गांव में ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था के यथार्थवादी और संवेदनशील चित्रण के लिए काफी सराहना मिली थी। पहले सीजन में आकांक्षा रंजन कपूर ने स्थानीय डॉक्टर डॉ. गार्गी के किरदार को प्रभावशाली ढंग से निभाया। शो की कहानी का बड़ा हिस्सा अब उनके किरदार के इर्द-गिर्द घूमता नजर आएगा, जिससे आकांक्षा रंजन कपूर की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। ग्राम चिकित्सालय का दूसरा सीजन 23 जून से ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगा।

प्रियंका चाहर ने 'नागिन 7' के सफर को कहा अलविदा

अलौकिक (सुपरनैचुरल) शो 'नागिन' के सातवें सीजन के समाप्त होने के बाद प्रियंका चाहर चौधरी ने शो को अलविदा कहते हुए एक भावुक संदेश साझा किया। इस अवसर पर उन्हें टीवी जगत की 'जारिना' कही जाने वाली एकता कपूर से खूब सराहना मिली। एकता ने कहा कि वह प्रियंका के साथ फिर से काम करने का बेसब्री से इंतज़ार कर रही हैं। इस सफर को 'अविस्मरणीय यात्रा' करार देते हुए प्रियंका ने सबसे पहले इंस्टाग्राम पर शूटिंग के आखिरी दिन की एक झलक साझा की और लिखा, 'और इसी के साथ, एक अविस्मरणीय यात्रा का अंत हो रहा है... नागिन 7।'

अभिनेत्री ने कहा कि इस शो ने उन्हें केवल यादें ही नहीं, बल्कि उससे कहीं अधिक दिया है। उन्होंने लिखा, 'इस शो ने मुझे सिर्फ यादों से कहीं ज्यादा दिया है- इसने मुझे खूबसूरत लोग, जीवनभर के रिश्ते और मेरे शिवजी के साथ और भी गहरा जुड़ाव दिया। महादेव से इतनी गहराई से जुड़ी कहानी का हिस्सा बनने से मेरा विश्वास और मजबूत हुआ है, और मैं हर दिन अपने जीवन में उनके प्रेम और उपस्थिति को महसूस करती हूं। यह रिश्ता हमेशा के लिए है और अटूट है।' उन्होंने उन पर भरोसा करने और यह शानदार अवसर देने के लिए एकता कपूर का धन्यवाद किया।

प्रियंका ने आगे कहा, 'मैं हमेशा आभारी रहूंगी। इस अद्भुत यात्रा को जीने का मंच देने के लिए कलर्स टीवी और बालाजी टेलीफिल्मस लिमिटेड का दिल से धन्यवाद। मेरे सह कलाकारों, हमारी शानदार टीम और पर्दे के पीछे काम करने वाले सभी लोगों का शुक्रिया, जिन्होंने इस सफर को इतना खास बनाया।' उन्होंने लिखा, 'और दर्शकों, आपके असीम प्यार और नागिन 7 को शुरुआत से लेकर अंत तक नंबर-1 शो बनाने के लिए धन्यवाद। यह प्यार मेरे लिए सब कुछ है। शो समाप्त हो सकता है, लेकिन इसकी यादें हमेशा बनी रहेंगी... और एक बात निश्चित है- नागिन की विरासत हमेशा जारी रहेगी। हमेशा आभारी। हमेशा धन्य। हर हर महादेव।'

प्रियंका चाहर चौधरी की इस पोस्ट पर एकता कपूर की नजर पड़ी, जिन्होंने उनकी जमकर प्रशंसा की। एकता कपूर ने कमेंट सेक्शन में लिखा, 'सबसे खूबसूरत नागिन के लिए, तुम्हारे साथ काम करना बेहद सुखद अनुभव रहा। तुम मेहनती, खूबसूरत, आकर्षक और बहुत सहयोगी हो। भविष्य में फिर से तुम्हारे साथ काम करने का इंतजार रहेगा। ढेर सारा प्यार प्रियंका, तुम्हें दोबारा हमारे सेट पर देखने का इंतजार है।' 'नागिन' एक सुपरनैचुरल फिक्शन टीवी शो है, जिसकी कहानी रूप बदलने वाले नाग-नागिनों के इर्द-गिर्द घूमती है। इसका पहला सीज़न वर्ष 2015 में शुरू हुआ था।

प्रियंका की बात करें तो उन्हें 'उड़ारियां' में तेजो कौर संधू का किरदार निभाने के बाद बड़ी लोकप्रियता मिली। 'बिग बॉस 16' में भी उनके व्यक्तित्व को दर्शकों ने खूब पसंद किया और वह शो की दूसरी रनर-अप रहीं। वर्ष 2016 में उन्होंने कई पंजाबी म्यूजिक वीडियो में काम किया, जिनमें 'हंजू', 'मैं बेवफा' और 'ऑनलाइन' शामिल हैं।

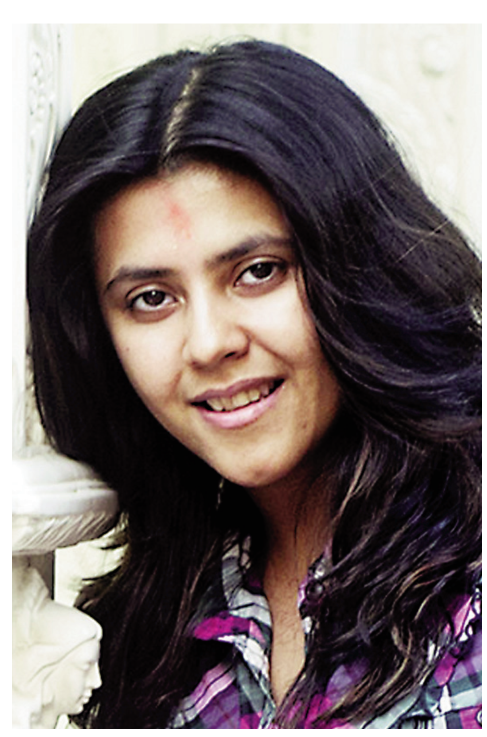

संक्षिप्त समाचार

कतर के गैस संयंत्र पर धमाका, 54 लोग गंभीर रूप से घायल, 18 लापता की तलाश जारी

दोहा , एजेंसी। कतर के प्रमुख प्राकृतिक गैस निर्यात टर्मिनल में रविवार को भीषण विस्फोट हुआ। इस विस्फोट के बाद लगी आग में 54 लोग घायल हो गए और 18 लोग अभी भी लापता हैं। ईरान युद्ध के दौरान ईरानी हमले में इस गैस प्लांट को भारी नुकसान हुआ था। रविवार को इस प्लांट को मरम्मत के बाद फिर से चालू करने की कोशिश की गई। इसी कोशिश में विस्फोट हुआ। यह विस्फोट रास लाफान औद्योगिक क्षेत्र में हुआ, जो कतर के प्राकृतिक गैस उद्योग का प्रमुख केंद्र है। इस घटना से वैश्विक ऊर्जा बाजारों में और अधिक अस्थिरता पैदा होने की आशंका जताई जा रही है, क्योंकि कतर दुनिया के सबसे बड़े प्राकृतिक गैस उत्पादकों में से एक है। ईरान द्वारा हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण कड़ा किए जाने के कारण कतर अपने ग्राहकों तक गैस की खेप नहीं भेज पा रहा था। इसी वजह से कतर ने अपनी गैस उत्पादन गतिविधियों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया था। हालांकि, युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करने को लेकर जारी वार्ताओं के बीच ईरान द्वारा जलडमरूमध्य पर अपनी पकड़ कुछ ढीली करने के बाद कतर ने अपने निर्यात टर्मिनल को फिर से चालू करने की प्रक्रिया शुरू की थी। रविवार रात इसी प्रक्रिया के दौरान बरजान गैस आपूर्ति संयंत्र में विस्फोट हुआ और आग लग गई। सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी कतर एनर्जी ने इस घटना की पुष्टि की है। विस्फोट के बाद हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। शुरुआत जांच के बाद अधिकारियों ने बताया था कि केवल कुछ लोग ही घायल हुए हैं। हालांकि, कई घंटे बाद कतर के गृह मंत्रालय ने कहीं अधिक गंभीर स्थिति का खुलासा करते हुए बताया कि इस हादसे में 54 लोग घायल हुए हैं।

नेपाल के बारा में यात्री बस पलटी 11 यात्री हुए घायल

काठमांडू, एजेंसी। रक्सौल के नितनपुर चौक पर एक यात्री बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिससे 11 लोग घायल हो गए। इनमें से एक की हालत गंभीर है। सभी यात्री सप्तरी और पर्सा जिले के हैं। हादसे के बाद बस के चालक ने मौके से भाग लिया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। नेपाल के बारा जिले के जीतपुरसिमरा उपमहानगरपालिका-10 स्थित नितनपुर चौक पर रविवार सुबह एक यात्री बस दुर्घटनाग्रस्त होकर सड़क पर पलट गई, इससे 11 यात्री घायल हो गए। घायलों में एक व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी नेपाल के सप्तरी व पर्सा जिले के रहने वाले हैं ।हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, वीरगंज से सप्तरी के राजविराज की ओर जा रही यात्री बस रविवार सुबह करीब 11 बजे वीरगंज-पथलैया सड़क खंड के नितनपुर चौक के समीप एक अन्य वाहन को ओवरटेक करने के दौरान अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। घायलों को तत्काल विभिन्न अस्पतालों में भेजा गया। दुर्घटना के बाद क्षतिग्रस्त बस को हटाकर इलाका पुलिस कार्यालय सिमरा के नियंत्रण में रखा गया।

ऑस्ट्रेलिया में बर्ड फ्लू की पुष्टि, वन्यजीवों पर खतरा

केनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में घातक एच5एन1 बर्ड फ्लू के पहले मामले की आधिकारिक रूप से पुष्टि हो गई है। शनिवार को पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में पाए गए एक ब्राउन स्कुआ समुद्री पक्षी में इस वायरस की मौजूदगी की पुष्टि की गई। यह समुद्री पक्षी पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के पर्थ शहर से लगभग 700 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व स्थित केप ले ग्रांड नेशनल पार्क के निकट पाया गया था। इसी क्षेत्र में मिले एक अन्य समुद्री पक्षी, साउदर्न जायंट पेट्रेल, के भी इस वायरस से संक्रमित होने की आशंका जताई गई है। रुआती जांच के बाद दोनों पक्षियों से लिए गए नमूनों को वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान संगठन भेजे गए, जहां एच5एन1 वायरस की पुष्टि की गई। विशेषज्ञों का मानना है कि इस वायरस ने दुनिया के अन्य महाद्वीपों में वन्यजीव आबादी को भारी नुकसान पहुंचाया है और ऑस्ट्रेलिया में इसकी मौजूदगी देश के पक्षियों और वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए एक लंबी चुनौती की शुरुआत हो सकती है। एवियन इन्फ्लूएंजा वायरस हजारों वर्षों से मौजूद हैं और अधिकांश मामलों में पक्षियों में कोई गंभीर बीमारी नहीं पैदा करते। हालांकि, वर्ष 1996 में इन वायरसों में से एक ने विकसित होकर गंभीर बीमारी पैदा करने की क्षमता हासिल कर ली। इसके बाद से एचपीएआई एच5एन1 वायरस पोल्ट्री उद्योग के लिए बड़ा खतरा बन गया। दुनिया के कुल पक्षियों में लगभग 70 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाली मुर्गियां इस वायरस का सबसे ज्यादा शिकार बन चुकी हैं।

स्विट्जरलैंड में अमेरिका-ईरान शांति वार्ता अधर में अटकी ! ईरानी प्रतिनिधिमंडल का वॉकआउट

बर्न, एजेंसी। मध्य पूर्व में शांति बहाली और तनाव कम करने के उद्देश्य से स्विट्जरलैंड में चल रही अमेरिका-ईरान की बेहद संवेदनशील कूटनीतिक वार्ता में एक अप्रत्याशित मोड़ आ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सोशल मीडिया पर ईरान को दी गई सीधी सैन्य चेतावनी के बाद, ईरानी प्रतिनिधिमंडल बैठक बीच में ही छोड़कर बाहर निकल गया। इस घटना के बाद से यह अटकलें तेज हो गई हैं कि दोनों देशों के बीच की यह नाजुक शांति वार्ता पूरी तरह पटरी से उतर चुकी है। बैठक स्थल से सामने आए एक वीडियो फुटेज ने कूटनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि चर्चा के बीच ही ईरानी अधिकारियों का दल कमरे से बाहर निकल जाता है। इस दौरान कमरे में मौजूद अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ मूकदर्शक बनकर देखते रह गए।

बातचीत किस बारे में थी : यह बातचीत मध्य पूर्व में तनाव कम करने के चल रहे प्रयासों का हिस्सा थी और 14-सूत्रीय समझौता ज्ञापन के तहत आयोजित की गई थी। खबरों के अनुसार, वार्ताकारों ने कई अहम मुद्दों पर घंटों चर्चा की, जिनमें लेबनान में संघर्ष विराम बनाए रखना, होर्मुज जलडमरूमध्य से आवाजाही की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना और

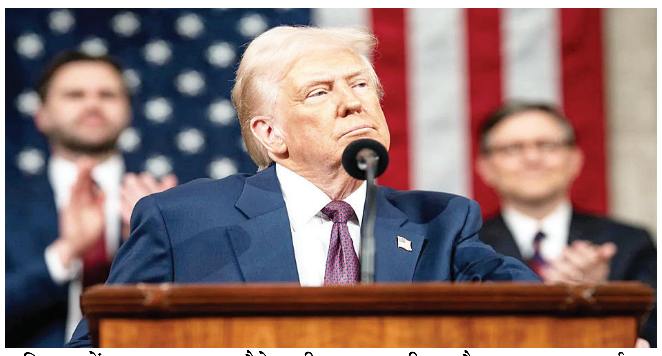

भविष्य में परमाणु समझौते की संभावना तलाशना शामिल था।

खबरों के मुताबिक, दोनों पक्ष क्षेत्र में और अस्थिरता को रोकने के उद्देश्य से तकनीकी और राजनीतिक उपायों पर विचार कर रहे थे। चर्चा का मुख्य केंद्र लेबनान था, जहां अधिकारियों ने दक्षिणी लेबनान के कुछ हिस्सों में जारी सैन्य गतिविधियों के बावजूद मौजूदा संघर्ष विराम को मजबूत करने के तरीकों की समीक्षा की। प्रतिभागियों ने तनाव बढ़ने से रोकने और पिछले समझौतों के पालन में सुधार के तरीकों पर भी विचार किया।

क्या ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने हाथ मिलाने की योजना को ठुकरा दिया : औपचारिक चर्चा शुरू होने से पहले, आयोजकों ने दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच प्रतीकात्मक रूप से हाथ मिलाने और समूह फोटो खिंचवाने की योजना बनाई थी। हालांकि, विदेश मंत्री अब्बास अरागची और मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बाघेरी गालिबाफ सहित ईरानी वार्ताकारों ने इसमें भाग लेने से इनकार कर दिया।

खबरों के अनुसार, ईरानी अधिकारियों ने प्रस्तावित फोटो सेशन को गंभीर राजनयिक बातचीत के बजाय प्रचार का एक जरिया माना। बैठक स्थल के वीडियो फुटेज में अरागची को उस कमरे में प्रवेश करते हुए दिखाया गया जहां जेडी वेंस, अमेरिकी दूत स्टीव विटकोफ और अन्य अमेरिकी अधिकारी मौजूद थे। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत करने के बजाय, अरागची ने पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से हाथ मिलाकर अभिवादन किया और कुछ ही क्षणों बाद वहां से चले गए।

ट्रंप ने क्या कहा : ट्रंप ने लेबनान में हिजबुल्लाह की गतिविधियों को लेकर तेहरान को कड़ी चेतावनी दी। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, ट्रंप ने मांग की कि ईरान हिजबुल्लाह पर लगाम लगाए और चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर अमेरिका की ओर से नई सैन्य कार्रवाई हो सकती है। ये टिप्पणियां उस समय आईं जब बातचीत चल ही रही थी, जिससे वार्ता में अनिश्चितता का एक नया पहलू जुड़ गया। ट्रंप ने लिखा, 'ईरान को लेबनान में अपने भारी-भरकम पैसे पाने वाले प्रॉक्सी (प्रतिनिधियों) को गड़बड़ी फैलाने से तुरंत रोकना चाहिए। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो हम ईरान पर फिर से बहुत ज़ोरदार हमला करेंगे, ठीक वैसे ही जैसे हमने पिछले हफ़्ते किया था, बल्कि उससे भी ज़्यादा ज़ोरदार !!! '

बाद में ईरानी मीडिया ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल के जाने का फ़ैसला राष्ट्रपति की टिप्पणियों से जुड़ा था, जिसे तेहरान के अधिकारियों ने कूटनीतिक पहल के बजाय एक धमकी के तौर पर देखा। ईरानी मीडिया की रिपोर्टों से पता चला कि ट्रंप की टिप्पणियों के बाद बातचीत करने वालों ने अमेरिकी पक्ष के सामने औपचारिक रूप से अपनी आपत्तियां ज़ाहिर कीं। हालांकि किसी भी पक्ष ने आधिकारिक तौर पर बातचीत के विफल होने की घोषणा नहीं की है, लेकिन इस घटना ने नए सवाल खड़े कर दिए हैं कि क्या बढ़ती बयानबाज़ी के बीच यह नाजुक कूटनीतिक गति बनी रह पाएगी।

शिकागो शहर में गोलीबारी में सात लोगों की मौत, कई घायल; ट्रंप ने दोहराई सैन्य हस्तक्षेप की मांग

शिकागो , एजेंसी। अमेरिका के शिकागो शहर में सप्ताहांत के दौरान हुई गोलीबारी की कई घटनाओं में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई, जबकि 38 अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, ये घटनाएं शुक्रवार शाम से शुरू हुईं। इन घटनाओं के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश के तीसरे सबसे बड़े शहर में सैन्य हस्तक्षेप की अपनी मांग दोहराई है। डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, 'गवर्नर प्रिट्जकर मुझसे मदद क्यों नहीं मांग रहे हैं? मैं एक महीने में शिकागो को सुरक्षित शहर बना सकता हूं। एक साल में यह सबसे सुरक्षित शहरों में शामिल होगा।' इलिनॉय के गवर्नर जे.बी. प्रिट्जकर के कार्यालय ने इस पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। प्रिट्जकर वर्ष 2028 के संभावित डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद के दावेदार माने जाते हैं और वे पहले भी ट्रंप की सैन्य हस्तक्षेप संबंधी मांगों को खारिज कर चुके हैं। ट्रंप के कार्यकाल में न्यू ऑरलियन्स, वॉशिंगटन डीसी और टेनेसी के मेम्फिस जैसे डेमोक्रेटिक नेतृत्व वाले शहरों में अपराध नियंत्रण अभियानों के लिए नेशनल गार्ड की तैनाती की जा चुकी है। हालांकि, शिकागो पुलिस विभाग के आंकड़ों के अनुसार पिछले वर्ष की पहली छमाही की तुलना में गोलीबारी की घटनाओं में मामूली वृद्धि हुई है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में शहर में हिंसक अपराधों की दर में सामान्य तौर पर कमी दर्ज की गई है। पुलिस द्वारा साझा की गई प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार शाम पांच बजे से अब तक कम से कम दो दर्जन गोलीबारी की घटनाएं हुई हैं। मारे गए लोगों में एक 21 वर्षीय युवक शामिल है, जिसे रविवार को सीने में गोली मारी गई। इसके अलावा शनिवार शाम एक 18 वर्षीय युवक की बगल में गोली लगने से मौत हुई, जबकि शुक्रवार को 50 वर्षीय व्यक्ति की सीने में गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार शाम शिकागो की एक सड़क पर खड़ी भीड़ पर एक एसयूवी से आए दो लोगों ने अंधाधुंध गोलीबारी कर दी।

जीत का जश्न बना रही थी महिला, पड़ोसी ने 911 पर किया फोन; अमेरिकी पुलिस ने घर में घुसते ही चलाई गोली

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के लॉस एंजिलिस में एक महिला की खुशी का जश्न कुछ ही मिनटों में मातम में बदल गया। 911 पर एक पड़ोसी की शिकायत के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला के पालतू कुत्ते को गोली मार दी। इस पूरी घटना का वीडियो अब सामने आया है, जिसके बाद सोशल मीडिया पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर भारी विवाद खड़ा हो गया है। वीडियो में दिख रहा है कि महिला अपने पसंदीदा बास्केटबॉल क्लब न्यूयॉर्क निक्स की ऐतिहासिक जीत का जश्न मना रही थी, लेकिन पुलिस ने इसे संभावित खतरे की स्थिति मान लिया।

लॉस एंजिलिस पुलिस विभाग के अनुसार, 13 जून को एक महिला ने 911 पर फोन कर शिकायत की थी कि उसकी पड़ोसी पिछले 20 मिनट से लगातार ओह माय गॉड चिल्ला रही है। शिकायत करने वाली महिला को आशंका थी कि पड़ोसी के घर में कोई गंभीर घटना हुई है। इसके बाद दो पुलिस अधिकारियों को वेलनेस चेक के लिए अपार्टमेंट भेजा गया। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो पता चला कि महिला मैरी मार्सिले न्यूयॉर्क निक्स की 53 साल बाद मिली एनबीए चैंपियनशिप जीत का जश्न मना रही थीं।

क्या पुलिस के पहुंचते ही कुत्ते ने भौंकना शुरू कर दिया था? पुलिस द्वारा जारी बॉडीकैम वीडियो में दिखता है कि जैसे ही अधिकारी मैरी मार्सिले से बात करने लगे, उनका दो साल का पालतू कुत्ता जेम्सन जोर-जोर से भौंकने लगा। जेम्सन गोल्डन रिट्रीवर, सेंट बर्नार्ड और पूडल नस्ल का मिश्रित कुत्ता था और उसने न्यूयॉर्क निक्स की जर्सी पहन रखी थी। अधिकारियों ने महिला से कुत्ते को अंदर बांधने के लिए कहा। महिला ने माफी मांगते हुए कुत्ते को अंदर ले जाकर दरवाजा बंद कर दिया। इस दौरान एक अधिकारी को यह कहते हुए सुना गया कि वह इतने बड़े कुत्ते से कटवाना नहीं चाहता।

आखिर पुलिस ने कुत्ते पर गोली क्यों चलाई : कुछ देर बाद महिला ने दोबारा दरवाजा खोला। पुलिस ने उनसे पूछा कि क्या कुत्ते को सुरक्षित कर दिया गया है। महिला ने जवाब दिया कि उसका कुत्ता आक्रामक नहीं है। हालांकि, इसी दौरान करीब 48 किलोग्राम वजनी जेम्सन फिर बाहर आ गया।

गजब ! ऐसा भूकंप आया कि पूरा देश एक तरफ खिसक गया, 6 किमी आगे हुआ शिफ्ट

टोक्यो, एजेंसी। साल 2011 में जापान ने भयंकर दर्द सहा। तब मार्च के महीने में आया एक विनाशकारी भूकंप 20 हजार लोगों की मौत की वजह बन गया। हालांकि, अब नई जानकारी सामने आई है, जिससे खुलासा हुआ है कि सिर्फ तबाही ही नहीं, उस भूकंप ने दुनिया में जापान की जगह ही बदल कर रख दी थी। लोगों को चोट पहुंचाने और तबाही का पर्याय माने जाने वाले भूकंप ने एक ऐसी घटना को भी अंजाम दिया है, जिसने वैज्ञानिकों को भी हैरानी में डाल दिया है। कहानी जापान की है, जिसने साल 2011 में भयंकर दर्द सहा। देश में तब आए भूकंप को लेकर स्टडीज जारी हैं और अब खुलासा हुआ है कि झटकों के बाद पूरा देश ही एक दिशा में आगे बढ़ गया था। अब तक इसकी वजह साफ नहीं हुई थी, लेकिन वैज्ञानिकों

ने इस क्षेत्र में प्रगति कर बड़े रहस्य से पर्दा उठाया है। लगभग 15 साल पहले जापान में आए विनाशकारी भूकंप को लेकर वैज्ञानिकों ने नया खुलासा किया है। 2011 में 9 तीव्रता वाले भूकंप से जापान देश पूर्व की तरफ 5-6 मिलीमीटर आगे खिसक गया था। साल 2011 में आए भूकंप की तीव्रता 9 मापी गई थी। उस विनाशकारी त्रासदी में 20 हजार लोगों की मौत हो गई थी। शिकागो विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने सैटेलाइट नेटवर्क के जरिये डाटा जुटाया। भूकंप के कारण फॉल्ट लाइन (दरार) के पास चट्टानों के बड़े ब्लॉक अचानक एक-दूसरे के आगे फिसल गए। इस भूकंप से जो शक्तिशाली तरंगें निकलीं, वे पृथ्वी के भीतर गहराई में सीधे पृथ्वी के केंद्र तक गईं। ये तरंगें कोर से टकराकर सतह की ओर लौट आईं। इस दौरान तरंगों ने जापान के नीचे मौजूद टेक्टोनिक प्लेटों की सीमाओं को दोबारा सक्रिय कर दिया, जिससे जमीन में अतिरिक्त हलचल पैदा हुई। जापान ने जियो नेट नाम का एक विशाल नेटवर्क बना रखा है। इसमें 1,200 से अधिक जीपीएस स्टेशन लगे हैं।

भविष्य में मिलेगी मदद : इस खुलासे ने बताया कि पृथ्वी के कोर से टकराकर लौटने वाली तरंगें मुख्य भूकंपीय क्षेत्र को दोबारा सक्रिय कर सकती हैं। भविष्य में संवेदनशील इलाकों में भूकंप के खतरों का नए सिरे से आकलन करने में मदद करेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जापान के उत्तर पूर्वी तट पर आए तूफान के बाद वैज्ञानिकों को हैरान करने वाली चीज दिखी थी। झटकों के करीब 16 मिनट बाद जापान में लगे तक्क स्टेशन्स ने पाया कि देश पूर्वी दिशा में खिसक गया है। खास बात है कि ये गतिविधियां पूरे देश में एकसाथ हुईं।

'न वो मेरी हर बात मानते हैं, न मैं उनकी...', ट्रंप से रिश्तों पर नेतन्याहू का बड़ा बयान; फिर बढ़ी टेंशन

तेलअवीव, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी भारी तनाव के बीच इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपने संबंधों को लेकर एक बड़ा और चौंकाने वाला बयान दिया है। एक अंतरराष्ट्रीय नीति सम्मेलन को संबोधित करते हुए नेतन्याहू ने कहा कि भले ही अमेरिका और इजरायल करीबी सहयोगी हों, लेकिन दोनों देशों के बीच हमेशा हर मुद्दे पर सहमति नहीं होती।

'हम स्वतंत्र देशों के नेता हैं' : प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने ट्रंप के साथ अपने तालमेल पर बात करते हुए कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप वह सब कुछ नहीं करते जो मैं चाहता हूं और न ही मैं वह सब कुछ करता हूं जो वह चाहते हैं। उन्होंने जोर

देकर कहा कि वे दोनों आजाद और गर्व करने वाले देशों के नेता हैं और यह स्वाभाविक है कि कभी-कभी उनकी राय एक-दूसरे से अलग हो।

नेतन्याहू का यह बयान ऐसे समय में आया है जब इजरायल हमास, हिज्बुल्लाह और ईरान समर्थित अन्य समूहों के साथ सुरक्षा चुनौतियों से जूझ रहा है। हालांकि अमेरिका इन मुद्दों पर इजरायल का साथ देता है, लेकिन ट्रंप प्रशासन हमेशा इजरायल की हर मांग को तुरंत स्वीकार नहीं करता।

अमेरिका-ईरान वार्ता : दूसरी ओर, जिनेवा में अमेरिका और ईरान के बीच चल रही कूटनीतिक हलचल पर भी बड़ी जानकारी सामने आई है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार, दोनों देशों के बीच लगभग 18 घंटे तक गहन चर्चा हुई। इस बातचीत में कतर और पाकिस्तान ने मध्यस्थ के रूप में काम किया। प्रवक्ता ने बताया कि नेगोशिएटिंग डेलिगेशन का काम फिलहाल एक चरण के लिए पूरा हो गया है और अब विशेषज्ञों की 'टेक्निकल टीमें' विवरणों पर काम जारी रखेंगी। जल्द ही मध्यस्थों की ओर से एक लिखित दस्तावेज जारी किया जाएगा, जिसमें उन सभी बिंदुओं की रूपरेखा होगी जिन पर सहमति बनी है। इस पूरी वार्ता में ईरान ने मुख्य रूप से दो बड़ी मांगें रखी हैं।

पहली मांग यह है कि ईरान को अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपना तेल बेचने के लिए जरूरी परमिट दिए जाएं और तेल की बिक्री पर लगी पाबंदियां हटाई जाएं। दूसरी बड़ी शर्त 'फ्रोजन एसेट्स' से जुड़ी है। ईरान चाहता है कि अमेरिकी प्रतिबंधों की वजह से दुनिया के अलग-अलग देशों में फंसे उसके अरबों डॉलर वापस दिए जाएं। ईरानी प्रवक्ता ने स्पष्ट कर दिया कि इन दो मुद्दों का समाधान निकलना वार्ता की सफलता के लिए बेहद जरूरी है।

कोलंबिया में क्यों जले अमेरिकी झंडे? राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों के बाद भारी बवाल, जानें क्या है ट्रंप कनेक्शन

बोगोटा, एजेंसी। कोलंबिया में हुए राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे आने के बाद देश के हालात बहुत ज्यादा खराब हो गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप के समर्थन वाले कट्टर दक्षिणपंथी नेता अबेलार्दो दे ला एस्प्रिएला ने इस चुनाव में बहुत ही कम अंतर से जीत दर्ज की है। इस खबर के बाद कोलंबिया के तीसरे सबसे बड़े शहर काली में हिंसक प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी झंडे जलाए हैं। इसके साथ ही दंगा-रोधी पुलिस के साथ भीड़ की काफी भारी झड़प भी हुई है जिसे रोकने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया गया।

राष्ट्रपति चुनाव में अबेलार्दो दे ला एस्प्रिएला को 49.66 प्रतिशत वोट मिले जबकि वामपंथी इवान सेपेदा को 48.70 प्रतिशत वोट हासिल हुए हैं। इन दोनों प्रमुख उम्मीदवारों के बीच केवल कुछ लाख वोटों का ही बहुत मामूली अंतर रहा है। जीत के बाद 47 साल के अबेलार्दो ने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जताते हुए कहा कि देश ने अपना सबसे महत्वपूर्ण मुकाबला जीत लिया है। उन्होंने बताया कि उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बात हुई जिन्होंने उन्हें बधाई और पूरा समर्थन दिया है।

दक्षिणपंथी राजनीति की वापसी : अबेलार्दो की इस अहम जीत के साथ ही कोलंबिया में एक बार फिर से दक्षिणपंथी राजनीति की सत्ता में वापसी हो गई है। पिछले 200 वर्षों के इतिहास में केवल 4 साल को छोड़कर ज्यादातर समय यहां दक्षिणपंथी दल ही शासन करते रहे हैं। वामपंथी दल इस बड़ी जीत को सीधे तौर पर कोलंबिया के चुनाव में अमेरिका का भारी हस्तक्षेप बता रहे हैं। इसलिए अब देश में हिंसक विरोध-प्रदर्शनों के आगे भी लगातार जारी रहने की पूरी संभावना जताई जा रही है।

अमेरिकी समर्थन और भविष्य की नीतियां : अबेलार्दो दे ला एस्प्रिएला के पास अमेरिका और कोलंबिया दोनों देशों की नागरिकता मौजूद है और वे खुद को बाघ कहते हैं। चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने कहा था कि वह सत्ता में आते ही विद्रोही समूहों के साथ चल रही शांति वार्ताएं खत्म कर देंगे। उन्होंने इन विद्रोही समूहों के खिलाफ अमेरिका के समर्थन से 90 दिनों तक लगातार हवाई हमले करने का भी ऐलान किया था। उनके इन आक्रामक फैसलों से देश में नई राजनीतिक और सामाजिक उथल-पुथल मचने की गहरी आशंका पैदा हो गई है।

कोलंबिया के सामने बड़ी चुनौतियां : कोलंबिया में फार्क गुरिल्ला गुट के साथ हुए ऐतिहासिक शांति समझौते को अब 10 साल पूरे हो चुके हैं। इस एक दशक के दौरान देश के कई हिस्सों में काफी विकास हुआ है लेकिन चुनौतियां अभी भी कायम हैं।

हिजबुल्ला प्रमुख बोले- इस्राइल-अमेरिका हार चुके; ट्रंप पर भी लगाए कई आरोप

बेरूत, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव कम करने की कोशिशों के बीच हिजबुल्ला प्रमुख शेख नईम कासिम ने अमेरिका और इस्राइल पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने दावा किया है कि ईरान और क्षेत्र के प्रतिरोधी गुटों को खत्म करने की अमेरिका-इस्राइल की योजना पूरी तरह विफल हो चुकी है। कासिम ने आरोप लगाया कि लेबनान में इस्राइल की सैन्य कार्रवाई अमेरिका के समर्थन के बिना संभव नहीं थी। उन्होंने कहा कि हालिया संघर्ष के बाद पश्चिम एशिया एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां तथाकथित अमेरिकी-इस्राइली परियोजना को हार का सामना करना पड़ा है।

शेख नईम कासिम ने मध्य अशूरा परिषद को संबोधित करते हुए कहा कि ईरान ने भारी नुकसान और बलिदान झेलने के बावजूद खुद को पहले से अधिक मजबूत साबित किया है। उन्होंने कहा कि ईरान कभी भी अपने अधिकारों और क्षेत्रीय प्रभाव को नहीं छोड़ेगा। कासिम के मुताबिक, अमेरिका और इस्राइल ने क्षेत्र में प्रतिरोधी ताकतों को कमजोर करने की कोशिश की, लेकिन वे इसमें सफल नहीं हो सके। उन्होंने कहा कि अब क्षेत्र में नई राजनीतिक और सुरक्षा परिस्थितियां बन रही हैं। हिजबुल्ला प्रमुख ने उन युद्धविराम प्रस्तावों की आलोचना की, जिनमें इस्राइल को सैन्य कार्रवाई जारी रखने की छूट दी जाती है। कासिम ने कहा कि ऐसा कोई भी समझौता वास्तव में युद्धविराम नहीं, बल्कि आक्रामकता को जारी रखने का माध्यम है। उन्होंने आरोप लगाया कि अतीत में भी जब हिजबुल्ला ने युद्धविराम का पालन किया, तब

इस्राइल ने समझौतों का उल्लंघन किया। उन्होंने साफ कहा कि संगठन ऐसे किसी भी प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करेगा, जिसमें पूरी तरह सैन्य कार्रवाई बंद करने की गारंटी न हो।

हिजबुल्ला किस तरह के युद्धविराम की मांग कर रहा है : कासिम ने कहा कि वास्तविक युद्धविराम का मतलब है कि हवा, जमीन और समुद्र से होने वाली सभी सैन्य गतिविधियां पूरी तरह बंद हों। इसके अलावा लेबनान में ढांचों को ध्वस्त करने की कार्रवाई भी समाप्त होनी चाहिए। उन्होंने यह भी मांग की कि इस्राइली सेना लेबनान के कब्जे वाले इलाकों से पूरी तरह पीछे हटे। हिजबुल्ला प्रमुख ने दावा किया कि संगठन को ईरान का मजबूत समर्थन प्राप्त है और तेहरान ने लेबनान की रक्षा को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल किया है। उन्होंने यह भी कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करना एक प्रभावी रणनीतिक हथियार साबित हो सकता है।

अमेरिका और ट्रंप को लेकर हिजबुल्ला ने क्या कहा : शेख नईम कासिम ने अमेरिका पर सीधे तौर पर इस्राइल का समर्थन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी मदद के बिना लेबनान में मौजूदा स्तर का संघर्ष संभव नहीं था। कासिम ने दावा किया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चाहें तो इस्राइल की सैन्य कार्रवाई को तुरंत रोक सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर वॉशिंगटन इस्राइल पर दबाव बनाए तो प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिकी मांग को ठुकरा नहीं पाएंगे। कासिम ने दोहराया कि हिजबुल्ला किसी ऐसे समझौते को स्वीकार नहीं करेगा, जिसमें पूर्ण युद्धविराम शामिल न हो।

क्या कूटनीतिक प्रयासों के बीच बदल सकता है पश्चिम एशिया का समीकरण : हिजबुल्ला प्रमुख का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका और ईरान के बीच तकनीकी स्तर की बातचीत जारी है। पश्चिम एशिया में तनाव समाप्त करने के लिए 14 सूत्रीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद कूटनीतिक गतिविधियां तेज हुई हैं। इस प्रक्रिया में लेबनान में इस्राइली सैन्य अभियान को समाप्त करना भी एक अहम मुद्दा माना जा रहा है। ऐसे में हिजबुल्ला के ताजा बयान से संकेत मिलता है कि क्षेत्र में शांति स्थापित करने की राह अभी भी चुनौतीपूर्ण बनी हुई है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.